राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, गुरुवार 29 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 141

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

▼ ब्रीफ खबरें

सनसनीखेज व संविधान विरोधी कृत्य : बाउरी

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर भाउरी ने कहा है कि पांच महीने से चंपाई सोरेन के ऊपर सर्विलांस लगा हुआ था. यह आश्चर्यचकित करने वाला मामला है. वह मुख्यमंत्री रहे हैं, वर्तमान सरकार में मंत्री हैं. ट्वीट कर लिखा है कि क्या झारखंड में एक परिवार संविधान व संस्थानों से भी बड़ा हो गया है. चंपाई सोरेन की अपनी ही सरकार पिछले कई महीनों से जासूसी कर रही थी. स्पेशल ब्रांच के दो अधिकारियों को चंपाई सोरेन जी का पीछा करते दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में पकड़ा है. जिन्होंने उच्च अधिकारियों व राजनेता के निर्देश पर ऐसा करने की बात कबूली है.

जनता का आशीर्वाद ही मेरी हिम्मत : हेमंत

रांची। जनता का आशीर्वाद ही मेरी हिम्मत और मेरी ताकत है. उक्त बात सीएम हेमंत सोरेन ने एक्स पर पोस्ट कर कही. उन्होंने इस पोस्ट में भाजपा पर तंज भी कसा . हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा के षड्यंत्र, साजिश और तमाशों को राज्य में सरकार बनने के बाद से मैं देख रहा हूं. हर बार ईस्ट इंडिया कंपनी के इन वंशजों को करारा जवाब भी दिया है. इन्होंने मुझे तोड़ने की कोशिश की, इनसे हो न सका. मुझे झुकाने की कोशिश की, झारखंड को झुकाने की कोशिश की, इनसे हो न सका. झारखंड की करोड़ों जनता का भरोसा और उम्मीद मुझे हर षड्यंत्र और साजिशों से लड़ने की ताकत देता है.

पीएम मोदी से मिल कर लिया मार्गदर्शनः मरांडी

रांची। झारखडं भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी. इस मुलाकात में क्या बात हुई इस पर बुधवार को मीडिया के सवालों का उन्होंने जबाव दिया. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम मोदी से झारखंड की राजनीति के बारे में चर्चा हुई. बाबूलाल मरांडी ने कहा, झारखंड की राजनीति पर पीएम नरेंद्र मोदी से मार्गदर्शन लिया. अब हम काम में लग जाएंगे. उसके बाद जब वो चुनाव प्रचार के समय आएंगे तब आगे देखेंगे. उनके साथ झारखंड और देश की ताजा राजनीतिक स्थिति पर विचार किया. राज्य के हालात पर चर्चा की.

हिमंता का दावा : चंपाई की जासूसी हो रही थी
दिल्ली पुलिस ने कहा : कुछ भी संदिग्ध नहीं

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा ने दावा किया है कि झारखंड पुलिस के दो दारोगा दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का पीछा कर रहे थे. दोनों दारोगा को पकड़ कर दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया है. दोनों पुलिस की हिरासत में है. हिमंता ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि चंपाई सोरेन अभी झारखंड सरकार में मंत्री हैं. उन्होंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है. जब तक वे इस्तीफा नहीं देते हैं, तब तक वो मंत्री हैं. वह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं. हिमंता ने कहा कि चंपाई सोरेन एक सप्ताह पहले भी दिल्ली गये थे और वहां तीन दिन रुके थे. वहीं दूसरी बार वो 26 अगस्त को कोलकाता होते हुए दिल्ली गये थे. दोनों ही बार वह अपनी टीम के साथ होटल में रुके थे. हिमंता ने दावा किया कि झारखंड पुलिस के दो दारोगा ने दोनों बार चंपाई सोरेन का पीछा किया थे. इन दोनों को 27 अगस्त शाम को लोगों ने पकड़ा और दिल्ली पुलिस को सौंप दिया. उन्होंने दावा किया है कि दिल्ली पुलिस के समक्ष दोनों दारोगा ने स्वीकार किया है कि स्पेशल ब्रांच के प्रभारी एडीजी आईजी प्रभात कुमार के कहने पर वह दिल्ली में चंपाई सोरेन का पीछा कर रहे थे. हिमंता ने यह भी कहा किया कि चंपाई सोरेन ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज किया है.

दिल्ली पुलिस पूछताछ के बाद दोनों एसआई को छोड़ा : उधर, पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में ठहरे झारखंड पुलिस के एसआई से दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की. दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि संदेह था कि ये दोनों एसआई राज्य के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की जासूसी कर रहे थे. दोनों को मंगलवार रात दिल्ली के चाणक्यपुरी थाने की एक टीम ने पकड़ा एवं उनसे पूछताछ की. दोनों एसआई झारखंड पुलिस की विशेष शाखा में तैनात हैं. दोनों को पांच सितारा होटल से थाने ले जाया गया और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया. दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि ये दोनों अधिकारी सामान्य ड्यूटी पर दिल्ली आये थे. उनसे पूछताछ में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं मिला, इस लिए उन्हें छोड़ दिया गया.

हिमंता ने लगाए थे ये आरोप : हिमंता आरोप लगाया कि चंपाई सोरेन पर पिछले पांच महीने से उनकी ही सरकार की पुलिस नजर रख रही थी. शर्मा ने कहा कि सोरेन के करीबी लोगों ने दिल्ली के एक होटल में झारखंड पुलिस की विशेष शाखा के दो उप निरीक्षकों (एसआई) को पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन पर नजर रखते हुए पकड़ा था. उन्होंने कहा, यह भारतीय राजनीति में नजर रखने का दुर्लभतम मामला है. हम इसे सर्वोच्च स्तर तक उठाएंगे.दोनों एसआई के अनुसार संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति और विशेष शाखा के प्रमुख की ओर से चंपाई सोरेन पर नजर रखने के आदेश मिले थे. उन्होंने कहा कि दोनों एसआई को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया है, जो मामले में आगे जांच कर रही है. असम के सीएम ने चंपाई सोरेन के फोन टैप कराए जाने की आशंका भी जताई और कहा कि उन्हें हनी ट्रैप करने की भी साजिश हो सकती है क्योंकि एक महिला भी दोनों एसआई के संपर्क में थी. ये हनीट्रैप का मामला भी हो सकता है. शर्मा ने चंपाई सोरेन की 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होने की घोषणा का जिक्र करते हुए कहा, चंपाई सोरेन पर भाजपा से बातचीत शुरू होने से पहले ही नजर रखी जा रही थी.

सरकार जो चाहे करा ले, मैं डरने वाला नहींः चंपाई

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन बुधवार को रांची पहुंचे. रांची एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा का दामन थामने के लिए मैंने काफी सोच-समझ कर फैसला लिया है. 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि मेरे भाजपा में जाने के फैसले से सिर्फ कोल्हान में ही नहीं पूरे झारखंड की राजनीति में असर पड़ेगा. जासूसी कराए जाने के सवाल पर कहा कि सरकार जो चाहे करा ले, मैं डरनेवाला नहीं हूं. मैं सही निर्णय लिया है.

अपने ही मंत्री की जासूसी करवा रही हेमंत सरकारः बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चंपाई प्रकरण पर राज्य सरकार पर निशाना साधा है. कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विधानसभा चुनाव में करारी हार को देखते हुए पूरी तरह बौखला गए हैं. अलोकतांत्रिक ,असंवैधानिक निर्णय लेते हुए सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। बाबूलाल बुधवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि वे औरंगजेब जैसा व्यवहार कर रहे.

हनी ट्रैप में भी फंसाने की बनाई गई थी योजना : मरांडी ने कहा कि हाल के दिनों में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में हेमंत मंत्रिमंडल में शामिल कैबिनेट मंत्री चंपाई सोरेन की गतिविधियों, उनके झारखंड और राज्य से बाहर के दौरों पर कड़ी नजर रखने के लिए विशेष शाखा ने पुलिसकर्मियों को गुप्त तरीके से लगाया है. खबर तो यहां तक आ रही कि उन्हें हनी ट्रैप में भी फंसाने की योजना बनाई गई थी. दिल्ली पुलिस के समक्ष झारखंड स्पेशल ब्रांच के दो पुलिस कर्मियों ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्हें चंपाई सोरेन के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए लगाया गया है.

संभावना है कि फोन टेपिंग भी हो रहा हो : ऐसी संभावना भी है कि राज्य सरकार चंपाई सोरेन सहित कई अन्य नेताओं की फोन टेपिंग भी करवा रही हो. राज्य के न्यायाधीश गण पर भी निगरानी रखी जा रही है. ऐसी स्थिति में यह राज्य के लिए अत्यंत गंभीर और चिंतनीय है. आज राज्य में अपराधी मस्त हैं. जेल से रंगदारी मांगी जा रही.

जासूसी की जांच राज्य के सिटिंग जज से कराई जाए : आज न्यायालय द्वारा सरकार की पुलिस प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर गंभीर टिप्पणी और निर्देश मिल रहे लेकिन राज्य सरकार अपने अहंकार में पूरी तरह डूबी हुई है. मरांडी ने राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा कराए जा रहे अवैध तरीके से खुफियागिरी ,जासूसी की जांच राज्य के सिटिंग जज से कराई जाए. एडीजी स्पेशल ब्रांच को अविलंब निलंबित किया जाए.

सीएम हेमंत सोरेन को अपने नेता-विधायकों और मंत्रियों पर भरोसा नहीं : शिवराज

रांची। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि सीएम हेमंत सोरेन को सोरेन परिवार के अलावा अपने नेताओं, विधायकों और मंत्रियों पर भी भरोसा नहीं है. चंपाई सोरेन झामुमो के वरिष्ठतम नेता हैं, वे झामुमो के संस्थापक सदस्य भी हैं. लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उन्हें अपमानित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं. अपनी ही पार्टी के इतने बड़े नेता को साजिश के तहत मुख्यमंत्री पद से हटाना और झटपट स्वयं सीएम की कुर्सी पर बैठ जाना, ये आदिवासी समुदाय के एक बड़े नेता का घोर अपमान है.

रक्षा राज्यमंत्री ने ऑपरेशन चांडिल में शामिल नौसेना दल को सम्मानित किया

सेना सिर्फ युद्ध ही नहीं, देश की हर परिस्थिति में खड़ी रहती है : संजय सेठ

- भारतीय नौसेना दल ने अद्वितीय कर्तव्यनिष्ठता का दिया परिचय

संवाददाता। रांची

चांडिल डैम में नौसेना द्वारा सफल रेस्क्यू ऑपरेशन कर लौट रहे जवानों को केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने सम्मानित किया. इस अवसर पर रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने नौ सैनिकों की वीरता और साहस पर गर्व है, जिन्होंने चांडिल डैम में लबालब भरे पानी में कठिन परिश्रम से दो लापता पायलट के साथ लापता एयरक्राफ्ट को खोज कर बाहर निकाला. मौसम अनुकूल नहीं होने के बावजूद नौसेना के जवानों के अथक प्रयास से यह ऑपरेशन सफल रहा. हमारी

सेना सिर्फ युद्ध के लिए नहीं होती, वह हर परिस्थिति में देश की सेवा के लिए होती है. इंडियन नेवी ने एक बार फिर से यह प्रमाणित किया है. रक्षा राज्यमंत्री ने सभी जवानों के साथ संवाद किया, नौसेना के दल से विमान और उसके लापता पायलट के शव को निकालने के लिए हुए सफल ऑपरेशन के अनुभवों को सुना. इस पूरे घटनाक्रम में इन वीर जवानों ने जो धैर्य, वीरता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है, वह अद्वितीय है, इन जवानों का हौसला बढ़ाकर, इनसे मिलकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं.

ऑपरेशन चांडिल में शामिल जवान : कमांडर जन्मेजय सिंह, लेफ्टिनेंट राजीव कुमार पटेल, राजवीर सिंह सैनी, एमसीपीओ द्वितीय सीडी आकाश सिंह, एलएससीडी प्रदीप कुमार खैरवा, एलएससीडी शुभम थांगे, एसईए सीडी अभिनव सिंह, एसईए आई सीडी, रिंकू चाहर, एसईए आई सीडी अमरदीप, एसईए आई सीडी गुरप्रीत सिंह, एसईए आई सीडी ओंकार सिंह, एसईए प्रथम सीडी मुकुल, एसईए II सीडी शिवम केवट, एसईए द्वितीय सीडी युवराज, एसईए II सीडी रोहित कुमार, एसईए II सीडीटीम एचएसयू कमांडर वरुण गुप्ता, सोनू कुमार, पीओ (एचवाई) सागर, एलएस (एचवाई) रोहित, एलएसएचवाई ए रमेश.

ग्रामीण विकास मंत्री ने पोस्ट की सीएम की तस्वीर, खाते दिखे मूढ़ी-घुघनी

झारखंडी दोना में मूढ़ी-घुघनी की ताकत भाजपा का सफाया तय : इरफान अंसारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी का एक्स पर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस पोस्ट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झामुमो और कांग्रेस के नेताओं के साथ झारखंड की पारंपरिक मूढ़ी और घुघनी खाते दिखाई दे रहे हैं. इरफान अंसारी ने अपने पोस्ट में लिखा कि झारखंडी दोना में मूढ़ी-घुघनी की ताकत, भाजपा का सफाया तय. आगे लिखा कि बटर टोस्ट, आमलेट और कॉर्नफ्लेक्स खाने वाले जरा गौर से देखें. हम झारखंडवासी दोना में मूढ़ी, घुघनी, आलू चोप और ऊपर से प्याज-मिर्चा ही खाते हैं. जनता हमें चाहे कितने भी बड़े पद पर बैठा दे, हम अपनी सादगी, रहन-सहन और सभ्यता नहीं भूलते. इसलिए, भाजपा वालों, होश में आ जाओ, तुम्हारी दाल यहां नहीं गलने वाली. भाजपा का सफाया तय है. इस तस्वीर में डॉ इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह, स्टीफेन मरांडी, कल्पना मुर्मू सोरेन, बसंत सोरेन और हफीजुल हसन अंसारी दोना में मूढ़ी-घुघनी खाते दिखाई दे रहे हैं.

सीएम हेमंत के साथ मंत्री डॉ इरफान अंसारी.

अमन साहू अपने गिरोह के सुनील मीणा से दिला रहा घटना को अंजाम

सनसनी : अमन साहू गिरोह ने सोशल मीडिया पर दिखाए हथियार के जखीरे

सौरभ सिंह। रांची

जेल में बंद रहने के बाद भी अमन साहू गिरोह का उत्पात कम होने का नाम नहीं ले रहा है. एक बार फिर अमन साहू गिरोह ने पुलिस को खुली चुनौती दी है. गिरोह ने सोशल मीडिया पर हथियार के जखीरे के साथ एक वीडियो पोस्ट किया है. यह वीडियो अमन साहू नाम के फेसबुक अकाउंट से अपलोड किया गया है. इस वीडियो के जरिये झारखंड और छत्तीसगढ़ पुलिस को खुली चुनौती दी गयी है. वीडियो में कहा गया है कि जेल में बंद मेरे किसी आदमी को कुछ हुआ तो इसका जिम्मेवार पुलिस खुद होगी और इसका अंजाम बुरा होगा. बता दें कि अमन साहू वर्तमान में चाईबासा जेल में बंद है. अमन साहू गैंग का सुनील मीणा को गिरफ्तार करना झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है. सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले घडसाना के नयी मंडी का रहने वाला है. सुनील, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में भी रह चुका है. वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया सुनील कुआलालमपुर में रहने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया और मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपनी जड़े जमाने लगा. वह लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर राजस्थान और पंजाब के कई जिलों में हत्या, रंगदारी वसूली, फायरिंग जैसे घटनाओं को अंजाम दिलाने लगा.

ढाई साल में अमन साहू को नौ जेलों में किया गया शिफ्ट

- 29 अक्टूबर 2021 को रांची से पाकुड़ जेल
- 13 अप्रैल 2022 को गिरिडीह जेल
- 23 जुलाई 2022 को मंडल कारा सिमडेगा
- 17 सितंबर 2022 को पलामू जेल
- 24 नवंबर 2022 को दुमका जेल
- 19 अगस्त 2023 को चाईबासा जेल
- 11 अक्टूबर 2023 को पुनः पलामू जेल
- 20 जून 2024 को फिर से गिरिडीह जेल
- 21 जुलाई 2024 को फिर से चाईबासा जेल

लुधियाना की कंपनी के निदेशक समेत अन्य पर मामला दर्ज

संवाददाता। रांची

खास बातें

- कंपनी के निदेशकों ने साजिश का लगाया था आरोप
- नामकुम थाना क्षेत्र के निवासी हैं संजय साहू

नामकुम थाना क्षेत्र निवासी संजय साहू ने इंटरनेशनल मार्केटिंग कारपोरेशन के निदेशक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है. संजय साहू नामकुम के लीची बगान निवासी महेंद्र साहू के पुत्र हैं और इंटरनेशनल मार्केटिंग कारपोरेशन में बिजनेस एसोसिएट के रूप में काम करते थे. कंपनी पंजाब के लुधियाना की है. प्राथमिकी में निदेशक राकेश कुमार, अखिल कपूर, सत्यन भाटिया और अशोक भाटिया को भी आरोपी बनाया गया है. प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि कंपनी के निदेशकों ने उनके खिलाफ साजिश कर फंसाने की साजिश रची थी.

प्राथमिकी में संजय साहू ने आरोप लगाया है कि इंटरनेशनल मार्केटिंग कॉर्पोरेशन से अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए उन्हें एडवांस के तौर पर 20 लाख रुपये दिए थे. यह राशि 22 अप्रैल 2021 को दिया गया था. इसके बदले सिक्यूरिटी के रुप में एक ब्लैंक चेक उन्होंने कंपनी को दिया था. जिस पर उनका हस्ताक्षर था. एडवांस की राशि कंपनी ने पहले ही काट लिया था. इस बीच सात सितंबर 2023 को उन्होंने कंपनी से इस्तीफा दे दिया. 21 सितंबर 2023 को कंपनी ने इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया.

संजय साहू के मुताबिक नौकरी छोड़ने के बाद कंपनी ने झूठे तथ्यों के आधार पर आठ फरवरी 2024 को लुधियाना में उनके खिलाफ केस दर्ज करा दिया. जिसमें आरोप लगाया गया कि उन्होंने 25 जनवरी 2024 को कंपनी को 20 लाख का चेक दिया, जो बाउंस कर गया है. कंपनी ने जो 20 लाख रुपया एडवांस दिया था, उसे मैंने वापस नहीं किया. जबकि केस दर्ज होने के दो माह बाद तीन अप्रैल 2024 को कंपनी ने जो नोटिस भेजा, उसमें 20 लाख रुपये का जिक्र नहीं था. संजय साहू के मुताबिक उन्होंने 25 जनवरी 2024 को कोई चेक जारी किया ही नहीं था. इस बारे में उन्होंने लुधियाना पुलिस को सारी जानकारी उपलब्ध करा दी.

अनाजों को गोदाम तक पहुंचाने पर ट्रांसपोर्टिंग पर खर्च होंगे 69.45 करोड़

आठ जिलों में अगले दो साल में गोदामों तक पहुंचेगा 11.57 लाख मीट्रिक टन अनाज

प्रमुख संवाददाता। रांची

खाद्य आपूर्ति विभाग अगले दो साल में (2024-26) राज्य के आठ जिलों के गोदामों में 11 लाख 57 हजार 640 मीट्रिक टन अनाज पहुंचा जाएगा. जिसमें चावल, गेहूं सहित अन्य अनाज शामिल हैं. इन दो साल में ट्रांसपोर्टिंग पर 600 रुपए प्रति मीट्रिक टन खर्च किया जाएगा. इस हिसाब अनाज को गोदाम तक पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्टिंग पर 69 करोड़ 45 लाख 84 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे.

किस जिले में अगले दो साल में कितना अनाज जाएगा (मीट्रिक टन में)	
गढ़वा	1,45,296
बोकारो	1,68,912
चतरा	1,19,232
देवघर	1,52,208
धनबाद	2,27,928
दुमका	1,47,096
पूर्वी सिंहभूम	1,96,968

किस जिले में परिवहन में कितना होगा खर्च	
गढ़वा	8,71,77,600 रु.
बोकारो	10,13,47,200 रु.
चतरा	7,15,39,200 रु
देवघर	9,13,24,800 रु
धनबाद	13,67,56,800 रु
दुमका	8,82,57,600 रु
पूर्वी सिंहभूम	1,81,80,800 रु

निकाय चुनाव की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई पूरी

रांची। झारखंड में नगर निगम और नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो के मामले में सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की अपील पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में हुई. बुधवार को सभी पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. सिंगल बेंच ने रौशनी खलखो की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जल्द चुनाव कराने का निर्देश दिया है.

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक कल

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की समीक्षा बैठक 30 अगस्त को दिन के 11 बजे से डोरंडा स्थित केंद्रीय कार्यालय में होगी. मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने बताया कि बैठक में 24 अगस्त को बापू वाटिका मोरहाबादी में संपन्न संकल्प सभा की समीक्षा की जाएगी. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी आज अपने पुत्र- पुत्री के रोजी-रोजगार व नियोजन की गारंटी के लिए संघर्षरत हैं. राज्य सरकार द्वारा लगातार आंदोलनकारियों की उपेक्षा की जाती रही है, जबकि सरकार बनने से पूर्व झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आंदोलनकारियों को पेंशन देने की घोषणा की थी. इसलिए आंदोलनकारी संकल्प सभा कर सरकार को अपनी मांगों से अवगत कराएंगे कि जेल जाने की बाध्यता समाप्त करते हुए आंदोलनकारियों को समान रूप से राजकीय मान-सम्मान अलग पहचान रोजी- रोजगार एवं नियोजन की गारंटी मिले.

क्लासिफाइड

सरगर्मी बाइक और चारपहिया वाहनों के साथ समर्थकों ने रैली निकाली

भव्य, दिव्य व विकसित पांकी बनाना मेरा लक्ष्य : विनोद

संवाददाता। रांची/ पांकी(पलामू)

समाजसेवी विनोद सिन्हा के अचानक पांकी के चुनावी समर में कूदने से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है. हालांकि सिन्हा के करीबी लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले से पांकी को अपना कर्मक्षेत्र बनाने की घोषणा कर दी थी. अब जब झारखंड में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं, यानि दो महीने बाद नवंबर में चुनाव कराया जा सकते हैं, ऐसे में सिन्हा की पांकी विस क्षेत्र में गतिविधियां तेज होने से पुराने राजनीतिज्ञों के माथे पर बल पड़ गया है. विनोद के चुनावी समर में कूदने से जो नेता अबतक पांकी की राजनीति में सक्रिय तो रहे, लेकिन अपेक्षित विकास नहीं कर पाये. बुधवार को समाजसेवी विनोद सिन्हा के समर्थन में विशाल रैली निकाली गयी और जनसभा की गयी. जनसभा को संबोधित करते हुए विनोद सिन्हा ने कहा कि भव्य ,दिव्य और विकसित पांकी बनाना मेरा एक मात्र लक्ष्य है. इसके लिए मुझे आप लोगों का आशीर्वाद चाहिए. जनसभा का आयोजन पांकी ते सिंचाई विभाग मैदान में किया गया था.

पांकी में सभा को संबोधित करते विनोद सिन्हा.

उन्होंने कहा कि पलामू के पांकी में विकास जैसा होना चाहिए था, वैसा कुछ हुआ नहीं. इसके लिए अबतक के जनप्रतिनिधि जिम्मेवार हैं. पांकी को विकास के पथ पर आगे ले जाना मेरा एकमात्र लक्ष्य है. सिन्हा ने कहा- मुझे मौका मिला तो मैं पांकी की पहचान राज्य के सबसे विकसित विधानसभा के रूप में करूंगा. ये मेरा वादा है.सिन्हा ने कहा कि पांकी की जनता की मांग पर चुनावी मैदान में उतरा हूं. जनता के विश्वास पर खरा उतरने का भरपूर प्रयास करुंगा. पिछले कई दशक से पांकी की जनता यहां के जनप्रतिनिधियों के कार्यकाल से काफी नाराज हैं. इससे पूर्व 15 सौ बाइक और दो सौ चार पहिया वाहनों के साथ रैली निकली गयी.

सभा में जुटी भीड़ एक स्वर में नारे लगा रही थी- पांकी का है नारा, अबकी बार विनोद हमारा. इससे पूर्व महावीर मोड़, लेस्लीगंज, पांकी सिंचाई विभाग के मैदान में कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ विनोद सिन्हा का स्वागत किया. मौके पर इम्तियाज नजमी, शैलेन्द्र कुमार, दिनेश तिवारी, बबलू भुइयां, अश्विनी सिंह,जमशेद आलम,राजेश मिश्रा, सैयद इलियास अहमद, रामाशेकर पांडेय, बॉबी,धर्मपाल, बबलू सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

रांची, गुरुवार 29 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 141

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राष्ट्रीय खेल दिवस आज

मोदी कैबिनेट का फैसला

जमशेदपुर-पुरुलिया-आसनसोल थर्ड रेल लाइन पर मुहर

एजेंसियां। नयी दिल्ली

मोदी कैबिनेट ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 10 राज्यों में 12 नए इंडस्ट्रियल सिटी बनाने को मंजूरी दी है. इन शहरों के बनने से 10 लाख प्रत्यक्ष और 30 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने का अनुमान है. इनसे 1.52 लाख करोड़ की निवेश क्षमता भी पैदा होगी.

मोदी सरकार ने रेलवे के लिए भी कई प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट में हुए फैसलों की जानकारी दी. वैष्णव ने कहा, एनआईसीडीपी के तहत 28,602 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से 12 नए इंडस्ट्रियल शहर बनाने की मंजूरी दी है. इसके साथ ही मोदी कैबिनेट ने रेलवे के लिए भी कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है. झारखंड के ईस्ट सिंहभूम से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया और बर्दमान को जोड़ने के लिए जमशेदपुर-पुरुलिया-आसनसोल (चंदिल-अनारा-दामोदार) थर्ड लाइन बनाई जाएगी. ये रूट 121 किलोमीटर का होगा. इसमें 2, 170 करोड़ रुपये की लागत आएगी.

ओडिशा के सुंदरगढ़ से छत्तीसगढ़ के रायगढ़ को जोड़ने के लिए सरडेगा डबल लाइन भालूमुड़ा लाइन बनाई जाएगी. इस रूट की लंबाई 37 किलोमीटर होगी. इसमें 1,360 करोड़ रुपये की लागत आएगी. ओडिशा (बारगढ़, नुआपाड़ा) में बरगढ़ रोड-नवापारा रोड लाइन का निर्माण किया जाएगा. ये रूट 138 किलोमीटर का होगा. इसमें 2,926 करोड़ रुपये की लागत आएगी.

12 नई स्मार्ट सिटी और 10 लाख नई नौकरियां

कहां-कहां बनेंगे नए इंडस्ट्रियल शहर

ये इंडस्ट्रियल शहर उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओर्वकल और कोपर्थी, राजस्थान के जोधपुर-पाली में स्थित होंगे. इन शहरों को ग्लोबल पैरामीटर्स के आधार पर विकसित किया जाएगा. ये शहर हाइटेक इंफ्रास्ट्रक्चर लैस होंगे, जो सस्टेनेबल और मजबूत इंडस्ट्रियल ऑपरेशन का समर्थन करते हैं.

कितने एकड़ जमीन पर बनेगी इंडस्ट्रियल सिटी

उत्तराखंड के खुपरिया में 1002 एकड़, पंजाब के राजपुरा-पटियाला में 1000 एकड़, यूपी के आगरा में 1058 एकड़, प्रयागराज में 352 एकड़ में स्मार्ट सिटी बसाई जाएगी. बिहार के गया में 1,670 एकड़ में स्मार्ट सिटी बनेगी. मंत्री ने बताया कि इन सिटी की परिकल्पना 6 प्रमुख कॉरीडोर के करीब रणनीतिक रूप से की गई है. ये प्रोजेक्ट्स विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने में पहल को दर्शाती हैं. ये देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा. इससे औद्योगिक क्षेत्र और शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार होगा, जो आर्थिक वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगा.

14 नए रेलवे स्टेशन 1300 गांवों में कनेक्टिविटी

इनके साथ 14 नए स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा. इसमें नुआपाड़ा और पूर्वी सिंहभूम को कनेक्टिविटी मिलेगी. मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स से करीब 1300 गांवों और लगभग 19 लाख लोगों को कनेक्टिविटी मिलेगी. ये रूट कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, चूना पत्थर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए जरूरी हैं. क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 45 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी.

अभी आठ इंडस्ट्रियल शहरों पर चल रहा है काम

इस तरह के 8 इंडस्ट्रियल शहरों पर पहले से ही काम जारी है. बाकी 4 शहरों में भी सरकार का स्पेशल पर्पज व्हीकल रोड कनेक्टिविटी, पानी और बिजली की सप्लाई जैसे इंफ्रास्ट्रक्टर के निर्माण की प्रक्रिया में है. देश में 12 नए इंडस्ट्रियल शहरों की स्थापना के साथ इस तरह के शहरों की कुल संख्या 20 हो जाएगी. इस कदम से देश के जीडीपी में इंफ्रास्ट्रक्टर की हिस्सेदारी बढ़ाने और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी. मंत्री ने बताया कि इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स से 10 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा. अप्रत्यक्ष रूप से 30 लाख नए रोजगार भी सृजित होंगे. केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इसमें 1.52 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की संभावना है.

234 शहरों में शुरू होंगे प्राइवेट एफएम रेडियो : मोदी कैबिनेट ने 234 शहरों में 730 प्राइवेट एफएम रेडियो शुरू करने को मंजूरी दे दी है. आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस कदम से लोकल कंटेंट को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावना है.

एक्ट ईस्ट पॉलिसी : पूर्वी राज्यों के लिए भी कई फैसले हुए हैं. उत्तर पूर्व में 62 गीगावॉट की हाइड्रो-इलेक्ट्रिसिटी क्षमता बढ़ेगी. इससे क्लीन एनर्जी मिलेगी. पूर्वोत्तर को इलेक्ट्रिसिटी के विकास के लिए इक्विटी समर्थन की जरूरत है. इससे वहां विकास होगा और सबके जीवन में सुधार होगा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर प्रशंसा

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने जन धन योजना को सफल बनाने के लिए काम करने वाले लोगों की बुधवार को प्रशंसा की और कहा कि यह योजना वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने में सर्वोपरि रही है. पीएम 'एक्स' पर कहा, आज एक ऐतिहासिक दिन है - जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं.

बंगाल बंद के दौरान कई जगह झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 12 घंटे का बंद आहूत करने की कोशिश में भाजपा के कार्यकर्ताओं की कई स्थानों पर बुधवार को पुलिस से झड़प हुई और राज्य में इस बंद का मिला-जुला असर देखा गया. उधर सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भाजपा कोलकाता रेप कांड में राजनीति कर रही है.

- पेज 12 भी देखें

द्रमुक सांसद पर लगाया 908 करोड़ का जुर्माना

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बताया कि डीएमके सांसद एस जगतरक्षकण और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन से संबंधित एक मामले में 908 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है. संघीय एजेंसी ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि सितंबर 2020 में जब्त की गई 89.19 करोड़ रुपये की संपत्ति को 26 अगस्त को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत जारी एक स्थगन आदेश के बाद जब्त कर लिया गया है.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.1	25.4
जमशेदपुर	34.0	25.0
डालटनगंज	32.8	25.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सीएम बोले- यह वीर सिदो-कान्हू और बिरसा मुंडा की धरती है

हम डरनेवाले नहीं

संजीव मेहता। आदित्यपुर

सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड के रापचा फुटबॉल मैदान में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को बटन दबाकर कोल्हान की 5.75 लाख महिलाओं के खाते में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि की पहली किस्त भेजी. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अब तक सरकार राज्य की 48 लाख महिलाओं को इस योजना की पहली किस्त भेज चुकी है.

उन्होंने कहा कि हमने 200 यूनिट तक बिजली बिल माफ कर दिया है, अब पूर्व की बिजली बिल बकाया राशि को खत्म करने की भी योजना बना दी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में जिस दिन से सरकार बनी उसी दिन से केंद्र की सरकार हमें गिराने में लगी है. हम आदिवासियों को भाजपा वाले बोका समझते हैं. जब मकसद में कामयाब नहीं हुए तो झूठे आरोपों में मुझे जेल भिजवाने का काम किया. जब राज्य के नेताओं से हम काबू नहीं हुए तो मध्यप्रदेश और असम से नेताओं को पदस्थापित कर षड्यंत्र रचने में लगी है. यह वीर सिदो-कान्हू, वीर बिरसा मुंडा की धरती है, यहां हर चौराहे पर वीर शहीद झारखंडी मिलेंगे, हमलोग डरने वाले नहीं हैं.

बता दें कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 21 वर्ष से 50 वर्ष की 48 लाख से अधिक महिलाओं का निबंधन हो चुका है. 96 प्रतिशत से अधिक आवेदन को प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है. इसके तहत हर महिला को प्रति माह एक हजार रुपये की राशि यानी सालाना 12 हजार रुपये सीधे उनके खाते में देने की योजना है. मुख्यमंत्री दिन के करीब ढाई बजे गम्हरिया रापचा फुटबॉल मैदान में कार्यक्रम स्थल पर बने हेलीपैड पर उतरे. मुख्यमंत्री को जिला पुलिस प्रशासन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पहुंचने पर मंच पर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया. मौके पर विधायक कल्पना सोरेन, मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बेबी देवी, जोबा मांझी समेत सांसद व विधायक मौजूद रहे. सीएम ने कहा कि पूरे मंईया योजना अनवरत जारी रहेगी. उन्होंने पूर्व की भाजपा की डबल इंजन की सरकार को आड़े हाथ लिया और कहा कि उन लोगों का उत्पात देखकर ही 2019 में यहां की झारखंडी जनता ने हमें सत्तासीन किया. लेकिन गद्दी पर बैठते ही कोरोना जैसी बीमारी आ गई. कोरोना के दौरान भी हमने राज्य की जनता को मदद की. देश और विदेशों से झारखंडियों को वापस लाया. हमने राज्य के एक-एक गांव में विकास की किरण पहुंचाने के लिए आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू किया है.

गम्हरिया के रापचा फुटबॉल मैदान में सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को सभा को संबोधित करते हुए.

बोले सीएम

- हमने राज्य की खनिज की रॉयल्टी मांगा तो जेल में डाल दिया
- भाजपा वाले हम झारखंडियों को बोका समझते हैं
- अब तक राज्य की 48 लाख महिलाओं को भेजी गई है पहली किस्त

हर घर तक पहुंचाएंगे एक लाख रुपये

सीएम ने कहा कि आज कोल्हान की पौने छह लाख महिलाओं के खाते में मेरे बटन दबाते ही पहली किस्त की राशि चली गई. हमारा लक्ष्य है प्रत्येक घर के सदस्यों के बीच कम से कम एक लाख रुपये सरकार दे जिससे वे बेहतर जीवन जी सकें. हम धर्म की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं हम राज्य के विकास में विश्वास रखते हैं. हमने राशन कार्ड की संख्या भी 11 लाख से 20 लाख कर दी है. हमारी योजनाएं कार्यालयों के चक्कर लगाने पर नहीं बल्कि घर जाकर पहुंचाई जा रही है. आज राज्य के 40 लाख बूढ़े बुजुर्गों को पेंशन मिल रहा है, यह आंकड़ा डबल इंजन की सरकार में महज 15 लाख था. आज इसी कड़ी में हमारी सरकार ने राज्य की 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपये पेंशन देने की योजना बनाई. इससे पूर्व 50 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को भी पेंशन देने का काम किया.

नियुक्तियों का सिलसिला जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्थापित औद्योगिक संस्थानों में 75% नियुक्तियां स्थानीय लोगों का हो इस निमित्त उनकी सरकार ने कानून बनाया है. उनकी सरकार ने अब तक एक लाख से ज्यादा युवक-यूवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का काम कर दिखाया है. 35 से 40 हजार सरकारी नौकरियां दी गई हैं. आने वाले कुछ महीनो में लगभग और 40 हजार सरकारी नियुक्तियां प्रक्रियाधीन है. राज्य सरकार द्वारा नियुक्तियों का सिलसिला लगातार जारी है.

गरीबों के पुराने बिजली बिल होंगे माफ

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अब बिजली उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली प्रतिमाह निःशुल्क उपलब्ध करा रही है. गरीब लोगों के पुराने बिजली बिल का बकाया भी माफ किया जाएगा ताकि उनके ऊपर कोई बोझ न रहे और उन्हें 200 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ मिल सके. मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के किसानों के 2 लाख रुपए तक का ऋण माफी करने का काम किया है. मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत युवक-युवतियों को विभिन्न रोजगारों से जोड़ा जा रहा है. आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका सहित कई क्षेत्रों में कार्यरत महिला-पुरुष कर्मियों के मानदेय में वृद्धि भी की गई है.

चंपाई ने झामुमो की सदस्यता और मंत्री पद से दिया इस्तीफा

दिल्ली से लौटे चंपाई सोरेन, 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे

प्रमुख संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने झामुमो की प्राथमिक सदस्यता और मंत्री पद के साथ विधायकी से भी इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी. अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया है. उन्होंने कहा कि आज झामुमो की प्राथमिक सदस्यता एवं सभी पदों से त्याग-पत्र दे दिया. झारखंड के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों, पिछड़ों एवं आम लोगों के मुद्दों को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा. इससे पहले चंपाई ने रांची एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा का दामन थामने के लिए मैंने काफी सोच-समझ कर फैसला लिया है. 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि मेरे भाजपा में जाने के फैसले से सिर्फ कोल्हान में ही नहीं पूरे झारखंड की राजनीति में असर पड़ेगा. जासूसी कराए जाने के सवाल पर कहा कि सरकार जो चाहे करा ले, मैं डरने वाला नहीं हूं. मैं सही निर्णय लिया है. झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के प्रति हमारे दिल में हमेशा आस्था बनी रहेगी.

बुधवार को नयी दिल्ली से लौटने पर चंपाई सोरेन का समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया. उन्होंने इस दौरान सबका अभिवादन किया. **फोटो। रमीज**

चंपाई सोरेन ने क्या लिखा है इस्तीफा में

आदरणीय गुरु जी, जोहार !

मैं चंपाई सोरेन, झामुमो की वर्तमान कार्यशैली एवं नीतियों से विक्षुब्ध होकर, पार्टी छोड़ने को विवश हूं. अत्यंत ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आप के मार्गदर्शन में जिस पार्टी का सपना हम जैसे कार्यकर्ताओं ने देखा था, एवं जिस के लिए हम लोगों ने जंगलों, पहाड़ों एवं गांवों की खाक छानी थी, आज पार्टी अपनी उस दिशा से भटक चुकी है. झामुमो मेरे लिए एक परिवार जैसा रहा एवं मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे इसे छोड़ना पड़ेगा. लेकिन पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम की वजह से, मुझे बहुत ही पीड़ा के साथ यह कठिन निर्णय लेना पड़ा रहा है.

आपके वर्तमान स्वास्थ्य की वजह से, आप सक्रिय राजनीति से दूर हैं, तथा आपके अलावा पार्टी में ऐसा कोई फोरम नहीं है, जहां हम अपनी मन की पीड़ा को बता सकें. इस वजह से, मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता एवं सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं. आपके मार्गदर्शन में, झारखण्ड आंदोलन के दौरान तथा उसके बाद भी, मुझे जीवन में बहुत कुछ सीखने का अवसर प्राप्त हुआ है. आप सदैव मेरे मार्गदर्शक बने रहेंगे. अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार करने की कृपा करें. सधन्यवाद !

प्रेम प्रकाश को मिली बेल

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

पावर ब्रोकर के नाम से मशहूर प्रेम प्रकाश को चेशायर होम रोड स्थित जमीन घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गयी है. न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के वी विश्वनाथन की खंडपीठ ने बुधवार को प्रेम प्रकाश को जमानत दी है. इससे पहले 29 जुलाई को शीर्ष अदालत ने ईडी और प्रेम प्रकाश की ओर से बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया. उल्लेखनीय है कि ईडी ने 25 अगस्त 2022 को प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार किया था. इससे पहले ईडी ने प्रेम प्रकाश के हरमू स्थित शैलोदय आवास में रेड की थी. इस दौरान प्रेम प्रकाश के घर से पुलिस के दो हथियार बरामद किये गये थे. रांची के बड़गाईं अंचल के चेशायर होम रोड की जमीन की अवैध तरीके से खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को गिरफ्तार किया था. वह अभी भी जेल बंद हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा- हमें यह मानने में कोई झिझक नहीं है कि जब कोई आरोपी पीएमएलए के तहत हिरासत में है, उसी जांच एजेंसी को धारा 50 के तहत दिया गया बयान अस्वीकार्य है. चाहे वह किसी भी मामले में हिरासत में हो. इसका कारण यह है कि वह व्यक्ति हिरासत में है. उसी जांच एजेंसी द्वारा जांच की गई कार्यवाही के अनुसार हिरासत में लिया गया व्यक्ति ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे स्वतंत्र दिमाग से काम करने वाला माना जा सके. उसके खिलाफ इस तरह के बयान को स्वीकारना बेहद असुरक्षित होगा.

जमीन घोटाला मामला

सुप्रीम कोर्ट ने कहा : ईडी की हिरासत में अभियुक्त के बयान के आधार पर किसी को आरोपी बनाना मान्य नहीं

कोर्ट ने दोहराया- जमानत नियम है और जेल अपवाद

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को प्रेम प्रकाश को जमानत देते हुए फिर दोहराया- जमानत नियम है और जेल अपवाद है. कोर्ट ने कहा कि यह सिद्धांत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आने वाले मामलों पर भी लागू होता है. बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट ने प्रेम प्रकाश को जमानत देने से इनकार कर दिया था. सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान मनीष सिसोदिया को दी गई जमानत का भी जिक्र किया. न्यायमूर्ति बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, मनीष सिसोदिया के फैसले पर भरोसा करते हुए हमने कहा है कि पीएमएलए में भी जमानत एक नियम है और जेल अपवाद है. किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता हमेशा नियम होती है और कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया द्वारा वंचना अपवाद होती है.

दोष साबित होता है, तो धारा 25 के तहत आएंगे

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पीएमएलए के तहत दर्ज किए गए आरोपी द्वारा जांच अधिकारी के समक्ष दिए गए इकबालिया बयान आमतौर पर सबूत के तौर पर स्वीकार्य नहीं होंगे. शीर्ष कोर्ट ने कहा कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के तहत इस तरह के बयानों पर रोक लागू होगी. सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारा मानना है कि अगर अपीलकर्ता के बयानों में दोष साबित होता है तो वो धारा 25 के तहत आएंगे. किसी बयान को सिर्फ इसलिए स्वीकार्य बनाना हास्यास्पद होगा क्योंकि वह तब एक अन्य ईसीआईआर के लिए हिरासत में था. इस तरह के बयानों को स्वीकार्य बनाना बेहद अनुचित होगा क्योंकि यह न्याय के सभी सिद्धांतों के खिलाफ होगा. प्रेम प्रकाश को जमानत देते समय सुप्रीम कोर्ट ने उनकी लंबी कैद और बड़ी संख्या में गवाहों के कारण मुकदमे में हुई देरी को ध्यान में रखा. पीठ ने यह भी माना कि प्रकाश प्रथम दृष्टया अपराध के दोषी नहीं थे और उनके द्वारा साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने की संभावना नहीं थी. इसलिए अदालत ने 5 लाख रुपए के बेल बांड पर उन्हें जमानत दे दी.

आक्रोश कोलकाता रेप कांड की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बड़ा बयान

बस, अब बहुत हुआ... परेशान और भयभीत हूं

एजेंसिया। नयी दिल्ली

कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से पूरे देश में गुस्सा और नाराजगी का माहौल है. अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कोलकाता की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है.

राष्ट्रपति ने कहा कि वह घटना से निराश और भयभीत हैं. अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए राष्ट्रपति ने महिला अपराधों पर रोक का आह्वान किया और कहा कि अब बहुत हो गया, अब समय आ गया है कि भारत महिलाओं के खिलाफ अपराधों की विकृति के प्रति जाग जाए और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम, कम बुद्धिमान'' के रूप में देखती है. एक लेख में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, इतिहास का सामना करने से डरने वाले समाज सामूहिक भूलने की बीमारी का सहारा लेते हैं. अब समय आ गया है कि भारत इतिहास का सामना करे. महिला अपराधों पर राष्ट्रपति ने कहा कि हमें इस विकृति से व्यापक तरीके से निपटना चाहिए ताकि इसे शुरू में ही रोका जा सके. जो लोग इस तरह के विचार रखते हैं, वे महिलाओं को एक वस्तु के रूप में देखते है. अपनी बेटियों के प्रति यह हमारा दायित्व है कि हम उनके भय से मुक्ति पाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करें. राष्ट्रपति ने कहा कि ''कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों के खिलाफ इस तरह के अत्याचार की इजाजत नहीं दे सकता. देश को इस पर गुस्सा जाहिर करना ही चाहिए और मैं भी इससे गुस्से में हूं. राष्ट्रपति ने महिला सुरक्षा बस बहुत हुआ शीर्षक से लिखे लेख में पहली बार कोलकाता की घटना पर अपने विचार रखे. इस मुद्दे पर बंगाल समेत देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं.

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में हालिया वृद्धि और इस बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए हमें ईमानदारी से मंथ करना होगा. जब मैंने यह खबर सुनी तो मैं बुरी तरह स्तब्ध और व्यथित हो गई. हताश करने वाली बात यह है कि ये केवल एक एक मामला नहीं है. पिछले साल महिला दिवस पर मैंने एक लेख में महिला सशक्तीकरण के बारे में अपने विचार और उम्मीदें साझा की थीं. महिलाओं को सशक्त बनाने में हमारी उपलब्धियों से मैं आशावादी हूं. मैं खुद को महिला सशक्तीकरण की उस यात्रा का एक उदाहरण मानती हूं.

दिल्ली के निर्भया कांड के बाद क्या बदला

मुर्मू ने कहा, जब कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और नागरिक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, अपराधी खुलेआम घूम रहे थे. रक्षा बंधन पर स्कूली बच्चों के एक समूह के साथ अपनी हाल की मुलाकात को याद करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मुझसे मासूमियत से पूछा कि क्या उन्हें आश्वासन दिया जा सकता है कि भविष्य में निर्भया जैसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी. साल 2012 की घटना के बाद आक्रोशित राष्ट्र ने कई योजनाएं बनाईं और रणनीतियां बनाईं और कुछ बदलाव किए। तब से 12 वर्षों में, इसी तरह की अनगिनत त्रासदियां हुई हैं, हालांकि उनमें से केवल कुछ ने ही देश का ध्यान आकर्षित किया है.

भाजपा ने चंपाई की जासूसी का झूठा प्रपंच रचा, पर्दाफाश हो गया, अब माफी मांगे : झामुमो

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की सत्ता पर काबिज झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा द्वारा चंपाई की जासूसी के आरोपों पर पलटवार किया है. झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने बुधवार को कहा कि झूठ बोल-बोल कर भाजपा के नेताओं ने पूरे देश का बेड़ा गर्क करके रखा हुआ. ठगी, झूठ और उपद्रव जैसे चाल, चरित्र और चेहरा रखने वाली भाजपा एक्सपोज हो गई है. भाजपा के नेताओं को देश से माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय और दिल्ली पुलिस की तरफ से जारी बयान से यह साफ हो गया है कि दिल्ली में झारखंड पुलिस की विशेष शाखा के दो एसआई इसी कार्य के निर्हवन के दौरान गलतफहमी के चलते निरुद्ध हुए थे, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया. पुलिसकर्मियों का पदस्थापन सुरक्षा के लिए किया गया था. वह किसी व्यक्ति विशेष की जासूसी नहीं कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि पूरे दिन भाजपा के बड़े कद के नेता जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद दीपक प्रकाश, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी सहित कई लोग

शामिल हैं, सभी ने चंपाई सोरेन की जासूसी का तथ्यहीन सूचना सिर्फ और सिर्फ फरेब के लिए फैलाई है. बाबूलाल भी हिमंता की तरह मुख्यमंत्री रहे हैं, उन्हें भी अच्छी तरह यह मालूम होगा कि चंपाई सोरेन उच्च सुरक्षा श्रेणी से अच्छादित हैं, विशेष शाखा के पुलिस पदाधिकारी वहां अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे थे. पारंपरिक तौर पर दिल्ली व अन्य राज्यों में झारखंड संबंधी राजनीतिक,आर्थिक, सामाजिक विषयों पर आसूचना संकल्प प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से होता है. गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा में भी स्पेशल ब्रांच का योगदान रहता है.

भाजपा नेताओं का काम अक्षम्य है. झारखंड का आम मानस यह समझ रहा है कि जब चंपाई सोरेन ने खुद ही भाजपा में शामिल होने का ऐलान कर दिया है. वह कोलकाता से दिल्ली गए. दिल्ली में मीडिया के बीच लगातार नजर आते रहें. उनकी हर गतिविधि लोगों के सामने रही है. तो फिर भला उनकी जासूसी कोई क्यों कराएगा. भाजपा के नेता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की लोकप्रियता को देख कर अपना संतुलन खो दिए हैं और अनाप-शनाप बयान बाजी कर रहे हैं. हेमंत के काम में कोई कमी नहीं निकाल पाए, राजनीतिक अखाड़े में परास्त हो गए तो अब झूठ के सहारे अपनी नैया पार लगाने में जुटे हैं. भाजपा के नेताओं के नापाक मंसूबे झारखंड की सरजमीं पर कभी पूरे नहीं होंगे. भाजपा को वीरों की इस धरती पर मुंह तोड़ जवाब राज्य की जनता ही देगी. बस थोड़ा इंतजार कीजिए.

विशेष शाखा ने भी बयान जारी किया , कहा-

दोनों एसआई कर रहे थे अपने दायित्वों का निर्वहन

रांची । पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की रेकी करने के मामले में विशेष शाखा के दो पुलिस पदाधिकारी से दिल्ली पूछताछ हुई थी. इस मामले को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कहा की पारम्परिक तौर पर दिल्ली और अन्य राज्यों में विशेष शाखा की टीम झारखंड संबंधी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर आसूचना संकलन प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से करती आई है. सुरक्षा श्रेणी से आच्छादित गणमान्य व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करने में भी विशेष शाखा की टीम का योगदान रहता है. दिल्ली में झारखंड पुलिस के दो एसआई स्तर के आफसरों के निरुद्ध किये जाने से संबंधित विभिन्न मीडिया और सोशल मीडिया और अन्य स्रोतों से प्राप्त खबरों के घटनाक्रम में भी दोनों पुलिस एसआई अपने इसी कार्य निर्वहन के दौरान गलतफहमी के कारण चिन्हित हुए. इस संबंध में समाचार प्रसारित किया जा रहा है कि किसी व्यक्ति विशेष की निगरानी की जा रही है, जबकि वास्तविकता में उक्त पुलिस पदाधिकारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए वहां प्रतिनियुक्त किये गये थे. इस संबंध में सभी संबंधित जॉच संस्थाओं को सूचना एवं सारी जानकारी उपलब्ध करा दी गई है. वस्तुस्थिति स्पष्ट होने के बाद दोनों एसआई को मुक्त कर दिया गया है. विशेष शाखा की टीम के द्वारा किसी व्यक्ति विशेष की जासूसी करने की बात गलत है.

राज्यपाल ने हजारीबाग में बुनकरों से किया संवाद, कहा

आप सभी समस्याओं को लिख कर राजभवन भेजें

संवाददाता। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को हजारीबाग में मारसल प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति लिमिटेड उत्पादक केंद्र का जायजा लिया. साथ ही बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों के साथ संवाद किया. राज्यपाल ने कहा कि वे बुनकरों की कार्यप्रणाली व समस्याओं से अवगत हैं. अच्छी व गुणवत्तापूर्ण बुनकर की मांग बाजार में बहुत है. इस क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं. उन्होंने बुनकरों को प्रोत्साहित किया तथा कहा कि वे अपनी समस्याओं को लिखकर राज भवन में प्रेषित कर सकती हैं. मौके पर बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों ने अपने विचार रखे. इसके बाद राज्यपाल ने मॉडल आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल केंद्र, चुरचू का जायजा लिया. वहां वे बच्चों से मिले और बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली.

राज्यपाल ने बुधवार को रामगढ़ में ग्रामीणों से संवाद के उपरांत मॉडल आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल केंद्र, प्रखंड-चुरचू, हजारीबाग का अवलोकन किया. राज्यपाल वहां बच्चों से मिले तथा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली. इसके पश्चात राज्यपाल ने मारसल प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति लिमिटेड उत्पादक केंद्र, पंचायत-बहेरा, प्रखंड-चुरचू, हजारीबाग का अवलोकन किया और बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों के साथ संवाद किया एवं उनके उत्पादों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की. राज्यपाल ने बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों के कार्यों की सराहना की. उन्होंने कहा कि बुनकर सहयोग समिति के कार्य हमारी बहनों के हित में ध्यान में रखते हुए हों. उन्होंने कहा कि हमारी बहनों की आय में वृद्धि हो,ऐसा प्रयास हो. राज्यपाल ने कहा कि वे बुनकरों की कार्यप्रणाली व समस्याओं से अवगत हैं. उन्होंने कहा कि अच्छी व गुणवत्तापूर्ण बुनकरों के द्वारा निर्मित वस्त्रों की मांग बाजार में बहुत है तथा इस क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं. इस कार्यक्रम के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा, डीआईजी सुनील भास्कर, उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे व अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे.

राज्यपाल ने बुनकरों के साथ बच्चों से भी किया संवाद.

आदिवासी बहुल इलाके विकास से कोसों दूर

चरही के चुरचू प्रखंड के चरही पंचायत भवन एवं कजरी के भुरकुंडा टोला में बुधवार को कजरी भुरकुंडा स्थित कॉटन एवं मारसल बुनकर सहयोग समित के भवन में राज्यपाल का महिलाओं ने आदिवासी संस्कृति साथ उनका स्वागत किया. राज्यपाल ने महिलाओं के साथ संवाद किया एवं कार्य के बारे मे जानकारी ली. राज्यपाल ने कहा, इस जगह से महिलाओं की आय में कितनी वृद्धि हो रही है. अगर नहीं हो रही है, तो मैं राज्य सरकार को अवश्य इस बारे में अवगत कराऊंगा. उन्होंने कहा, राज्य के आदिवासी बहुल इलाके आज भी विकास से कोसों दूर हैं.

राज्यपाल से मिले नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी के नेतृत्व में मुखिया संघ के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की. इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल से सरवा पंचायत की मुखिया के निलंबन को लेकर न्यायोचित कार्रवाई करने की मांग की. मीडिया से बातचीत में बाउरी ने कहा कि राज्यपाल ने आश्वासन दिया है कि वे इस मामले में सरकार और जिला के अधिकारी से जानकारी लेंगे और न्यायोचित कार्रवाई करेंगे. बाउरी ने कहा कि मुखिया के पद पर एक आदिवासी महिला है. मुखिया खुद एक जनप्रतिनिधि हैं.

कुजू में ग्रामीणों से मिले राज्यपाल, करोड़ों की परिसंपत्ति वितरित की

रामगढ़। बुधवार को कुजू पूर्वी पंचायत सचिवालय में ग्रामीणों के साथ संवाद सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष गंगवार पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनता के विकास के लिए बेहतर कार्य कर रही हैं. सिर्फ जरूरत है आम जनता को योजनाओं की जानकारी लेकर उसका लाभ लेने की. उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं को उज्ज्वला योजना कनेक्शन दिया जा रहा है. देश की 80 करोड़ जनता को नि:शुल्क अनाज देने का काम हो रहा है. इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान गायन के साथ हुआ. मौके पर उपायुक्त चंदन कुमार ,डीडीसी रोबीन टोप्पो, पंचायती राज पदाधिकारी निशा सिंह, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, रविंद्र कुमार गुप्ता, मांडू बीडीओ संजय कुमार कोनगाड़ी समेत कई अधिकारी के अलावे काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे. इस दौरान कुजू पूर्वी पंचायत सचिवालय में दर्जनों ग्रामीणों के बीच करीब एक करोड़ रुपए की परिसंपत्तियां वितरित कीं. पांच महिला समुह के बीच 57 लाख रुपए का चेक, मईयां सम्मान राशि, सॉइल हेल्थ कार्ड राशि, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत मुर्गी, स्कूली बच्चो को हरी झंडी दिखा साइकिल आदि का वितरण किया.

स्कूल के कंप्यूटर प्रशिक्षकों ने झामुमो कार्यालय का घेराव कर छह सूत्री ज्ञापन सौंपा

रांची । राज्य के सरकारी विद्यालयों में छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा का प्रशिक्षण देने वाले आईसीटी कंप्यूटर प्रशिक्षकों ने रांची स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यालय का घेराव किया. घेराव करने आए कंप्यूटर प्रशिक्षकों का कहना है कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद कंप्यूटर प्रशिक्षकों को कंपनी की ओर से प्रति कार्य दिवस मात्र 263 रुपये मिलते हैं, जो मजदूरों से भी कम है. अब इस राशि में घर चलाना भी मुश्किल हो रहा है. आईसीटी के शोषण के खिलाफ आवाज उठाने पर अनुशासन के नाम पर कार्रवाई की जाती है और कई साथियों को हटा दिया गया है. सामाजिक सुरक्षा के नाम पर भी कोई लाभ नहीं मिलता. इसलिए आज सत्ता में शामिल सबसे बड़े दल के पास वह अपनी मांग लेकर पहुंचे

आईसीटी कंप्यूटर प्रशिक्षकों की क्या मांग

आईसीटी इंस्ट्रक्टर को प्रति माह 25 हजार मानदेय सरकार सुनिश्चित कराए और उसमें हर वर्ष 10फीसदी की वृद्धि सुनिश्चित हो. आईसीटी प्रोजेक्ट में कार्यरत सभी आईसीटी इंस्ट्रक्टर को कंपनी से मुक्त कर सरकार अपने विभागों में समायोजित कर 60 वर्ष तक पक्की नौकरी सुनिश्चित करे. समायोजन से पूर्व आगामी अक्टूबर में समाप्त होने वाले प्रोजेक्ट के रिन्यूअल के बाद आईसीटी इंस्ट्रक्टर को कंपनी बदलने पर भी बिना किसी नई प्रक्रिया के उसी विद्यालय में रखा जाए. बार-बार दक्षता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त हो. पुर्व में जितने भी आईसीटी इंस्ट्रक्टर को कंपनी द्वारा हटाया गया है, उनकी सेवा फिर से बहाल हो. आकस्मिक अवकाश को पूरे वर्ष में अपने अनुसार लेने की छूट, विशेष अवकाश, मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश की सुविधा के साथ ग्रेच्युटी, बोनस, पीएफ व ईएसआईसी का लाभ मिले.

भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्यपाल से मुलाकात की, किया आग्रह

विवि व कॉलेजों के रिक्त बीपीएल विद्यार्थियों के लिए आरक्षित सीटों पर शीघ्र दाखिला हो

संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता व रांची विश्वविद्यालय सीनेट के पूर्व सदस्य प्रतुल शाहदेव ने बुधवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की. उन्होंने राज्यपाल को बताया कि पूरे राज्य में विश्वविद्यालय के विभागों और कॉलेज के अलग-अलग विभागों में अंडर ग्रेजुएट , पोस्ट ग्रेजुएट और सेल्फ फाइनांसिंग कोर्स के सारे विभागों में बीपीएल विद्यार्थियों के लिए सैंकड़ों निःशुल्क सीटें आरक्षित की गई हैं. विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रबंधन की उदासीनता के कारण अभी भी अलग-अलग विभागों में बड़ी संख्या में गरीबों के लिए आरक्षित सीटों पर दाखिला नहीं हो पा रहा है. यह झारखंड के गरीब आदिवासी- मूलवासी बच्चों के साथ अन्याय है. प्रतुल ने राज्यपाल को बताया कि बीबीए, एमबीए, एमसीए, फैशन डिजाइनिंग जैसे सेल्फ फाइनांसिंग कोर्स में तो बीपीएल विद्यार्थियों के लिए 10 सीटों का प्रावधान है, लेकिन प्रबंधन उनके नामांकन में रुचि नहीं लेता.

राज्यपाल संतोष गंगवार को बुके देते भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव.

भाजपा प्रवक्ता ने राज्यपाल को जानकारी दी कि जब वह रांची विश्वविद्यालय के सीनेट के सदस्य थे, तो उस समय उन्होंने इन बीपीएल सीटों पर दाखिले के लिए अभियान चलाया था, जिसके सकारात्मक परिणाम निकले थे. लेकिन एक बार फिर से हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय प्रबंधन उदासीन हो गया है. उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि वह इस मामले में संज्ञान लें, ताकि राज्य के गरीब मेधावी विद्यार्थियों के साथ न्याय हो सके. राज्यपाल की तरफ से इस मुद्दे पर सकारात्मक आश्वासन मिला.

सीएनटी औ़र एसपीटी एक्ट कानून आदिवासियों का सुरक्षा कवचः गीताश्री

संवाददाता। रांची

आदिवासी जमीन की सुरक्षा के लिए अंग्रेजों ने सीएनटी और एसपीटी एक्ट जैसा कानून बनाकर दिया है, जो आदिवासियों के लिए सुरक्षा कवच के सम्मान है. ये बातें बुधवार को अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद द्वारा आयोजित आदिवासी अधिकार मार्च के दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने कहीं. आदिवासी समाज अपनी रूढ़िवादी परंपरा से चलती आ रही है. लेकिन केंद्र सरकार आदिवासियों की रूढ़ीवादी परंपरा को नष्ट करने का षडयंत्र रच रही है.

इससे पहले विभिन्न आदिवासी संगठन के लोग मोराहबादी में बापू वाटिका के सामने एकजुट हुए.वहां से

पैदल मार्च निकाला, जो रेडियम रोड, कचहरी चौक,अलबर्ट एक्का चौक होते हुए जयपाल सिंह मुंडा मैदान पहुंचा. वहां मार्च सभा में तब्दील हो गया. सभा को धार्मिक अगुवाओं ने संबोधित करते हुए कहा कि भाषा हमारे जीवन का हृदय है, जो हमें अपना अस्तित्व बचाए रखने को प्रेरित करती है. आज भी आदिवासी समाज अपना हक और अधिकार पाने के लिए संघर्षरत है. संविधान में आदिवासियों के लिए कई सुरक्षा कवच का प्रावधान किया गया है, परंतु अभी भी आदिवासियों को सुरक्षा प्रदान नहीं की गई है. पवन तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार जल्द से जल्द प्राथमिक विद्यालयों में आदिवासी जनजातीय भाषा को पढ़ाना चालू करे अन्यथा आदिवासी समाज अपने जल जंगल जमीन और भाषा के लिए लड़ता आया है और आगे भी लड़ेगा. वक्ताओं ने लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया. मौके पर सुशील उरांव,पवन तिर्की, कार्तिक लोहरा, अनिल उरांव, कैप्टेन लोहरा उरांव, तेतरी उरांव, प्रवीण कच्छप,शरण उरांव, धरमशाह उरांव, आकाश तिर्की, निरंजन तिर्की, संदीप तिर्की, राहुल तिर्की, दिवा उरांव, अनुज हेमरोम, लक्की आदि मौजूद थे.

रिम्स के जूनियर डॉक्टरों व सुरक्षा गार्ड के बीच मारपीट, एक छात्र घायल

संवाददाता। रांची

रिम्स में मंगलवार देर शाम जूनियर डॉक्टर और सुरक्षा गार्ड के बीच किसी बात को लेकर जमकर बहस हुई. बात इतनी आगे बढ़ गयी कि मामला हाथापाई तक जा पहुंचा. इसमें एक छात्र के घायल होने की सूचना है. एमबीबीएस छात्रों ने सुरक्षाकर्मियों पर हाथापाई का आरोप लगाया है. छात्रा का आरोप कि एक महिला गार्ड ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया. आईडी कार्ड दिखाने पर भी उसे स्टेडियम में जाने नहीं दिया और उसके साथ धक्का-मुक्की की. मामला इतना बढ़ गया कि देर रात छात्रों और सुरक्षा गार्डों के बीच झड़प हो गयी. एकेडमिक ब्लॉक में छात्र जमा होकर विरोध करने लगे. छात्रों का कहना है कि रिम्स के गार्ड बाहर के लोगों को छोड़ रिम्स विद्यार्थियों पर ही हावी हो जाते हैं.

आईडी कार्ड होने के बाद भी स्टेडियम में नहीं जाने देने को लेकर हुआ विवाद

दरअसल रिम्स के छात्रों की पहचान के लिए उन्हें आईडी कार्ड दिया गया है. उन्हें आईडी कार्ड को अपने साथ रखने को कहा गया है. ताकि बाहर के लोगों और रिम्स के छात्रों की पहचान आसानी से की जा सके. मंगलवार देर रात जब रिम्स की छात्रा आयी तो महिला गार्ड ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और स्टेडियम में प्रवेश करने नहीं दिया. जबकि छात्रा के पास आईडी कार्ड भी था. इसको लेकर छात्रों और सुरक्षा गार्डों में झड़प हो गयी. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है.

प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बोले- कांग्रेसियों को अपनी ही सरकार में आदिवासी की जमीन बचाने के लिए देना पड़ रहा धरना

अवैध कब्जे पर कार्रवाई नहीं हुई, तो ग्रामीण कानून को लेंगे हाथ में

बंसत मुंडा। रांची

कांग्रेस समर्थित सरकार में कांग्रेसियों को ही आदिवासियों की जमीन बचाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है. अपनी ही सरकार से आदिवासी जमीन को बचाने की गुहार लगानी पड़ रही है. गुहार झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की को लगानी पड़ रही है. बुधवार को राजधानी के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में आदिवासी जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने के विरोध में सभा और धरना आयोजित किया गया था. यह अयोजन 21 पहड़ा सोहराई जतरा समिति दहीसोत बनहोरा ने रखा था. बैनर में कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की की बड़ी सी तस्वीर भी लगी थी. धरने को

खास बातें

- कहा-जमीन को बचाने के लिए सरकार को कदम उठाना होगा
- दलाल और अपराधी तत्वों को जेल भेजने का किया अनुरोध

सम्बोधित करते हुए बंधु तिर्की ने कहा कि जमीन को बचाने के लिए सरकार और प्रशासन को कड़ा कदम उठाना ही होगा, अन्यथा ग्रामीण खुद एकजुट होकर अपनी लड़ाई लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि विशेष रूप से रांची के कई दर्जन मौजा हैं. जिसके कारण गांव का स्वरूप ही बदल गया. तिर्की ने वैसे दलाल और अपराधी तत्वों को चिन्हित कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजने सरकार से अनुरोध किया.

विरोध सभा सह धर को संबोधित करते प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की.

इस अवसर पर केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि जमीन बचाने के लिए सभी गांव के अगुआ को एकजुट होना होगा. समाजसेवी अलबिन लकड़ा ने कहा कि आदिवासी एवं मुलवासी की जमीन को बचाने के लिए सरकार को भू माफिया, अंचल अधिकारी एवं जिला प्रशासन पर लगाम लगाने का काम अविलम्ब करना होगा अन्यथा ग्रामीणों को बाध्य होकर कानून को अपने हाथ में लेना होगा. इस एक दिवसीय विशाल धरना कार्यक्रम में संजय तिर्की मुखिया प्रतिनिधि, सुनील तिर्की सुका उरांव, सुनील टोप्पो पूर्व पार्षद, राजेश लिंडा, मुन्तजीर खान, लालु खलखो ग्राम प्रधान, सिद्धांत तिर्की, मदरा पहान, पीटर कच्छप, बुधवा उरांव, दिनेश उरांव, महरू उरांव, राजेश लकड़ा, जूवेल कुजुर, महादेव टोप्पो, मेवा लकड़ा, शिल्पा कच्छप, सुनील गाड़ी, शिव उरांव, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

इन मौजों में हो रही अवैध रूप से जमीन की खरीद-फरोख्त : फुटकलटोली, तिलता, कमड़े, सिमलिया, हेसल, बाजरा, हेहल, पंडरा, सुंडिल, दहीसोत, बनहोरा, अगड़ू, झिरी, सुंडील, चटकपुर, भोड़ा मौजा में गैर मजरुआ ज़मीन और रैयती ज़मीन की भू-माफिया द्वारा धरल्ले से कब्ज़ा, लूट और खरीद-बिक्री की जा रही है.

समय की बात चंपाई के घर से झामुमो का झंडा हटने के बाद दीवारों का रंग भी बदल गया

40 साल तक था हरा, अब केसरिया रंग में डूबा आवास

संवाददाता। रांची/ सरायकेला

झामुमो से दिल टूटते ही पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन झामुमो से जुड़ी यादों और निशानियों को एक-एक कर मिटाते जा रहे हैं. 40 साल तक झामुमो का झंडा ढोने वाले चंपई सोरेन अभी चंद दिनों पहले तक हरे रंग में सराबोर थे. घर में झंडे हरे. घर की दीवारों पर हरियाली. जीवन के 40 वर्ष तक हरे रंग की हरियाली में डूबे चंपई सोरेन की मानें अब हरे रंग से ही उलझन हो गई है. यही वजह है कि वे अपने आसपास से हरा रंग हटाने में लग गये हैं. झामुमो से बगावत और बीजेपी में शामिल होने की खबरों के बीच एक हफ्ते पहले उनके सरायकेला के जिलिंगगोड़ा स्थित आवास से झामुमो के हरे रंग का्झंडा हटाया गया. 30 अगस्त को चंपई सोरेन का बीजेपी में जाना तय हो गया है तो उनके जिलिंगगोड़ा आवास की दीवारों पर लगे हरे रंग को मिटाकर उसके उपर केसरिया रंग चढ़ाया जा रहा है. चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने से पहले ही चंपई और उनका घर भगवा रंग में सराबोर हो चुका है.

घर पर लहराएगा भाजपा का झंडा : चंपाई सोरेन के आवास के एक कर्मी ने बताया कि चंपई सोरेन का फोन आया था, उन्होंने घर से हरा रंग को हटाकर उसे भगवा रंग में रंगने का

निर्देश दिया है. जिस घर में 40 साल तक झामुमो का हरा झंडा लहराता था उसे तो एक हफ्ते पहले ही उतार दिया गया था. चंपई सोरेन के जिलिंगगोड़ा पहुंचने से पहले घर में भाजपा का झंडा लहराने लगेगा.

झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़ी हर याद है मिटाना

चंपाई सोरेन झामुमो के पुराने और झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन से सबसे करीबी नेता माने जाते थे. चंपई ने भी हर वक्त सोरेन परिवार के प्रति अपनी वफादारी साबित भी की. हेमंत सोरेन जब उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर जेल चले गये. तब भी चंपई ने वफादारी साबित की. सरकार के कार्यक्रमों में बोलते थे कि हेमंत सोरेन को भाजपा ने साजिश के तहत जेल में डाल दिया है. इतना ही नहीं मुख्यमंत्री बनने के बाद भी वे सीएम हाउस में नहीं रहे, बल्कि डीसी आवास के सामने स्थिति अपने सरकारी आवास में रहे. चंपई का झामुमो से मोहभंग लोकसभा चुनाव के समय शुरू हो गया था. हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद जिस तरह से उन्हें विधायक दल की बैठक का एजेंडा नहीं बताया गया और सीधा इस्तीफा मांग लिया गया. इस वाकये के बाद चंपई ने खुद को अपमानित महसूस किया. चंपई ने ऐस ही जिक्र अपने एक्स पोस्ट में किया है.

कांग्रेस नेता स्व. पीएन सिंह की 11वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

पीएन सिंह को भुला नहीं सकतेः ठाकुर

संवाददाता ।रांची

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं स्वर्गीय पीएन सिंह की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई. इस अवसर पर कांग्रेस के वरीष्ठ नेतागण एवं कार्यकत्ता सभी शामिल हुए. सभी ने दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिये भगवान से प्रार्थना की. बारी बारी से लोगों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भाव भीन श्रद्धांजलि अर्पित किया. इसका आयोजन उनके पुत्र प्रदेश कांग्रेस के सिचव अमरेंद्र सिंह की ओर से किया गया. मौके पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि स्वर्गीय पीएन सिंह एक शक्सीयत का नाम है. उनका व्यक्तित्व बहुत बड़ा था. उनके पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है, उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है. लेकिन उनके आदर्शों को अपना कर आगे से आगे बढ़ा जा सकता है. मौके पर गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष आभा सिन्हा, पूर्व डिप्टी मेयर अजयनाथ शहदेव, पूर्व पार्षद राजन वर्मा, ओबीसी के प्रदेश अध्यक्ष अभिलाश साहू, पूर्व पार्षद राजेश गुप्ता छोटू, आदित्य विक्रम जयसवाल, महेश्वर प्रसाद साहू, सलीम खान, पूर्व विधायक जय प्रकाश गुप्ता, वरीष्ठ पत्रकार उदय वर्मा आदि मौजूद थे.

स्व. पीएन सिंह की 11वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते कांग्रेस नेता.

तापमान
29.7^0 अधिकतम | 23.4^0 न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, गुरुवार 29 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 141

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

पथ निर्माण विभाग के 24 जेई का ट्रांसफर

रांची। पथ निर्माण विभाग ने 24 जेई का स्थानांतरण पदस्थापन किया है. मो. सलीम को बालूमाथ, अयाज अहमद को निगरानी विभाग, अमित कुमार को सुंदर पहाड़ी, उमेश रेवानी को बेरमो, वन कविता को सेवा भवन, मोहित कुमार को पत्र शाखा 3 और मांझी पत्थर पर मंडल संख्या दो रांची जय नंदन कुमार को पथ शाखा दो डोरंडा, प्रवीण कुमार को गिरिडीह दो सुधांशु पन्ना संख्या एक मोरहाबादी रांची, चौधरी रूपेश कुमार राम जपु को पद प्र शाखा महागामा, सुबोध कुमार सिंह को बरहेट, मोहम्मद अफरोज आलम को धालभूमगढ़ सुशील कुमार को सरायकेला खरसावां, अभिषेक कुमार को पथ प्र मंडल रांची ग्रामीण योगेंद्र मंडल को पद प्रशाखा गोड्डा एक जैनेंद्र कुमार को जरमुंडी चंद्रशेखर को पथ प्रमंडल संख्या दो गिरिडीह , संजय लकड़ा को क्षेत्र सर्वेक्षण प्रमंडल अग्रिम योजना रांची, श्रद्धानंद शाही को योजना एवं अन्वेषण पथ प्र मंडल रांची , राजेश कुमार को सेवा ग्रामीण कार्य विभाग, सुशील मिंज पथ कोलेबिरा,संतोष कुमार को प्रमंडल संख्या एक सरायकेला खरसावां, रूपा कुमारी को मिट्टी अनुसंधान प्रमंडल अग्रिम योजना रांची के पद पर स्थापित किया गया है.

नौ इंस्पेक्टर बदले गए सात बने थाना प्रभारी

रांची। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने नौ इंस्पेक्टर का तबादला किया है. इनमें से सात इंस्पेक्टर अलग-अलग थाना के प्रभारी थे. इसको लेकर बुधवार को जिलादेश जारी कर दिया गया है. जारी आदेश के अनुसार, रामनारायण सिंह को रातू, रामकुमार वर्मा को धुर्वा, जय प्रकाश राणा को डेली मार्केट, मनोज कुमार को बरियातू, कमलेश पासवान को ट्रैफिक थाना चुटिया, रूपेश सिंह को लालपुर और सुनील सिंह हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी बनाया गया है.

मंत्री परिषद की बैठक आज, होंगे कई निर्णय

रांची। झारखंड कैबिनेट की बैठक गुरुवार को शाम चार से प्रोजेक्ट भवन सभागार में होगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. चुनावी वर्ष होने के कारण सरकार के निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज हो गयी है. बैठक में कई अहम निर्णय लिए जाएंगे. कैबिनेट की बैठक को लेकर मंत्रिमंडल सचिवालय ने आदेश जारी कर दिया है.

निधि द्विवेदी की पोस्टिंग रद्द, एहतेशाम बने एसपी

रांची। आईपीएस निधि द्विवेदी की जामताड़ा एसपी के पद पर पोस्टिंग के आदेश को विलोपित कर दिया गया. वहीं एहतेशाम वाकारिब को जामताड़ा का नया एसपी बनाया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बुधवार की देर शाम जारी कर दी गई. गौरतलब है कि मंगलवार को सरकार ने 10 आईपीएस का तबादला किया था. सीआईडी एसपी के पद पर पदस्थापित निधि द्विवेदी को जामताड़ा का एसपी बनाया गया था, हालांकि 24 घंटे के अंदर ही इस आदेश को विलोपित करना पड़ा.

चक्का जाम : राजधानी में दूसरे दिन भी बंद रहा ऑटो और ई-रिक्शा का परिचालन, यात्री रहे परेशान

पैदल चलते-चलते कट जा रहे रास्ते

ऑटो और ई-रिक्शा नहीं चलने के कारण कचहरी चौक पर सिटी बस का इंतजार करते लोग.

बस के ऊपर बैठकर स्कूल जाने को मजबूर छात्र.

रातू जाने वाली बस में जगह नहीं होने के बावजूद लदकर सफर करने को मजबूर यात्री.

आकर्ष अनिकेत ।रांची

शहर में 20 किमी के दायरे में ऑटो चलाने के नियम में बदलाव के विरोध में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार को दूसरा दिन भी जारी रही. शहर में एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए रोजाना हजारों लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं. पब्लिक ट्रांसपोर्ट में भी सबसे अधिक इस्तेमाल ऑटो का किया जाता है.हड़ताल के कारण लोगों को एक जगह से दूसरी जगह जाने में काफी परेशानी हो रही है. ऐसे में परेशानियों का आकलन करने के लिए हमने शहर के कुछ हिस्सों में बिना निजी वाहन के एक जगह से दूसरी जगह जाने का प्रयास किया.

- **जैसा देखा-सुना और खुद पैदल चल कर महसूस किया**

पहले हमने रातू रोड चौक से हरमू चौक तक जाने का प्रयास किया, पर सड़क पर न तो ऑटो मिला और न ही सिटी बस हीं दिखी. रैपिडो बाइक भी तीन बार बुक करने पर किसी राइडर ने राइड एक्सेप्ट ही नहीं किया. लगभग आधे घंटा इंतजार करने के बाद हमने ओला से बाइक बुक करने की कोशिश की. लगभग 10 मिनट के इंतजार के बाद ओला बाइक बुक हुई. ओला ऐप के अनुसार राइड के लिए 32 रुपयों का भुगतान किया जाना था, पर ओला राइडर ने कॉल कर लगभग तीन किलोमीटर के सफर के लिए 150 रुपयों की मांग की. थोड़ी देर मोल-मोलाई करने पर राइडर 120 रुपये पर सहमत हुआ. हालांकि इसके बाद हमने राइड कैंसिल कर ओला कार बुक करने का प्रयास, जिसके लिए हमें 220 रुपये का भुगतान करना था.

ओला, उबर और रैपिडो वाले वसूल रहे हैं मनमाना किराया

सिटी बस के लिए करना पड़ रहा है लंबा इंतजार

शहर में कुल 44 सिटी बसों का परिचालन हो रहा है, जो निर्धारित रूटों पर चलती हैं. कचहरी से सुजाता चौक जाने के लिए जब हम कचहरी चौक पर पहुंचे, तो चौक पर लंबी कतार लगाकर लोग इंतजार कर रहे थे. बस का इंतजार कर रहे 55 वर्षीय दिनेश उरांव ने बताया कि वह लगभग आधे घंटे से बस का इंतजार कर रहे हैं. लगभग 10 मिनट के इंतजार के जब बस कचहरी चौक पहुंची, तो कचहरी में ही पूरी तरह से भर गयी. वापसी के समय भी हमें बस के लिए काफी इंतजार करना पड़ा.

जान जोखिम में डालकर स्कूल आ-जा रहे हैं बच्चे : ऑटो हड़ताल के कारण स्कूल व कॉलेज के बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. पिस्का मोड़ चौक पर संत जॉन्स के तीन बच्चे रातू जाने के लिए वाहन खोजते रहे. एक बस रातू की ओर जा रही थी, जो पहले से ही ओवरलोड थी. सड़क पर ऑटो नहीं होने के कारण दो बच्चे बस की छत पर चढ़ कर चले गये. वहीं एक छात्र अंजीत उरांव ने छत पर चढ़ने का फैसला नहीं लिया. अंजीत ने बताया कि वह पुरुलिया रोड से पिस्का मोड़ तक पैदल ही आया है. उन्होंने बताया कि ऑटो चलने पर दिक्कत नहीं होती है.

सामान ढोने वाली गाड़ियों पर भी सफर करने को मजबूर हैं लोग

शहर में किफायती सफर करने के लिए मजबूर लोग अब खतरों से खेलकर सामन ढोने वाली गाड़ियों में सफर कर रहे हैं. सामान ढोनेवाले ऑटो के पीछे लोग खड़े होकर सफर करने को मजबूर हैं. ऐसा सफर खतरनाक है. हमेशा दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है. फिर भी जान जोखिम में डाल कर सफर करने को लोग मजबूर हैं.

सड़क पर लिफ्ट मांगते दिखे वृद्ध और बुजुर्ग

शहर के जिन इलाकों में सिटी बसों की सुविधा नहीं है, उन सड़कों पर कई वृद्ध व बुजुर्ग निजी वाहन चालकों से लिफ्ट मांगते दिखे. बारिश में फंसी 72 वर्षीय रुपा देवी ने बताया कि उन्हें हड़ताल के बारे में पता ही नहीं था. उनके बेटे ने नामकुम से अलबर्ट एक्का चौक तक आने के लिए ओला कार बुक कर दिया था, मेन रोड में काम पूरा हो जाने के बाद जब उन्होंने अपने बेटे को ओला बुक करने को कहा, तो बेटे ने बताया कि ओल बुक नहीं हो पा रहा है. हालांकि लगभग एक घंटा इंतजार करने के बाद जब बारिश रुकी, तो उनके बेटे ने ओला कार बुक कर दी.

यातायात एसपी व ऑटो चालकों के बीच वार्ता विफल अभी जारी रहेगी हड़ताल : यातायात एसपी और ऑटो चालकों बीच बुधवार को हुई वार्ता विफल रही. झारखंड सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि अनिश्चितकालीन ऑटो हड़ताल जारी रहेगी. उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होगी हड़ताल जारी रहेगी. सभी ऑटोचालक एकजुट हैं.

झारखंड यात्री संघ ने यात्रियों को हो रही परेशानी पर जताई चिंता

रांची। झारखंड यात्री संघ ने शहर में ऑटो और ई रिक्शा की हड़ताल की वजह से यात्रियों को हो रही परेशानी पर गहरी चिंता व्यक्त की है. यात्री संघ के अध्यक्ष प्रेम मित्तल ने कहा कि ऑटो ही शहर की लाइफ लाइन है. रोज 1 लाख से ऊपर यात्री ऑटो पर सफर करके अपने गंतव्य तक जाते हैं. प्रशासन को चाहिए कि ऑटो यूनियनों से वार्ता करके शीघ्र समस्या का समाधान करे.

यात्रियों की परेशानी को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था करें सिटी बसों का संचालन निर्बाध रूप से हो. मित्तल ने कहा कि आरटीए के सचिव को और नगर निगम को रूट का निर्धारण करने के लिए पहले की फाइलों को भी टटोलना चाहिए. यात्रियों की जरूरत

- **ऑटो यूनियनों से प्रशासन वार्ता कर करे समाधान**

और ऑटो चालकों की परेशानियां दोनों का ध्यान रखना चाहिए. आरटीए सचिव से अनुरोध किया गया है कि वह पूर्व की फाइलों को टटोलें और उसमें देखें कि इस ढंग के निर्णय लेने के लिए किस प्रकार की प्रक्रिया अपनाई जाती रही है. ऑटो यूनियनों और यात्री संघ के साथ वार्ता करके और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ही भाड़ा निर्धारण , रूट निर्धारण, वर्दी के रंग का निर्धारण पहले भी हो चुका है. संघ ने आग्रह किया कि हड़ताल को समाप्त कराएं. साथ ही यात्रियों के आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करें.

कानून हाथ में लेने वालों पर होगी कार्रवाई : एसपी

रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने ऑटो चालकों को स्पष्ट कर दिया है कि अगर वह बेवजह किसी चलते ऑटो में तोड़फोड़ करेंगे या उन्हें रोकने की कोशिश करेंगे, तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. जो ऑटो चालक शहर में ऑटो का परिचालन करना चाहते हैं, उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा, पुलिस अलर्ट है. उन्हें पूरी सुरक्षा प्रदान की जाएगी.

शहर के कई थाना क्षेत्रों में छिनतई की 17 घटनाओं को अंजाम देनेवाले ओडिशा के पांच अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता।रांची

रांची के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छिनतई की 17 घटनाओं को अंजाम देने वाले पांच अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है. गिरफ्तार सभी अपराधी ओडिशा के रहने वाले हैं. जिनमें अउला आलोक रॉव, करण प्रधान, काली कबाडी, अउला धर्म रॉव और अउला तारो शामिल है.

बुधवार को एसएसपी चंदन सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बीते 20 अगस्त को मांडर थाना क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया टांगरबसली ब्रांच के पास छिनतई की घटना हुई थी. संलिप्त अपराधकर्मियों को पहचान कर पकड़ने के लिए क्षेत्र के सभी बैंकों पर सादे लिबास में पुलिसकर्मी निगरानी रख रहे थे. इसी दौरान 27 अगस्त को टांगरबसली बैंक के आसपास कुछ अज्ञात व्यक्ति तीन मोटर साईकिल पर सवार होकर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे थे. जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते

गिरफ्तार अपराधियों के बारे में जानकारी देते एसएसपी चंदन सिन्हा.

हुए इन पांच अपराधियों को पकड़ा.

पिछले सात महीने से रांची में था सक्रिय : पकड़े गए सभी अपराधी पिछले सात महीने से रांची जिला के मांडर, डोरंडा, नामकुम, चान्हो, नगड़ी, बेड़ो, बुण्डू, रातु, खलारी थाना क्षेत्रों में स्थित बैंकों के पास रेकी करते थे और पैसा निकाल कर जा रहे व्यक्ति का पीछा कर पैसा छीनकर भाग जाते थे. ये लोग एक महीने के लिए शहर में किराये का मकान लेकर ठहरते थे और वहीं से योजना बनाकर बैंक पहुंचते थे. फिर रेकी कर पैसा निकाल कर जाने वाले व्यक्ति से पैसा छीनकर भाग जाते थे. ये गिरोह रांची जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में करीब 17 घटनाओं को अंजाम दे चुका है. साथ ही बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड और अन्य राज्यों में भी इसी प्रकार एक महीने के लिए किराये पर मकान लेकर ठहरे थे और योजना बनाकर बैंक पर रेकी कर कई छिनतई की घटना को अंजाम दिया था.

ग्रामीणों ने अपराधी को पकड़ा, पुलिस को सौंपा

रांची। पिठोरिया थाना क्षेत्र के सोसो गांव के लोगों ने बुधवार की सुबह एक व्यक्ति को हथियार के साथ पकड़ा. ग्रामीणों ने मारपीट करने के बाद अपराधी को पुलिस को सौंप दिया. जबकि दो अपराधी भागने में सफल रहे.

जानकारी के मुताबिक सोसो गांव निवासी अशफाक खान के पुत्र तौसीफ खान किसी काम से सोसो चौक पर खड़े थे. तभी तीन अपराधियों ने घेर लिया. उन पर कट्टा तान दिया और गोली मारने की बात करने लगे. यह देख आसपास के लोग वहां जुट गए. ग्रामीणों के घेरे में खुद को देख अपराधी भागने लगे. ग्रामीणों ने एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अपराधकर्मी भागने में सफल रहे. इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना पिठोरिया थाना की पुलिस को दी. पुलिस ने गांव पहुंच कर अपराधी को गिरफ्तार किया. पुलिस उससे पूछताछ कर रही है. साथ ही उसके साथ गांव पहुंचे दो अन्य अपराधियों की तलाश कर रही है.

अभिनेत्री सनी लियोनी पहुंचीं रांची देखने के लिए उमड़ पड़ी भारी भीड़

संवाददाता।रांची

राजधानी में बुधवार को बॉलीवुड सेलिब्रेटी सनी लियोनी अपने पति डैनियल वेबर के साथ पहुंची. मौका था रातू रोड स्थित लुक्स नामक ब्यूटी पार्लर का इनागरेशन.

फैंस अभिनेत्री सनी लियोनी की एक झलक पाने को बेताब थे. अभिनेत्री उद्घाटन के बाद जाने लगी तो किन्नरों की टोली ने उन्हें घेर लिया और उनके साथ सेल्फी लेने की जिद करने लगे. इस बीच पुलिस कर्मियों व फैन के बीच धक्का मुक्की होने लगी. उन्होंने कहा कि हम आप के फैन हैं, अभिनेत्री ने यह बात सुन कर पास बुलाया और अपने कार का गेट खोल कर सेल्फी लेने की अनुमति दी. अभिनेत्री को देखने के लिए फैंस की भीड़ उमड़ पड़ी थी, कई उन्हें देखने के लिए निर्माणाधीन रातू रोड फ्लाइओवर पर चढ़ गये थे. जाते वक्त अभिनेत्री ने अपने फैंस का हाथ हिला कर अभिवादन किया.

युवाओं की टोली उमड़ पड़ी : बॉलीवुड सेलिब्रेटी सनी लियोनी की रातू रोड पहुंचने की खबर से युवा जगत में खलबली मच गई.

खेल दिवस पर विशेष अपने राज्य ने भी दिए हैं देश को एक से बढ़ कर एक खिलाड़ी

झारखंड की महिला खिलाड़ी जो बनीं सबके लिए प्रेरणास्रोत

शुभम किशोर।रांची

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन 29 अगस्त को खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है. उनका जीवन और उपलब्धियां खेल के इतिहास में युगों-युगों तक याद की जाएंगी. इस दिन खिलाड़ियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है. युवाओं को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है. झारखंड की कई महिला खिलाड़ी जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, जिन्हें कभी पुरुषों का खेल माना जाता था. भारतीय महिला क्रिकेट हो, या महिला हॉकी, घुड़सवारी हो या मुक्केबाजी, वेटलिफ्टिंग हो या तीरंदाजी, हर क्षेत्र में महिलाएं शानदार प्रदर्शन कर रही हैं.

तीरंदाज दीपिका कुमारी ने जीते कई पदक

भारतीय तीरंदाजी को विश्व स्तर पर एक मुकाम पर पहुंचने वाली भारतीय महिला

तीरंदाज दीपिका कुमारी का नाम आता है. दीपिका कुमारी ने तीरंदाजी विश्व नंबर 1 बनी हालांकि ओलंपिक पदक का सपना अभी पूरा नहीं हो सका है. राजधानी रांची में जन्मीं दीपिका के पिता एक ऑटो चालक थे और मां मेडिकल कॉलेज में नर्स थीं. काफी संघर्ष के बाद दीपिका ने तीरंदाजी में अपना नाम दर्ज किया. 2006 से दीपिका का सफर कई खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है.

महिला हॉकी टीम की कप्तानी राज्य की बेटी सलीमा टेटे के पास

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी झारखंड की सलीमा टेटे के हाथों में है. सलीमा का इस

मुकाम पर पहुंचने का सफर बेहद संघर्ष भरा रहा है. सिमडेगा में सलीमा का परिवार गांव में एक कच्चे घर में रहता था. उनके पिता सुलक्षण टेटे भी स्थानीय स्तर पर हॉकी खेलते रहे हैं. जहां से सलीमा का हॉकी के प्रति लगाव शुरू हुआ. गांव के मैदान से शुरू हुआ हॉकी का सफर आज अंतराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का नाम रौशन कर रही है. एक अदद हॉकी स्टिक के लिए तरसीं सलीमा आज हॉकी प्रेमियों के लिए आदर्श है.

फीफा में अष्टम उरांव ने की भारतीय टीम की कप्तानी

अंडर 17 फीफा वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम की कप्तानी झारखंड की

अष्टम उरांव ने की. गुमला जिला की अष्टम उरांव पांच भाई बहन है. जिस इनके परिवार का मुख्य पेशा मजदूरी करना है. अपने गांव के मैदान से फुटबॉल का सफर शुरू हुआ और आज वे पेशेवर फुटबॉलर बन गई. अष्टम ने पहली बार फाइव स्टार होटल में रहने के अनुभव पर खपरैल घर में रहना ज्यादा पसंद है. अष्टम को देखकर कई लड़कियों में फुटबॉल के प्रति रुझान बढ़ा है.

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अमीषा ने बढ़ाया झारखंड का मान

बॉक्सिंग हमेशा से पंजाब, हरियाणा, मिजोरम का दबदबा रहा है. इस खेल में झारखंड की

बेटी अमीषा केरकेट्टा ने विश्व पटल पर राज्य का नाम रोशन किया. अमीषा ने आर्मेनिया में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग में सिल्वर जीता झारखंड की पहली महिला बॉक्सर बनी जिन्होंने अंतराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीता. अमीषा ने बालिका 52 किलो वर्ग में जीत दर्ज की थी. सिमडेगा की रहनी अमीषा 2028 ओलंपिक में पदक जीतने का है. वो अपने कमरे में मैरीकॉम की तस्वीर लगाए रखी है.

जांच समिति का गठन

रिम्स मारपीट मामला

संवाददाता।रांची

रिम्स के छात्रों व सुरक्षा गार्डों में मंगलवार रात झड़प के बाद बुधवार को जूनियर डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध किया. इसके बाद प्रशासनिक पदाधिकारियों की पुलिस अफसरों व छात्र प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई.

बैठक में घटना की जानकारी ली गई. सिटी एसपी और निदेशक रिम्स ने सूचित किया कि यह एक संवेदनशील जगह है, जहां हमेशा सुरक्षा की जरूरत है, इसलिए दोनों का आपसी सामंजस्य आवश्यक है. सिटी एसपी ने निगरानी के लिए सीसीटीवी की जानकारी ली. साथ मे रिम्स को अतिक्रमणमुक्त करने के लिए प्रबंधन ने एसपी से अनुरोध किया. वहीं हॉस्टल के पीछे की टूटी चहारदिवारी बनवाने पुलिस के सामने

ये निर्णय लिए गए

1. छात्रों और वाहिनी के जवानों के बीच मारपीट की घटना के संबंध में निष्पक्ष जांच समिति का गठन किया गया. समिति दो दिन में जांच करेगी और दोषी पाये जाने वालों पर कार्रवाई होगी.
2. छात्रों की शिकायत पर एक सुरक्षा शिकायत निवारण समिति गठित हुई है. जिसमें सिटी एसपी, रिम्स अपर चिकित्सा अधीक्षक, डीएसपी सदर व जिला समादेष्टा आदि सदस्य होंगे.

कराने का फैसला हुआ. इस मारपीट की घटना व सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ करने के लिए निर्णय लिये गए.

ये रहे मौजूद: रिम्स निदेशक डॉ राज कुमार, सिटी एसपी, डॉ. विद्यापति, डॉ. शशि बाला, हीरेंद्र बिरुआ, डॉ. शैलेश त्रिपाठी, शिव प्रिये, डॉ. मनोज कुमार, डीएसपी सदर और जेडीए व छात्रों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे.

कामयाबी की फलक पर झारखंड के तीन सितारों ने बिखेरी चमक

रजतनाथ / सतीश गोस्वामी। धनबाद कोल राजधानी धनबाद व इस्पात नगरी बोकारो की प्रतिभाओं ने अलग-अलग मंचों में न सिर्फ अपना बल्कि इलाके का नाम रोशन किया है. खेल, शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में यह कामयाबियां मिलीं हैं. बोकारो की शिक्षिका को राष्ट्रपति उनकी सेवा का सम्मान देंगी, तो बोकारो डीपीएस के प्राचार्य ने विदेशी धरती पेरिस में नाम कमाया है. इनोवेटर एजुकेटर पर कई बड़े और विकसित देशों को पछाड़ा है. इसके अलावा खेल में धनबाद की बेटी ने पंजाब के प्रसिद्ध खेल गतका में परचम फहराया है. झारखंड की तरफ से खेलते हुए कई राज्यों को पराजित कर सिल्वर मेडल जीता है. तो चलिए करते हैं, मुलाकात अपनी इन प्रतिभाओं से.

गोमो की बेटी ने गतका में पंजाब में लहराया परचम

गतका चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता

गोमो। पंजाब के संगरूर जिला में आयोजित छह दिवसीय राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप 2024 में गोमो के स्टेशन मास्टर देवब्रत सरकार की पुत्री देबो श्री सरकार ने सिल्वर मेडल जीतने में सफलता पाई है. उसने झारखंड राज्य की ओर से प्रतियोगिता में भाग लिया है. उन्होंने बताया कि पंजाब जिला में संगरूर जिला में आयोजित राष्ट्रीय गतका खेल चैंपियनशिप 2024 में देश के 24 राज्यों से 1650 बच्चों ने भाग लिया था. जिसमें से 400 प्रतियोगियों ने खेल में भाग लिया. झारखंड से 82 बच्चे शामिल हुए थे. ग्रुप में कुल 26 बच्चों को सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ है.उन्होंने बताया कि चैंपियनशिप में असम तमिलनाडु एवं कर्नाटक को हराकर में वह फाइनल में पहुंची थी. पंजाब के साथ हुए फाइनल मैच में सिल्वर मेडल प्राप्त करने में

सफलता मिली है. राष्ट्रीय चैंपियनशिप में गोमो की बेटी द्वारा सिल्वर मेडल प्राप्त करने की सूचना पर खेल प्रेमियों में हर्ष है. लोग उन्हे बधाई देने घर पहुंच रहे हैं.

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य हैं डॉ. गंगवार

डॉ. गंगवार को पेरिस में मिला 'यूरोपियन एक्सीलेंस व इनोवेटिव एजुकेटर अवार्ड'

बोकारो। विगत तीन दशक से भी अधिक समय से शिक्षा के जरिए राष्ट्रीय विकास में महती भूमिका निभाने वाले डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार की अंतरराष्ट्रीय ख्याति व उपलब्धियों में एक और नया आयाम जुड़ गया है. उन्हें फ्रांस की राजधानी पेरिस में थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा विश्व-प्रतिष्ठित यूरोपियन एक्सीलेंस एवं इनोवेटिव एजुकेटर अवार्ड से नवाजा गया है. नीति आयोग एवं ग्लोबल टॉक एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से सीईडी (सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट) फाउंडेशन के तत्वावधान में थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजित इंडो-यूरोप एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत डॉ. गंगवार को यह सम्मान प्रदान किया गया. यह पुरस्कार उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में सार्थक अभिनव प्रयोगों, राष्ट्र व समाज की बेहतरी के लिए अटूट समर्पण, व्यापक अनुभव, उल्लेखनीय उपलब्धियों और अमूल्य योगदान के लिए प्रदान किया गया। इंडो-यूरोप शिक्षा एवं नेतृत्व शिखर सम्मेलन के दौरान पेरिस के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. राकेश मित्तल एवं ग्लोबल टॉक एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन डॉ. प्रियदर्शी नायक व अन्य प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में उन्हें सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र, प्रमाण पत्र, स्मृति फलक एवं टाईनुमा सैश दिया गया. उल्लेखनीय है कि नीति आयोग, भारत सरकार एवं ग्लोबल टॉक एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से इंडो-यूरोप एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत डॉ. गंगवार को विद्यालय समुदाय में मूल्य-आधारित शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा भविष्य के शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए असाधारण समर्पण प्रमाण-पत्र से भी सम्मानित किया गया. उक्त विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के चुनिंदा विद्यालयों के नेतृत्वकर्ताओं के लिए यूरोप-भ्रमण का विशेष आयोजन किया गया था. उन्हें स्विट्जरलैंड,नीदरलैंड और पेरिस शहरों का भ्रमण कराकर यूरोप के शैक्षणिक परिदृश्यों से अवगत कराया गया. जबकि, थेम्स यूनिवर्सिटी, पेरिस में आयोजित शिखर सम्मेलन के दौरान शिक्षाविदों को अलग-अलग कैटेगरी में सम्मानित किया गया. उनकी उपलब्धी पर बोकारो डीपीएस परिवार गौरवांवित है.

शिक्षिका डॉ. आशा रानी को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

पांच सितंबर को राष्ट्रपति के हाथों होंगी पुरस्कृत

बोकारो। बोकारो जिले के प्लस टू उच्च विद्यालय चंदनकियारी की शिक्षिका डॉ आशा रानी का चयन राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए किया गया है. डॉ आशा रानी प्लस टू हाई स्कूल चंदनकियारी में नौवीं कक्षा से 12 वीं तक के छात्र-छात्राओं को संस्कृत पढ़ाती हैं. डॉ आशा रानी ने शुभम संदेश को बताया कि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित होने की खबर से वे बहुत खुश हैं. उन्हें नहीं पता था कि उनका चयन पुरस्कार के लिए हो जायेगा. कहा कि उनकी मेहनत का यह पुरस्कार है. भारत की राष्ट्रपति पांच सितंबर शिक्षक दिवस को उन्हें यह पुरस्कार प्रदान करेंगी. इधर, पुरस्कार मिलने की घोषणा के बाद जिले के शिक्षा जगत में खुशी का माहौल है. शिक्षक संघ, जिला इकाई बोकारो ने बधाई दी है. संघ के संरक्षक डॉ अजय कुमार पाठक, पंकज कुमार

सिंह, सचिव डॉ अवनीश कुमार झा, संयुक्त सचिव राजेश कुमार विश्वकर्मा, डॉ शक्ति पद महतो, प्रांतीय गुणात्मक शिक्षा समिति सदस्य धनंजय कुमार, उप संगठन मंत्री श्वेता कुमारी उपाध्याय, प्रयोगशाला सहायक प्रतिनिधि उजमा सुल्ताना एवं सदस्य दिनेश चंद्र, रजनीगंधा, चंद्र नारायण सिंह, नितेश सोनी ने उन्हें बधाई व शुभकामना दी है.

ब्रीफ खबरें

इटकी में विहिप ने मनाया स्थापना दिवस

इटकी। विहिप, बजरंग दल के बैनर तले बुधवार को इटकी जगन्नाथ मंदिर परिसर में कृष्णा राम तिवारी की अध्यक्षता में षष्टी पूर्ति की बैठक हुई. मौके पर राजकुमार तिर्की, राजकरण महतो, अंकित सोनी, रमेश महतो, प्रकाश महतो, रूपा केशरी तेज प्रताप, बीरेन्द्र भगत, अर्पण कुमार, सुशील कुमार आदि मौजूद थे.

विहिप ने बुंडू में मनाया 60 वां स्थापना दिवस

बुंडू। अरुणालय सभागार बुंडू में विहिप ने 60 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया . पूज्य संतदिव्य ज्ञान ,सुनील महाराज , प्रांत सह विशेष संपर्क प्रमुख प्रिंस आजमानी, मुख्य वक्ता केन्द्रीय मंत्री अम्बरीष ,टांगी नाथ धाम के मुख्य पुजारी राम कृपाल वैंगाजी, बराईक समाज के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप बड़ाइक ने सभा को संबोधित किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश संगठन मंत्री मान देवी सिंह आदि शामिल थे.

हीरोडीह में महिला की गला रेतकर हत्या

तिसरी (गिरडीह)। गिरिडीह जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र में एक महिला की गला रेतकर हत्या कर शव को फेंक देने की वारदात सामने आई है. मृतका की पहचान बैरिया के दीवानटोला निवासी अनिल यादव की पत्नी रिंकू देवी के रूप में हुई. लोगों ने हत्या का आरोप पति अनिल यादव पर लगाया है. पति फरार है. बुधवार की सुबह उधर से गुजर रहे चरवाहों की नजर खेत किनारे झाड़ियों में पड़े शव पर पड़ी.

टाटा स्टील फाउंडेशन व टाटा मोटर्स में एमओयू

रांची। टाटा स्टील फाउंडेशन और टाटा मोटर्स ने 27 अगस्त, 2024 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. इसका उद्देश्य आईटीआई तमाड़, आईटीआई चांडिल, आईटीआई जगन्नाथपुर और आईटीआई बांसपाल के छात्रों को उन्नत औद्योगिक अनुभव एवं कौशल विकास के अवसर प्रदान करना है. इस साझेदारी के तहत टाटा मोटर्स के जमशेदपुर प्लांट में छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा.

बुलेट और चेन के लिए महिला की हत्या

भवनाथपुर। चपरी की महिला प्रियंका देवी की कीटनाशक खाने से मौत के मामले में आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. मृतका के पिता रमना क्षेत्र के चुंदी निवासी विनोद साव ने भवनाथपुर थाने में आवेदन दे कर बताया कि पुत्री का शादी 2023 में बीरेंद्र साह के पुत्र आशीष से किया था जिससे बेटी को बच्ची है. दामाद दहेज में बुलेट एवं सोना का चैन बराबर मांगता था और प्रियंका को दहेज के लिए प्रताड़ित करता था बेटी को ससुर-सास रेनू देवी, पति आशीष साव देवर आकाश साव ने मारने की साजिश रची है.

नामकुम में कुएं से वृद्धा का शव बरामद

नामकुम। थाना क्षेत्र के सामलौंग नयाटोली स्थित कुएं से पुलिस ने बुधवार की सुबह एक वृद्धा का शव बरामद किया. मृतका 69 वर्षीय झाझो देवी 26 अगस्त से लापता थी. वृद्धा के बेटे रवींद्र महतो ने नामकुम थाने में मां की गुमशुदगी की की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. पुलिस कुएं से शव निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया.

किडनैप कर वसूले 50 लाख, रांची बुलाकर बनाया अश्लील वीडियो

युवती के जाल में फंसा मुंबई से आया व्यवसाई

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस ने मुंबई में कंपनी चलाने वाले कारोबारी मेहुल साह का अपहरण कर 50 लाख रुपये फिरौती वसूलने के आरोप में एक युवती समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों की गिरफ्तारी चाईबासा के गोइलकेरा से हुई है. पुलिस ने आरोपियों के पास से 50 लाख रुपये भी बरामद कर लिए हैं. सभी आरोपितों से पूछताछ की जा रही है. पुलिस का कहना है कि कारोबारी मेहुल साह की कंपनी में युवती पहले काम करती थी. काम करने के दौरान दोनों में दोस्ती हो गई. मेहुल और युवती के बीच जो संबंध था, उसकी जानकारी कारोबारी की पत्नी को हो गई. इसके बाद युवती रांची चली आई. कारोबारी युवती को कभी कभी पैसा भेजता था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से उसने पैसा देना बंद कर दिया था. पैसा नहीं मिलने से युवती परेशान हो गई और कारोबारी से मोटी रकम वसूलने के लिए अपहरण करने की योजना बनाई. युवती ने इसमें तीन युवकों को शामिल किया. युवती ने कारोबारी को फोन कर रांची आने के लिए कहा. कारोबारी सोमवार को रांची पहुंचा. एयरपोर्ट पर उतरते ही युवती अपने साथियों के साथ पहुंची और कारोबारी को लेकर रिंग की ओर चली गई.

खास बातें

- पुलिस ने युवती समेत चार आरोपितों को चाईबासा से किया गिरफ्तार
- कारोबारी की पत्नी ने रांची पुलिस से किया संपर्क, तो हुआ मामले का खुलासा

रेडिसन ब्लू में युवती ने बुक किया था कमरा

पुलिस का कहना है कि युवती कारोबारी मेहुल को लेकर होटल रेडिसन ब्लू ले जाने वाली थी. उसने कमरा भी बुक किया था, लेकिन कारोबारी होटल नहीं गया. कारोबारी युवती से जल्दी मिल कर वापस जाना चाहता था. लेकिन वह युवती के जाल में बुरी तरह से फंस गया.

अश्लील वीडियो बना कर 50 लाख देने का बनाया दबाव : पुलिस का कहना है कि युवती एक सुनसान जगह पर कारोबारी को ले गई और वहां उसके साथ अश्लील वीडियो बनाया. कई फोटो भी लिया. इसके बाद कारोबारी का अपहरण कर लिया गया और उससे कहा गया कि वह घर से 50 लाख रुपए मांग कर नहीं दिया, तो उसका वीडियो और फोटो पत्नी और सभी रिश्तेदारों को भेज दिया जाएगा. कारोबारी ने अपनी पत्नी को फोन किया और पैसा मंगाकर आरोपितों को दे दिया. पुलिस का कहना है कि कारोबारी की पत्नी पैसा देने के बाद इसकी जानकारी रांची पुलिस को दिया. पुलिस ने कारोबारी का मोबाइल लोकेशन निकाला और उसे बरामद करने में जुट गई. पुलिस को सूचना मिली कि कारोबारी को छोड़ दिया गया और वह एयरपोर्ट में है. पुलिस एयरपोर्ट पहुंची और कारोबारी को पकड़ कर थाना ले आई. कारोबारी पहले कुछ नहीं बता रहा था. कारोबारी का कहना था कि वह केस नहीं करेगा. बस उसका पैसा मिल जाए. पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो कारोबारी ने बताया कि उसका अपहरण कर लिया गया था और उससे 50 लाख रुपए वसूला गया है. इसके बाद पुलिस ने आरोपितों का मोबाइल नंबर लिया और लोकेशन के आधार पर उसे पकड़ लिया.

एडीआरएम ऑपरेशन ने खलारी स्टेशन का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता। खलारी

बरवाडीह-बरकाकाना रेल खंड के अंतर्गत आने वाले खलारी रेलवे स्टेशन का धनबाद एडीआरएम ऑपरेशन विनित कुमार ने खलारी स्टेशन का दौरा किया. इस दौरे के क्रम में उनके साथ सीनियर डीओपी ऑपरेशन संजीव कुमार, सीनियर डीईएन वन मयंक अग्रवाल, एडीईएन लातेहार मनराज मीणा भी शामिल थे. एडीआरएम ऑपरेशन विनित कुमार के खलारी स्टेशन पहुंचने पर खलारी रेलवे स्टेशन अधीक्षक जॉन सोरेंग ने फूलों का गुलदस्ता सौंपकर उनका स्वागत किया. निरीक्षण के दौरान एडीआरएम वीनित कुमार ने खलारी रेलवे स्टेशन के कंट्रोल रूम, रनिंग रूम आदि जगहों का निरीक्षण किया. इस दौरान रनिंग रूम में उन्होने रनिंग स्टाफ को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया. उन्होने निरीक्षण के दौरान रेल अधिकरियों को रनिंग रूम में सुविधाओं को बेहतर करने के लिए दिशा निर्देश भी दिए.

अधिवक्ता की स्कूटी चोरी,केस दर्ज

रांची। राजधानी के कोतवाली थानांतर्गत रणधीर प्रसाद वर्मा स्ट्रीट (सोनार गली) अपर बाजार निवासी अधिवक्ता जिज्ञासा अग्रवाल नारसरिया की स्कूटी की चोरी हो गई. इस संबंध में जिज्ञासा अग्रवाल नारसरिया द्वारा कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. दर्ज प्राथमिकी में श्रीमती नारसरिया ने कहा है कि उक्त परिसर में स्कूटी का हैंडल लॉक कर अपने आवास में आ गई. सुबह उन्हें स्कूटी नहीं होने की सूचना गार्ड द्वारा दी गई. चोर ने स्कूटी चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. स्थानीय निवासियों के मुताबिक उक्त क्षेत्र में नियमित रूप से पुलिस गश्त नहीं होने की वजह से चोरों का आतंक बढ़ गया है. आए दिन स्कूटी, मोटरसाइकिल व अन्य वाहन चोरी की घटनाएं हो रही है. स्थानीय निवासियों ने बताया कि चोरों के आतंक से मोहल्लेवासी दहशत के साए में जीने को विवश हैं.

न्यूज अपडेट

सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार की मौत

नामकुम। थाना क्षेत्र के रायसा मोड़ पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बुधवार की सुबह एक साइकिल सवार की मौत हो गई. मृतक 45 वर्षीय बाहा मुंडा हुआंगहातू का निवासी था. परिजनों ने बताया कि बाहा राजाउलातू स्थित अस्पताल में भर्ती अपनी बहन से मिलकर घर लौट रहा था. घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सुबह सात बजे से 10 बजे तक रांची-टाटा रोड जाम कर दिया. जाम से सड़क के दोनों ओर चार किमी तक वाहनों की कतारलग गई. पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, प्रमुख आशा कच्छप, जिला परिषद सदस्य रीता होरो और कांग्रेस नेता माधो कच्छप घटनास्थल पर पहुंचेऔर आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया.

उग्रवादी संगठन ने पर्चा साटकर लेवी मांगी

अनगड़ा। पीएलएफलाई उग्रवादियों ने गोंदलीपोखर स्थित अनगड़ा-रांची फोरलेन रोड का निर्माण करा रही कंपनी श्रीराम कंस्ट्रक्शन की साइट पर पर्चा साटकर लेवी की मांग की. घटना 26 अगस्त रात की है. पोस्टर में धमकी दी गई है कि जबतक लेवी का भुगतान नहीं किया जाता है काम बंद रखेंगे. जबरन काम करने पर फौजी कार्रवाई की जाएगी. वहीं अनगड़ा थाना प्रभारी हीरालाल साह ने बताया कि असामाजिक तत्वों ने पोस्टरबाजी कर दहशत फैलाने का प्रयास किया है. कुछ संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की जा रही है. कंपनी ने आवेदन दिया है उस आवेदन पर वरीय अधिकारियों के साथ बात कर कार्रवाई की जा रही है और पोस्टर हटवा दिया गाय है.

हाथियों के झुंड ने धान के खेत में फसल को रौंदा

सोनाहातू। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र के दुलमी पंचायत के गाडाड़ीह गांव (तमाड़ रेंज) में बीती रात को 30-35 की संख्या में आये हाथियों के झुंड ने लहलहाते धान के खेत में जमकर उत्पात मचाया है. गांव के बुद्धेश्वर महतो, चेतन महतो, दीपक कुमार महतो, मुकेश कुमार महतो, मृत्युंजय महतो, बांकाराम महतो, भोजूराम महतो, रहीम चंद्र महतो के करीब 5 एकड़ में लगे लहलहाते धान के फसल को पूरी तरह पैरों तले कुचलकर बर्बाद कर दिया. किसान प्रतिदिन हाथियों के उत्पात से काफी परेशान हैं. इस क्षेत्र में प्रतिदिन किसी न किसी गांव में जंगली हाथियों के द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग के अधिकारी हड़ताल में होने के कारण हम लोग आखिर आवेदन दें तो किसको दें.. किसके पास जायें... ऐसे में हाथियों से सुरक्षा कौन दिलाएगा? हाथी भगाने का एकमात्र साधन पटाखा, मशाल, टार्च है आखिर ये सब कौन उपलब्ध करायेगा.? क्योंकि वनविभाग के कर्मचारी हड़ताल में हैं.

रेल महाप्रबंधक ने रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

सिल्ली/मुरी। दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक बुधवार के दिन निरीक्षण के लिए अपने विशेष सैलून से मुरी स्टेशन पहुंचे. उनके पहुंचते हैं मंडल के अधिकारियों द्वारा गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया. तत्पश्चात उन्होंने रेलवे रनिंग रूम, क्रु लोवी, ईएसआई बिल्डिंग मे तकनीकी मशीनों का गहन निरीक्षण किया एवं साथ ही साथ स्टेशन में चल रहे अमृत भारत स्कीम के तहत हो रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक जसविंदर सिंह बिंद्रा भी मौजूद रहे. विभिन्न कार्यालयों एवं स्टेशन की साफ सफाई को देखकर काफी संतुष्ट हुए. मौके पर मंडल स्तर के शाखा पदाधिकारी एवं मुरी स्टेशन प्रबंधक राकेश कुमार, सीसीआई एस रक्षित, हटिया सीसीआई धीरेंद्र कुमार समेत विभिन्न विभागों के इंचार्ज मौके पर मौजूद थे .

49 दिवसीय जूट हैंडीक्राफ्ट प्रशिक्षण का शुभारंभ

चान्हो। चान्हो प्रखंड के तरंगा पंचायत में जूट हैंडीक्राफ्ट प्रशिक्षण का उद्घाटन प्रमुख श्रीमती होलिका देवी एवं जिप सदस्य आसुतोष तिवारी ने संयुक्त रूप से किया. होलिका देवी मुख्य अतिथि ने कहा की प्रशिक्षण के पश्चात बैंक से लोन प्राप्त कर रोजगार लेने में सहयोग किया जायगा. आसुतोष तिवारी सदस्य जिला परिषद ने कहा की प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए जुट को अपनाना हैँ इस अवसर पर तरंगा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शिबरा उराव, समाज सेवी राम सेवक साहू, डॉ. अनिल कुमार साहू के साथ 40 महिलाएं उपस्थित थी.

इंडिकेटर पोल से टकराई बाइक, फुटबॉलर की मौत

संवाददाता। लापुंग

लापुंग थाना क्षेत्र केसरसा जंगल के समीप मंगलवार की रात सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार फुटबॉल खिलाड़ी अजय खलखो की मौत हो गई . मृतक अजय खलखो पिता स्व फिलिप खलखो डुरु खटंगा निवासी बताया जा रहा है. लेकिन अजय खलखो बचपन से ही नगड़ी मुंडा टोली में अपने मामा के घर में ही रहता था. बुधवार की सुबह पांच बजे देर से मिली खबर के बाद ककरिया पिकेट की पुलिस एवं लापुंग के सब इंस्पेक्टर राजेन्द्र महतो घटनास्थल मौके पर पहुंचे . शव का पंचनामा कर उसे अपने कब्जे में ले लिया. मृतक अजय के रिश्तेदारों ने बताया कि अजय खलखो के पिता गायब हो गए थे उनके निधन के बाद उनकी मां रांची में दाई का काम कर अपने बेटे और दो बेटियों को पढ़ा रहीं थी. अजय खलखो करमचंद भगत महाविद्यालय में बीए फाइनल ईयर का छात्र था. मंगलवार को अजय खलखो भरनो प्रखंड के डुड़िया जिरहुल गांव में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में मुंडा टोली नगड़ी की टीम की ओर से खेलने गया था. देर शाम वह वापस लौटा और रात 9:30 बजे अपनी नई बाईक टीवीएस से अपने घर लापुंग के खटंगा लौट रहा था.

राजा पीटर ने एसडीओ को मांग पत्र सौंपा

संवाददाता। बुंडू

पूर्व विधायक और मंत्री राजा पीटर ने अपने समर्थकों के साथ 31 किमी पदयात्रा कर एसडीओ को मांग पत्र सौंपा. इससे पूर्व अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बिरसा विकास समिति के बैनर तले बुधवार को तमाड़ के भुईयाडीह स्थित निर्मल महतो चौक से तमाड़ होकर 31 किलोमीटर की पदयात्रा कर महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम प्रेरित 31 सूत्री एक एक ज्ञापन अनुमंडल पदाधिकारी की अनुपस्थिति में कार्यपालक दंडाधिकारी अंजली मेहता को सौंपा. इसके उपरांत मौसी बाड़ी मैदान में उन्होंने एक सभा भी किया. जिसमें कांची नहर के सलगाडीह ,उलीलोहर और इधर राउता बाजार तक के जर्जर सड़क की अविलंब मरम्मत कराने, नामकुम कान्ड्रा रेल लाइन का निर्माण जल्द कराने, बुंडू तमाड़ अड़की के 50 से ज्यादा खराब पड़े ट्रांसफरमरों अविलम्ब मरम्मत कराने आदि मांगे प्रमुख है. पदयात्रा के दौरान उनके साथ राजा पीटर की पत्नी आरती देवी, तमाड़ विधानसभा प्रभारी प्रदीपमहतो उर्फ रौशन, कौशिक चक्रवर्ती, संतोष जायसवाल इस्तेमाल सैकड़ो कार्यकर्ता उनके साथ मौजूद थे.

अस्त्र-शास्त्र कर्तव्य प्रतियोगिता का फीता काटकर उद्घाटन करते सदर सईम हुसैन.

चेहल्लुम शांति और भाईचारा होगी तभी गांव में विकास होगा : विधायक

चेहल्लुम आपसी एकता व भाईचारे का प्रतीक : सईम हुसैन

संवाददाता। बेड़ो

मातम का पर्व चेहल्लुम आपसी एकता और भाईचारे का प्रतीक है. उक्त बातें बेड़ो प्रखंड के हाठु गांव में आयोजित इस्लामिया कमेटी चेहल्लुम के तत्वाधान में आयोजित जुलूस सह अस्त्र-शास्त्र प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए सदर सईम हुसैन ने कहीं. उन्होंने कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को अंग वस्त्र और तलवार भेंट कर सम्मानित किया. इस दौरान सईम हुसैन ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन व उनके साथ कर्बला में शहीद होने वाले 72 शहीदों की शहादत की याद में चेहल्लुम अकीदत व परंपरागत तरीके से मनाया गया. इस दौरान जुलूस सह अस्त्र-शास्त्र प्रतियोगिता में भाग लिए टीमों के बीच पुरस्कार का वितरण किया गया.इस मौके पर शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सभी पर्व एवं त्यौहार को शांतिपूर्ण तरीके से मिलजुल कर मनाने की जरूरत है. समाज में शांति और भाईचारा होगी तभी गांव में विकास होगा. कार्यक्रम को सफल बनाने में सदर सइम हुसैन, नईम हुसैन अनवर हुसैन, जसशेद हुसैन, पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, उप मुखिया, बेरोनिका कच्छप, मंटा खान, फरीद मिरदहा, तबरेज हुसैन, सद्दाम हुसैन, आशिक हुसैन, सम्मु अली, खुदिया पहान, पुजार रंथू मुंडा, गुमिया मुंड़ा समेत कई लोगों ने सराहनीय भूमिका निभाई.

अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का फीता काटकर उद्घाटन करते सदर सईम हुसैन.

अंतर क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता शुरू

संवाददाता। डकरा

एनके एरिया क्षेत्र में दो दिवसीय सीसीएल अंतर क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का उद्घाटन का एरिया के महाप्रबंधक सुजीत कुमार ने बुधवार को मां सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से आपसी सौहार्द, भाईचारा व मिल्लत का वातावरण कायम होता है. प्रतियोगिता में भजन एव गजल गायन में सीसीसी क्षेत्र एनके एरिया, पिपरवार, राजहरा, बीएंडके, बरकाकाना, ढोरी, हजारीबाग, कथारा की टीमों ने भाग लिया. सांस्कृतिक कार्यक्रम में जज के रूप में खलारी डीएवी स्कूल संगीत टीचर अमित मिश्रा और आशी दास मौजूद रहे. पूरे कार्यक्रम पर संचालन अशोक कुमार सिंह ने किया. प्रतियोगिता का समापन समारोह के मुख्य अतिथि सीसीएल के निदेशक कार्मिक हर्षनाथ मिश्र होंगे. कार्यक्रम में सीसीएल के खेल अधिकारी आदिल हुसैन, कार्मिक अधिकारी ज्योति कुमार, एरिया सेफ्टी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद, लोकनाथ राणा, नवनीत शेखर, यूनियन प्रतिनिधि मिथिलेश कुमार सिंह, डीपी सिंह, अमर भूषण सिंह, सुनील कुमार सिंह, शैलेश कुमार, सहित बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी मौजूद थे.

पहल : ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल ने की लकी लक्ष्मी महोत्सव की घोषणा

अब चमकेगी रांची की किस्मत, मिलेंगे करोड़ों के इनाम

संवाददाता। रांची

पुनर्निर्मित प्रारूप में किया जाएगा लकी लक्ष्मी महोत्सव का आयोजन.

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल ने अपने पुनर्निर्मित प्रारूप में लकी लक्ष्मी महोत्सव का शुभारंभ करने की घोषणा कर दी है, जिसका थीम है ''गेट ब्लेस्ड, बी लकी. रांची के प्रमुख स्थानों पर आयोजित होने वाला यह महोत्सव एक नया और समृद्ध अनुभव देने का वादा करता है, जिसमें पिछले वर्षों की मूल्यवान प्रतिक्रिया को समाहित किया गया है.

यह आयोजन आभूषण विक्रेताओं को उपभोक्ताओं के साथ सीधे संवाद करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है, जिसमें आधुनिक और पारंपरिक तत्वों का समन्वय करते हुए नए डिजाइन और उत्कृष्ट शिल्पकला का प्रदर्शन किया जाएगा. लकी लक्ष्मी महोत्सव का उद्देश्य भारतीय आभूषण उद्योग को पुनर्जीवित करना और प्रतिभागियों के लिए अपार अवसरों और सौभाग्य का द्वार खोलना है. आकर्षक इनामों, रोमांचक प्रतियोगिताओं और विभिन्न गतिविधियों के साथ, यह महोत्सव खुदरा विक्रेताओं की दृश्यता बढ़ाने, बिक्री को प्रोत्साहित करने और उद्योग को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक होगा.

लकी लक्ष्मी महोत्सव ग्राहकों को गारंटीकृत उपहार जीतने और समय-समय पर, साप्ताहिक और बम्पर इनाम ड्रॉ में भाग लेने के कई मौके प्रदान करता है. लगभग 10 करोड़ रुपये के इनामों के साथ, यह महोत्सव विभिन्न विज्ञापन और विपणन चैनलों के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित किया जाएगा ताकि भाग लेने वाले स्टोर्स में भारी भीड़ आकर्षित की जा सके. ज्वेलर्स भी अर्ली बर्ड लाभ और अन्य रोमांचक सरप्राइज का लाभ उठा सकते हैं. ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन, सैय्यम मेहरा ने इस नए प्रारूप के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, हम लकी लक्ष्मी महोत्सव को उसके नए और उन्नत रूप में प्रस्तुत करते हुए बेहद खुश हैं. महत्वपूर्ण फीडबैक के आधार पर, हमने इस साल के आयोजन को और भी रोमांचक और पुरस्कृत बनाने के लिए कई नए तत्व जोड़े हैं. हम रांची के ज्वेलरी मार्केट और उसके आगे के क्षेत्रों में इस महोत्सव के प्रभाव को देखने के लिए उत्सुक हैं.

सीजीसी के डायरेक्टर और लकी लक्ष्मी महोत्सव के संयोजक, कमल सिंघानिया ने कहा, इस साल का महोत्सव ग्राहकों और ज्वेलर्स दोनों के लिए नए उत्साह और अवसर लेकर आया है. हमारे उन्नत ऑफ़र और इनामों की विविधता के साथ, हम समृद्धि और सफलता का भव्य तरीके से जश्न मनाना चाहते हैं. हम सभी को आमंत्रित करते हैं कि वे लकी लक्ष्मी महोत्सव में भाग लें और इसका भरपूर लाभ उठाएं. लकी लक्ष्मी के संयुक्त संयोजक, मनोज झा ने कहा, लकी लक्ष्मी महोत्सव हमेशा से आभूषण उद्योग में उत्सव और सफलता का प्रतीक रहा है, यह इस समय की आवश्यकता है क्योंकि इसका उद्देश्य छोटे, मध्यम और बड़े ज्वेलर्स को एक मंच पर एकत्र करना है, जिससे वे सामूहिक रूप से लाभान्वित हो सकें और आभूषण उद्योग में एक क्रांतिकारी परिवर्तन की शुरुआत कर सकें. हमें विश्वास है कि यह महोत्सव न केवल हमारे ग्राहकों को प्रसन्न करेगा बल्कि भाग लेने वाले ज्वेलर्स के लिए भी महत्वपूर्ण वृद्धि को प्रेरित करेगा.

सीजीसी के बारे में ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल एक राष्ट्रीय व्यापार संगठन है, जो ज्वेलरी उद्योग के हितों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है. 19 साल पहले स्थापित, सीजीसी सरकार और व्यापार के बीच एक पुल का काम करता है, उद्योग के विकास को बढ़ावा देने और इसके हितों की रक्षा के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को अपनाता है.

अपनी मांगों को लेकर मुखिया ने राजभवन पर किया प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

पांच सूत्री मांग को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों ने राजभवन के समक्ष धरना दिया.

पांच सूत्री मांग को लेकर राज्य के पंचायत प्रतिनिधियों ने राजभवन के समक्ष मंगलवार से बेमियादी धऱना शुरू कर दिया है. उनके हड़ताल पर जाने से गांवों का विकास पूरी तरह से चरमरा गया है. मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव ने कहा कि राज्य सरकार मुखिया पर ध्यान नही दे रही है.आने वाले विधानसभा चुनाव मे वोट से चोट पहुंचाने का काम करेंगे. पूरे राज्य मे 4043 मुखिया की संख्या है. जो गांव का विकास करने मे अहम योगदान निभाता है. लेकिन राज्य की विडंबना कहें कि 15 साल से 25 सौ मासिक वेतन पर सभी मुखिया पंचायत मे काम कर रहे हैं. समाज का नेतृत्व कर रहे हैं. पंचायतों में विधायक और सांसद विकास करना नही चाहते हैं. 15वें वित आयोग के पैसे से सभी मुखिया गांव का विकास करते हैं. लेकिन मुखिया के बजट का पैसा काट कर पंचायत समिति औऱ पंचायत जिला परिषद को दे दी जा रही है.

मुखिया दीपक बड़ाईक ने कहा कि सरकार ने मुखिया को मुंशी बना कर रखा है. कम पैसे से रोड, नाली ही बनवा रही है. मांडर प्रखंड के सरवा पंचायत के मुखिया प्रभा किस्पोटा पर वित्तीय अनियमितता का झूठा आरोप लगाया गया है. मुखिया का वित्तीय पावर जब्त किया गया है. जबकि पंचायत विभाग 7 जुलाई 2024 को एक पत्र मुखिया को दिया गया था. जिसमें मुखिया को अपना जवाब/पक्ष देने के लिए 15 दिनों का समय दिया गया था. परन्तु बिना जवाब दिए ही आनन-फानन में उपायुक्त कार्यलय रांची से 9 जुलाई 2024 को एक पत्र सौपा गया.

ये है पांच सूत्री मांग

- राज्य वित्त आयोग का राशि शीघ्र पंचायत को दी जाए.
- पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, प्रमुख, जिलापरिषद की आकस्मिक निधन और दुर्घटना होने पर 30 लाख का मुआवजा की व्यवस्था किया जाए.
- केरल राज्य की तर्ज पर पंचायत मुखिया का मासिक वेतन 30 हजार सुनिश्चित किया जाए.
- मंईयां योजना, आबुआ आवास समेत अन्य सरकारी योजनाओ में जनप्रतिनिधियो के परिवारों को शामिल किया जाए.

ब्रीफ खबरें

बाबा गणिनाथजी की जयंती 7 सितंबर को

रांची । रांची नगर निगम मध्यदेशीय वैश्य विकास समाज के कुल देवता श्रीश्री 108 बाबा गणिनाथजी की जयंती 31 अगस्त को तय थी. समाज के महामंत्री शशिभूषण गुप्ता ने कहा कि समाज के मुख्य संरक्षक बजरंग प्रसाद गुप्ता की धर्म पत्नी सदस्य कौशला देवी का देहांत होने के कारण समाज की बैठक में निर्णय लिया गया कि अब 31 अगस्त की जगह 7 सितंबर को जयंती समारोह का आयोजन बरियातु में बाबा गणिनाथ मंदिर में दिन के 8 बजे से पूजन कार्यक्रम से इसकी शुरूआत की जायेगी.

हरमू मैदान में दिव्य कला मेला आज से

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के हरमू मैदान में 18वां दिव्य कला मेला गुरुवार से शुरू हो रहा है. इसका उद्घाटन केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार करेंगे. 8 सितंबर तक चलने वाले मेले पूरे भारत के दिव्यांग कारीगर और उद्यमी अपनी उद्यमशीलता को प्रदर्शित करेंगे. दिव्य कला मेला का आयोजन भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग कर रहा है. मेला एक शानदार प्रदर्शनी होगी. इसमें जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर राज्यों और कई अन्य राज्यों सहित देश के सभी कोनों से दिव्यांग कारीगरों द्वारा तैयार किए गए विविध उत्पादों को एक साथ प्रदर्शित किया जाएगा.

184 बच्चे पेंशन स्कीम स्पांसर योजना से जुड़े

रांची। झालसा के तत्वावधान में डालसा ने रांची जिला प्रशासन के सहयोग से मेगा लीगल इंपावरमेंट कैंप का आयोजन नामकुम ब्लॉक में किया गया. इसके साथ ही दिव्यांग बच्चों के लिए चलाये जा रहे राज्यस्तरीय 45 दिवसीय विशेष अभियान का समापन हो गया. रांची के सभी 18 ब्लॉक में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया गया था, जिसमें सभी कैंपों को मिलाकर करीब 184 बच्चों को पेंशन स्कीम एवं अन्य योजनाओं से जोड़ा गया. मुख्य अतिथि झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना थी. उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को समान अवसर प्रदान करना सरकार व समाज की जिम्मेदारी है. संत मिखाईल नेत्रहीन विद्यालय के नौ बच्चों के बीच ब्रेल कीट, स्मार्ट केन का वितरण किया गया.

एक सितंबर से लागू होनेवाले प्रीपेड मीटर से लोग चिंतित

स्मार्ट मीटर से आने वाले बिल से शहरवासी परेशान

रांची । रांचीवासियों को स्मार्ट मीटर से अभी राहत नहीं मिली, कि झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के निर्णय के अनुसार 1 सितंबर से रांची में लगे स्मार्ट मीटर प्रीपेड में काम करना शुरू कर देंगे. बिजली की इस नई व्यवस्था से शहरवासी खासे नाराज हैं, उन्होंने कहा कि पहले तो स्मार्ट मीटर से आने वाले अधिक बील से हम लोग परेशान हैं, ऐसे में 1 सितंबर से मीटर प्रीपेट कर दिया जायेगा तो इस पर लोगों से किये गये बातचीत के अंश प्रस्तुत हैं.

आम नागरिकों की राय के बाद प्रीपेड मीटर लगाएं : मो रशीद

हरमू अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष एवं आजाद हिंद नगर मुस्लिम पंचायत के सदर मो रशीद अंसारी ने कहा कि पहले राजभर में जिलों में जनसुनवाई कर आम नागरिक की राय लेने के बाद ही प्रिपेयर्ड प्रक्रिया को लागू करें, क्योंकि स्माट मीट से अधिक बिल आने की वजह से तो लोग पहले से ही परेशान हैं. उसे ठीक करने की जगह पर 1 सितंबर से प्रीपेड मीटर की नई व्यवस्था को लागू करना उचित नहीं है.

प्रीपेड मीटर लागू होने की खबर से लोग काफी परेशान : सगीरुद्दीन

बरियातु निवासी मो सगीरुद्दीन ने कहा कि जब से मालूम चला है कि बिजली की नई व्यवस्था प्रीपेड मीटर लागू होने वाली है. इससे लोग काफी परेशान हैं. उन्होंने कहा कि स्माट मीटर से तो बिल भी बढ़ कर आता है, इस लिये पहले इसे ठीक करने की जरूरत है. ताकि शहर की जनता को बिजली का सही लाभ मिले, उसके बाद ही आगे नई व्यवस्था को लागू करने के बारे में विचार करना चाहिये.

स्मार्ट मीटर में बिल अधिक आता है, प्रीपेड से राहत नहीं : मुकुल

हरमू कॉलोनी निवासी मुकुल वर्मा ने कहा कि स्माट मीटर से आने वाला बिजली बिल बढ़ कर आता है. पूर्व में लगे मीटर से बिल उतना अधिक नहीं आता था, इस लिये पहले बढ़ कर आने वाले बिजली बिल को सुधार करने की जरूरत है, ताकि सभी को इससे राहत मिल सके. और अब प्रीपेड मीटर की व्यवस्था करने से पहले मंथन करने की जरूरत है. क्योंकि बढ़े हुए बिजली बिल से तो लोग पहले से ही परेशान हैं.

प्रीपेड मीटर से गरीबों पर पड़ेगा अधिक असर : बीरू कुमार

बीरू कुमार ने कहा कि पहले तो बिजली की व्यवस्था थी, वह ठीक था, स्माट मीटर लगने के बाद से बिल बढ़ कर आ रहा है, बिजली ऐसी चींज हैं, अब इसकी सभी को आदत हो गई है, यह जीवन का अहम हिस्सा बन गया है, सभी कुछ करे यां ना करें पर अपने घरों में बिजली की आपूर्ति अच्छी जरूर रखते हैं, और ऐसे में प्रीपेड मीटर से सिस्टम से गरीबों को सबसे अधिक परेशाानी होगी.

पहले सभी जगह स्मार्ट मीटर लगाना चाहिए : संतोष कुमार

संतोष कुमार ने कहा कि प्रीपेड मीटर की नई व्यवस्था लागू करना गलत नहीं है, लेकिन अभी तो सभी जगह पर स्माट मीटर लगे भी नहीं हैं, जब सभी जगह स्माट मीटर लगे नहीं हैं, और ऊपर से आने वाला बिल भी बढ़ कर आताा है, तो फिर ऐसे में नई व्यवस्था प्रीपेड मीटर को लाागू करने से क्या शहर की सभी जनता को इसका उचित लाभ मिल पायेगा. इस लिये पहले सभी जगह स्माट मीटर तो पूरी तरह लगा लें.

बचा पैसा भी बिजली बिल में ही चला जाएगा : उमेश कुमार

उमेश कुमार ने कहा कि पूछिये मत स्माट पीटर के बारे में जब से लगा है, अधिक बिल जमा कर परेशान हैं. पहले का पुराना मीटर ही ठीक था, एक परेशानी अभी झेल ही रहें, कि पता चला की 1 सितंबर से प्रीपेड मीटर होने वाला है. यह सुन कर तो काफी चिंता में पड़ गया हूं, कि अब क्या होगा. महंगाई भी उती तरह बढ़ी हुई है, पेट काट कर थोड़ा बहुत जो बचा भी रहें लगता है, बिजली बिल में ही चला जायेगा.

जमशेदपुर के आर्च बिशप तेलेस्फोर बिलुंग बीमार

रांची। आर्च बिशप विन्सेंट आईंद बुधवार को जमशेदपुर बिशप हाऊस पहुंचे. वहां उन्होंने पूर्व आर्च बिशप फेलेक्स टोप्पो और जमशेदपुर के आर्च बिशप तेलेस्फोर बिलुंग से मुलाकात की. दरअसल आर्च बिशप तेलेस्फोर बिलुंग पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे. उनका हालचाल जानने के लिए आर्च बिशप विन्सेंट आइंद जमशेदपुर पहुंचे थे. डॉक्टरों ने तेलेस्फोर बिलुंग को आराम करने की सलाह दी है. वर्तमान में उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है. डॉक्टर ने उन्हें लंबी यात्रा नहीं करने की सलाह दी है. बिशप तेलेस्फोर बिलुंग को आर्च बिशप विसेंट आइंद ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया. साथ ही उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की. वहीं रांची में अच्छा काम करने के लिए पूर्व आर्च बिशप फेलेक्स टोप्पो को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया.

केंद्रीय विद्यालय दीपाटोली में पांच दिनी प्रशिक्षण शिविर शुरू

संवाददाता। रांची

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दीपाटोली में भारत स्काउट एंड गाइड के तहत बुधवार से पांच दिवसीय राज्य पुरस्कार जांच एवं प्रशिक्षण शिविर (बालक संवर्ग) का प्रारंभ केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रांची के तत्वावधान पर हुआ. इसमें रांची संभाग के 29 केंद्रीय विद्यालयों से कुल 148 स्काउट्स, 29 अनुरक्षक एवं 5 ऑफिशियल भाग ले रहें हैं. उद्घाटन केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रांची संभाग के उपायुक्त डीपी पटेल ने किया. उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए आत्मसंयम का महत्व बताया और विभिन्न जीवन कौशल को आत्मसात करने की प्रेरणा दी. उन्होंने मार्टिन लूथर का उदाहरण देते हुए जीवन में हमेशा कठिनाइयों से लड़ने एवं विजय हासिल करने की बात कही. विद्यालय के प्राचार्य दीपंकर सेनापति ने मुख्य अतिथि को स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया. विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया. प्रार्थना एवं झंडा गीत के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ.

मंईयां योजना : रांची डीसी ने कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा, दिये निर्देश

संवाददाता। रांची

रांची के मोरहाबादी मैदान में शुक्रवार को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के प्रमंडलीय स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है. इसको लेकर रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया. डीसी ने कार्यक्रम स्थल में चल रही तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को ससमय पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिया. उन्होंने मंच, वीआईपी लाउंज, लाभुकों के आवागमन, उनके बैठने, खाने-पीने, शौचालय, पार्किंग, ब्रांडिंग आदि व्यवस्था की भी जानकारी ली और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये. डीसी ने अधिकारियों को बारिश को ध्यान में रखकर तैयारी सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो. मौके पर उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, सहायक समाहर्ता सह सहायक दंडाधिकारी आदित्य पांडेय, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार भगत, जिला नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह आदि उपस्थित रहे.

आकलन सफल व प्रशिक्षित सहायक अध्यापकों ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

धरने पर बैठे प्रशिक्षित सहायक अध्यापकों को संबोधित करते वक्ता.

झारखंड राज्य आकलन सफल सह प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ" के द्वारा अपने विभिन्न मांगों को लेकर राजभवन रांची एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया. झारखंड के 24 जिला के आकलन सफल और प्रशिक्षित सहायक अध्यापक ने अपनी हुंकार भरी. झारखंड राज्य आकलन सफल सह प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ " प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत तिवारी ने कहा कि सहायक अध्यापकों के साथ जेएमएम की सरकार छलावा कर रही है. सरकार वार्ता -वार्ता के खेल खेल रही है. इन तमाम बिंदुओं के साथ आकलन सफल और प्रशिक्षण सहायक अध्यापकों के साथ सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है. प्रदेश महासचिव बबलू सिंह ने कहा हम सभी सहायक अध्यापक झारखंड सरकार द्वारा आकलन की कठिन परीक्षा पास करने के उपरांत पूरी योग्यता रखते है और सरकार आसानी से आकलन और टेट में एकरूपता ला सकती है. पर सरकार की इच्छा शक्ति की कमी है.

फैसला : मानदेय में 1000 रुपये की वृद्धि, ईपीएफ मद में पैसा कटेगा, सरकार भी अंशदान देगी

सहायक अध्यापकों का आंदोलन समाप्त

संवाददाता। रांची

वेतनमान के समतुल्य मानदेय समेत कुछ अन्य मांगों को लेकर झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा और शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम के बीच दो-दो समझौता वार्ता विफल होने के बाद तीसरी वार्ता में बात बन गयी. बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई वार्ता में सहायक अध्यापकों ने वर्तमान मानदेय में 1000 रुपये की वृद्धि पर बुझे मन से ही सहमति जतायी. इसके अ़लावा 1800 रुपये ईपीएफ मद में कटेगा. सरकार इसमें 1950 रुपये का अंशदान वहन करेगी. इससे सहायक अध्यापकों के ईपीएफ मद में कुल 3750 रुपये जमा होंगे. इस बात पर भी सहमति बनी कि आकलन उत्तीर्ण सहायक अध्यापकों को जेटेट के समतुल्य लाभ देने का प्रस्ताव विधि विभाग भेजा जाएगा. हालांकि झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के राज्य प्रतिनिधि मो सिद्दीक शेख ने बताया कि सरकार ने वेतनमान व समतुल्य मानदेय पर विचार नहीं किया, जिससे सहायक अध्यापक निराश हैं, लेकिन ईपीएफ मिलना अच्छा प्रयास है. वार्ता में मुख्य रूप से विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह, गिरीडीह सदर के विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, खिजरी के कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप, बरकट्ठा के विधायक अमित यादव,परियोजना निदेशक आदित्य रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद तिग्गा, ममता लकड़ा आदि शामिल थे.

वार्ता में किन-किन बिंदुओं पर बनी सहमति

1. वेतनमान के समतुल्य मानदेय पर विचार नहीं किया गया. हालांकि मानदेय 1000 रुपये बढ़ाने पर सहमित बनी
2. सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 में संशोधन कर आकलन उत्तीर्ण सहायक अध्यापक को जेटेट के समतुल्य लाभ देने को लेकर विधि विभाग से मंतव्य मांगा जाएगा. वहीं सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 में संशोधन कर सीटेट को जेटेट के समतुल्य लाभ दिया जाएगा.
3. ईपीएफ का लाभ सहायक अध्यापक को अगले माह से दिया जाए.गा, 1800 रु सहायक अध्यापक के मानदेय में कटेगा, जबकि 1950 रुपये सरकार वहन करेगी.
4. आकलन परीक्षा से प्रभावित 5,000 सहायक अध्यापक के त्रुटिपूर्ण उत्तर के अंक का निष्पादन कर परीक्षाफल दोबारा प्रकाशित किया जाएगा.
5. अनुकंपा मामले में संशोधन करते हुए अनुबंध स्तरीय पदों पर 30% आरक्षण पारा शिक्षकों के परिजनों को देने पर सहमित बनी.
7. जेटेट परीक्षा में सभी विषयों में उत्तीर्ण होने की बाध्यता समाप्त की जाएगी.
8. कल्याण कोष में सेवानिवृत्त राशि, दुर्घटना बीमा, मेडिकल की सुविधा बहाल करने पर विचार किया जाएगा.

नयी जिंदगी प्लास्टिक सर्जन डॉ विवेक गोस्वामी और उनकी टीम का सफल प्रयास

पारस हॉस्पिटल में मरीज का हाथ कटने से बचाया गया

संवाददाता। रांची

पारस हॉस्पिटल धुर्वा में चिकित्सकों ने गिरिडीह के रहने वाले 50 वर्षीय व्यक्ति का हाथ कटने से बचा लिया. उस व्यक्ति को सोल्डर के पास गोली लगी थी. जब वह व्यक्ति पारस हॉस्पिटल पहुंचा, तब तक बहुत देरी हो चुकी थी. इसके बावजूद पारस हॉस्पिटल के प्लास्टिक सर्जन डॉ विवेक गोस्वामी और उनकी टीम के अथक प्रयास से मरीज के हाथ कटने से बचा लिया. डॉक्टरों के अनुसार इस तरह का केस बहुत ही रेयर होता है, जहां देर होने के बाद भी हाथ काटने की जरूरत नहीं पड़ती है. उस मरीज का ऑपरेशन कर उसे एक नयी जिंदगी दी गयी है. उस मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया है. मरीज का इलाज डॉ विवेक गोस्वामी की देखरेख में चल रहा है.

गोली लगने के कारण हाथ और मांसपेसियां फटी हुई थी : डॉ गोस्वामी ने बताया कि जब मरीज उनके पास आया था, तो उसका हाथ पूरी तरह से क्षतिग्रस्त था. गोली लगने के कारण हाथ और मांसपेसियां भी बुरी तरह फटी हुई थी. रक्त का संचार नहीं था. मरीज ने रांची के तीन बड़े कॉरपोरेट हॉस्पिटल्स ने उसके हाथ काटने की बात कही थी. मरीज ने लगभग 13 घंटे के बाद पारस हॉस्पिटल से संपर्क किया, जहां उनकी सफल सर्जरी की गयी. ऑपरेशन लगभग छह घंटे चला. ऑपरेशन में सभी नसों को जोड़ा गया. खून की नसों को भी जोड़ा गया. मांसपेसियों को नये तरीके से जोड़ा गया.

मरीज को तीन दिन तक स्पेशल तरीके से रखा गया

मरीज को हॉस्पिटल में तीन दिन तक स्पेशल तरीके से रखा गया, ताकि मरीज के हाथों से खून नहीं निकलने लगे. ऑपरेशन के सात दिनों के बाद मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया. मरीज की उंगलिया अभी काम कर रही हैं हमारी टीम अभी इसपर नजर रखे हुए है. डॉ गोस्वामी ने बताया कि ऐसे केस मैंने पारस हॉस्पिटल और अन्य हॉस्पिटल में ऑपरेट किये थे, इसका लाभ मरीज को मिला. छह माह बाद मरीज पूरी तरह से ठीक हो जायेगा. उसका हाथ पूरी तरह से काम करने लगेगा. फैसिलिटी निदेशक डॉ नितेश कुमार ने कहा कि गिरिडीह निवासी मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ है. डॉक्टरों की टीम उस मरीज के स्वास्थ्य की लगातार मॉनिटरिंग कर रही है.

बछवारस व गोवत्स द्वादशी कल गो माता की बछड़े सहित होगी पूजा

- गाय-बछड़े की पूजा करने से गाय में वास करनेवाले सैंकड़ों देवताओं का मिलता है आशीर्वाद : संजय सर्राफ

संवाददाता। रांची

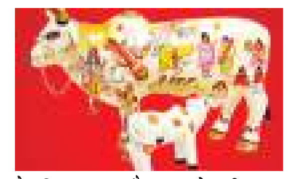

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि राजस्थानी महिलाओं का लोकप्रिय पर्व बछवारस 30 अगस्त को मनाया जाएगा. यह पर्व जन्माष्टमी के चार दिन बाद यानी भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि को मनाया जाता है. इस दिन गो माता की बछड़े सहित पूजा की जाती है. ऐसा माना जाता है कि बछवारस के दिन गाय और बछड़ों की पूजा करने से भगवान कृष्ण सहित गाय में निवास करने वाले सैंकड़ो देवताओं का आशीर्वाद मिलता है, जिससे घर में खुशहाली और संपन्नता आती है. इस दिन माताएं अपने पुत्रों को तिलक लगाकर तलाई फोड़ने के बाद लड्डू का प्रसाद देती हैं. पुत्रवान महिलाएं अपने संतान की मंगल कामना के लिए व्रत रखती हैं और पूजा करती हैं.

सर्राफ के अनुसार, इस दिन गेहूं से बने पकवान एवं कटी हुई सब्जी नहीं खाए जाते हैं. बाजरे या ज्वार का सोगटा और अंकुरित अनाज की कढ़ी व सूखी सब्जी बनाई जाती है, महिलाओं द्वारा सुबह गो माता की विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद घरों मे सामूहिक रूप से बनी मिट्टी व गोबर से बनी तलैया को अच्छी तरह सजाकर उसमें कच्चा दूध, दही, मोठ, कुमकुम, मोली, धूप- दीप प्रज्वलित कर पूजा करती हैं. एक लकड़ी के पाटे पर मिट्टी से बछवारस बनाते हैं और उसमें बीच में एक गोल मिट्टी का बावड़ी बनाते हैं, फिर उसको थोड़ा दूध- दही से भर देते हैं और सब चीज पूजा सामग्री चढ़ाकर पूजा करते हैं और बछवारस की कहानी सुनी जाती है.

राजनीतिक पैटर्न के संदेश

चंपाई सोरेन झारखंड की राजनीति में भाजपा की सत्ता की राह सुगम बना सकेंगे या नहीं, यह तो विधान सभा चुनाव के बाद ही तय होगा, लेकिन चंपाई सोरेन परिघटना ने इतना तो साबित कर ही दिया है कि सत्ता की चाह अनंत है और इसके लिए किसी भी तरह का समझौता कोई भी राजनेता कभी भी कर सकता है. दरअसल चंपाई सोरेन की जो भी पहचान है, वह झारखंड मुक्ति मोर्चा ने ही उन्हें दी है. मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका नाम देश ने सुना. चूंकि पिछले पांच सालों से भाजपा झारखंड की सत्ता से बाहर है और भाजपा पूर्वी भारत में एक आदिवासी ट्रांयगल के लिए सक्रिय है. यानी छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बाद उसे झारखंड की सत्ता भी चाहिए, ताकि वह खनिज, जंगल और आदिवासी पर इन तीनों राज्यों में सत्ता की बागडोर संभाल सके. आदिवासी राजनीति में भाजपा वर्चस्व चाहती है. ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में उसे यह मुकाम हासिल भी है. लेकिन आदिवासी आंदोलनों के गढ़ झारखंड में लोकसभा चुनाव में आदिवासी सुरक्षित सभी क्षेत्रों पर उसे भारी हार का सामना करना पड़ा. इस हार से भाजपा ने जो भी सबक सीखा हो, लेकिन इतना तो कहा ही सकता है, उसे लगता है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को कमजोर किए बगैर सत्ता के लिए उसकी राह आसान नहीं है. भाजपा ने अब तक जिन भी मुद्दों को खड़ा करने का प्रयास किया है, उसमें उसे ज्यादा कामयाबी नहीं मिली है. झारखंड के आदिवासी इलाके उसके लिए एक चुनौती बन कर खड़े हैं. लोकसभा चुनाव के समय भाजपा ने झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के घर में ही सेंध उस समय लगा दिया, जब हेमंत सोरेन जेल में थे. यानी शिबू सोरेन की पुत्रवधू को ही तोड़ कर पार्टी में मिला लिया. बावजूद इसके लोकसभा चुनाव में उसे आदिवासी क्षेत्रों में कामयाबी नहीं मिली. झामुमो की मजबूत दीवार में चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल हो कर दरार डाल पाएंगे या नहीं, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन भाजपा की राजनीति में एक पैटर्न नजर आ रहा है, जिसे रेखांकित करने की जरूरत है. अनेक राज्यों में ऐसे नेताओं को कमान थमा दी गयी है, जो मूलतः भाजपाई नहीं हैं. झारखंड के सह प्रभारी और असम के मुख्य मंत्री हिमंता विश्वसरमा भी इसके प्रमुख प्रतीक हैं. आपरेशन चंपाई सोरेन में उनकी बड़ी भूमिका की चर्चा है. बंगाल में भाजपा की कमान तृणमूल से आए शुवेंदु अधिकारी को दे दी गयी है तो महाराष्ट्र में सहयोगी शिवसैनिक शिंदे को. कुछ अन्य राज्यों में भी इसी तरह के प्रयोग किए गए हैं. इससे जाहिर होता है कि भाजपा के पास राज्य स्तर पर नेताओं की कमी है, जो उसे चुनाव में जीत दिला सके. इसलिए विरोधी दलों के नेताओं को तोड़ कर वह अपने चुनावी अभियान को धार दे रही है. झारखंड के संदर्भ में यह तो कहा ही जा सकता है कि आदिवासी वोटरों के लिए एक नेता से ज्यादा नीति का सवाल प्रमुख रहा है. झारखंडी आदिवासियों के लिए जल, जंगल, जमीन, झारखंडी संस्कृति और पहचान का सवाल प्रमुख है. इसे स्वर देने वाले सियासी समूह ही कुछ अपवादों को छोड़ उनकी पसंद बनते रहे हैं.

> झामुमो की मजबूत दीवार में चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल हो कर दरार डाल पाएंगे या नहीं, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन भाजपा की राजनीति में एक पैटर्न नजर आ रहा है.

सुभाषित

दुर्लभं त्रयमेवैतत् देवानुग्रहहेतुकम्।
मनुष्यत्वं मुमुक्षुत्वं महापुरूषसंश्रयः।।

इस संसार में तीन चीजें बहुत ही दुर्लभ होती हैं और उनकी प्राप्ति बिना परमेश्वर की कृपा के नहीं हो सकती. उन दुर्लभ चीजों में पहला है मनुष्य के रूप में जन्म. दूसरा है मुक्ति की इच्छा और तीसरा है महापुरुषों की संगति. इन तीनों की प्राप्ति के लिए ईश्वर की कृपा आवश्यक है.

लोकतंत्र के रोशनदान की तलाश जारी

विपक्ष मुक्त भारत के 'संकल्प' के साथ सत्ता में सक्रिय राजनीतिक पार्टी ने लोकतंत्र की राजनीतिक परिस्थिति को अ-सामान्य बना दिया है. न सिर्फ विपक्ष के प्रति बल्कि अ-सहमत नागरिकों के प्रति भी सरकार दुश्मनी का व्यवहार करने पर आमादा रहने लगी है. नागरिकों के एक हिस्से को दूसरे हिस्से से लड़ाने-भिड़ाने की चतुराई में लगी रही है. आंदोलनों से निपटने में तो इस चतुराई से सरकार ने कुछ अधिक ही काम लेना शुरू कर दिया है.

• देश-काल

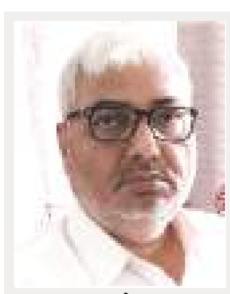

प्रफुल्ल कोलख्यान

हिफाजत और हिरासत में क्या फर्क है! हिरासत में हिफाजत करना हिरासत में लेनेवाली शक्ति का दायित्व होता है. व्यक्ति की हिरासती क्षति लोकतंत्र का कलंक होती है. यहां तक तो बात सीधी और सरल है. लेकिन इसे थोड़ा-बहुत हिला-डुलाकर देखना जरूरी है. सवाल यह है कि हिफाजत के नाम पर व्यक्ति कि गतिविधि की करीबी नजरदारी का इंतजाम करने की शासकीय नीयत हो सकती है क्या? सामान्य रूप से मन में ऐसा सवाल उठना सही नहीं है. लेकिन जब परिस्थिति, राजनीतिक परिस्थिति सामान्य न हो तो ऐसा सवाल उठना ही स्वाभाविक है. सामान्य लोकतांत्रिक संरचना में सरकार और प्रतिपक्ष नागरिक व्यवस्था के दो पहलू होते हैं. ये पहलू एक दूसरे को आईना दिखाने के खेल में लगे रहते हैं. कभी-कभी एक दूसरे को चौंधिया भी दिया करते हैं. आईना देखने-दिखाने का काम अंधेरे में नहीं हो सकता है. कहने का आशय यह है कि लोकतांत्रिक राजनीति चलती रहे, इसके लिए राजनीति में रोशनी की हिफाजत करने का दायित्व सरकार और विपक्ष दोनों का होता है. लोकतंत्र की रोशनी में आम नागरिकों के जीवन का कारोबार चलता रहता है. रोशनी की हिफाजत के इसी दायित्व से बंधे होने के कारण सरकार और विपक्ष सामान्य राजनीतिक परिस्थिति में एक दूसरे के दुश्मन नहीं हो जाते हैं.

विपक्ष मुक्त भारत के 'संकल्प' के साथ सत्ता में सक्रिय राजनीतिक पार्टी ने लोकतंत्र की राजनीतिक परिस्थिति को अ-सामान्य बना दिया है. न सिर्फ विपक्ष के प्रति बल्कि अ-सहमत नागरिकों के प्रति भी सरकार दुश्मनी का व्यवहार करने पर आमादा रहने लगी है. नागरिकों के एक हिस्से को दूसरे हिस्से से लड़ाने-भिड़ाने की चतुराई में लगी रही है. आंदोलनों से निपटने में तो इस चतुराई से सरकार ने कुछ अधिक ही काम लेना शुरू कर दिया है.

'स्थाई बहुमत' के जुगाड़ के लिए जन-समूह में काल्पनिक वृतांत फैलाकर नागरिक समाज के ही एक हिस्से को 'स्थाई दुश्मन' के रूप में पेश किये जाने की आम शासकीय प्रवृत्ति विकसित कर ली गई है. यह सच है कि नागरिक समाज के विभिन्न जन-समूह में हित-भिन्नता का होना बहुत साधारण और स्वाभाविक बात है. शासक का तो मौलिक कर्तव्य होता है कि हित-भिन्नता के कारण पैदा होनेवाले अ-संतुलन को समाप्त नहीं भी तो, नियंत्रित कर पारस्परिक भरोसा और कम-से-कम कामचलाऊ संतुलन बहाल करे. लेकिन सत्ताधारी दल और उस के राजनीतिक कार्यकर्ताओं की दिलचस्पी समुदायों की हित-भिन्नताओं को पारस्परिक टकराव बढ़ाने में ही दिखती रही है. हित-भिन्नताओं में टकराव की ही बात क्या!

ऐसा लगता है कि विपक्ष के नेताओं, असहमत नागरिकों, विभिन्न क्षेत्र के व्यवसायियों आदि को 'खामोश करने' इलेक्ट्रॉल बांड से धन बटोरने, विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण को तहस-नहस करने, पेपरलीक के मामलों को दबाने, रोजी-रोजगार के अवसरों को समाप्त करने, रह-रहकर हर बात में हिंदू-मुसलमान, 'हिंदुस्तान-पाकिस्तान' के मुद्दे भड़काने को राजनीतिक आयुध बनाकर राजनीतिक कार्यकर्ताओं को हांकने के अलावा सत्ताधारी दल के नेताओं के पास कोई काम ही नहीं बचा है. एक तरफ यह सब निर्बाध चलता रहा तो दूसरी तरफ प्रभु अवतारी हो गये!

अपने घर में आग लगाकर आग की परीक्षा लेना कहां की बुद्धिमत्ता है! जून 2022 में 'अग्निवीर' जवानों की भर्ती के लिए 'अग्निपथ योजना' शुरू की गई. सेना में जवानों की भर्ती के लिए 'अग्निपथ योजना' किस की बुद्धिमत्ता से निकली थी! कुछ भी कहना मुश्किल है. परदे के पीछे किसी मुनाफा प्रेमी कॉरपोरेट-गुरु की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है. आम चुनाव के परिणाम प्रकट होने के ठीक पहले तक 'वास्तविक' चुनावी सर्वेक्षणों के काल्पनिक नतीजों से मुदित रहे. नेता प्रतिपक्ष सड़क से संसद तक अन्य मुद्दों के साथ-साथ 'अग्निपथ योजना' पर सवाल उठाते रहे हैं. अब, जबकि नरेंद्र मोदी घटक दलों के समर्थन से ही सही तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गये हैं, देश उम्मीद करता है कि वे और उनकी सरकार 'अग्निपथ योजना' पर फिर से विचार करने से नहीं हिचकेगी. हालांकि अपनी 'सांस्कृतिक जिद' के चलते वे देश की उम्मीदों पर खरे उतरने की कोशिश करते हुए बहुत नहीं दिखे हैं.

ऐसा ही मामला जातिवार जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण का है. कई कारणों से जातिवार जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण सामाजिक और आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने की योजना बनाने और लोकतांत्रिक भागीदारी की सफलता की दृष्टि से भी अति-महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामला है. इस मुद्दे को भी 'न्याय योद्धा' सड़क से संसद तक बहुत ही शिद्दत से लगातार उठाते रहे हैं. लेकिन सरकार लगातार इस मुद्दे पर कन्नी काटती रही है. पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को राहुल गांधी की आवाज में दम दिखता है. असल में अब भारत की लोकतांत्रिक राजनीति को सिर्फ राजनीतिक नेताओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है. भारत के लोकतंत्र में असंगत और विचित्र स्थिति बन गई है. ऐसा लगता है कि नेताओं के राजनीतिक हित और आम जनता के नागरिक हित को लगभग एक दूसरे के विरुद्ध 'युद्ध के मैदान' में खड़ा कर दिया गया है. विभिन्न तरह के राजनीतिक चक्रव्यूहों और लोकतांत्रिक व्यूहों में फंसे नागरिक समाज को सावधानी से लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा करना ही होगा. जी, भरोसा क्षरण के इस युग में भरोसा को बचाने की अधिकतम कोशिश भी नागरिक समाज का प्रमुख दायित्व है. नागरिक समाज के इस प्रमुख दायित्व के महत्व को राजनीतिक कार्यकर्ता समझें या न समझें, सामाजिक कार्यकर्ताओं को जरूर समझना होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | ओशो

सत्य का निर्माण नहीं होता

बाहर-बाहर की खोज से सत्य नहीं मिल सकता. सत्य है भीतर और भीतर का जो डायमेंशन है, भीतर का जो आयाम है वह जो आंतरिक है, वह जो इनवर्ट है, वहां विज्ञान की कोई गति नहीं, क्योंकि विज्ञान का मतलब ही यह है कि जो बाहर है, उसे खोजने की व्यवस्था. इसलिए विज्ञान सत्य को न खोज सका, लेकिन विज्ञान की शक्ति की खोज ने हमें बहुत मुश्किल में डाल दिया है. हमें ऐसा लगता है कि विज्ञान के पास खोजने के सब आयाम उपलब्ध हो गए. इसलिए भीतर के आयाम की बात ही मंदी और धीमी हो गई है. इसलिए पिछले हजार वर्षों में बुद्ध और महावीर और क्राइस्ट के हैसियत के लोग पैदा नहीं किए जा सके. क्योंकि वे भीतर की आयाम की यात्रा में पैदा होते थे. इनर डायमेंशन की खोज में जो लोग जाते थे, वहां पैदा होते थे. इसलिए पिछले तीन सौ वर्षों में मनुष्य की प्रतिभा ने आइंस्टीन पैदा किया, न्यूटन पैदा किया प्लांक पैदा किया और और तरह के लोग पैदा किए जो बाहर की खोज की यात्रा पर मिली हुई प्रतिभा के चरण हैं. लेकिन भीतर की खोज की प्रतिभा जो थी उसके चरण पिछले निरंतर हजार वर्षों में क्षीण होते चले गए. धीरे-धीरे हमें ऐसा लगा विज्ञान से सब मिल जाएगा. इसलिए भीतर की बात ही फिजूल है. बाहर ही सब मिल जाएगा. विज्ञान राबिया की भूल कर रहा है. और आज नहीं कल विज्ञान पर सारी दुनिया वैसे ही हंसेगी जैसे राबिया पर उस दिन उस गांव के लोग हंसे और उन्होंने कहा, पागल! अगर भीतर खोया है तो भीतर ही खोजना पड़ेगा. रोशनी बाहर होने से कुछ भी नहीं होता. सूरज और चांद और तारे और रौशनी बहुत हैं. बाहर प्रकृति की शक्तियां हैं. बहुत बाहर परमात्मा का फैलाव है, बहुत बाहर. लेकिन सत्य का पहला अनुभव भीतर ही होता है. ये भीतर पहला पहलू है सत्य का. इनवर्टनेस सत्य की पहली क्वालिटी. सत्य का पहला लक्षण और पहला गुण भीतरी होना है. सत्य की तरफ एक दूसरी तरफ से भी हम सोचें. मनुष्य बहुत कुछ निर्माण कर सकता है. लेकिन सत्य निर्माण नहीं कर सकता. क्योंकि सत्य को निर्मित करने का कोई उपाय नहीं है. सत्य वह है जो है ही. मनुष्य जो भी निर्माण करेगा वह एक अर्थ में असत्य होगा. वह इस अर्थ में असत्य होगा, क्योंकि वह निर्मित है, क्रिएटेड है, बनाया गया है. सत्य वह है जो अन-क्रिएटेड है, बनाया नहीं गया, है. इजनेस जिसका गुण है, होना जिसका गुण है, जो है. जब सब बनाई गई चीजें नहीं थीं तब भी था और जब सब बनाई गई चीजें मिट जाएंगी तब भी होगा.

रहस्य को सुलझाने की तलाश में वैज्ञानिक

• विज्ञान

डा. नवनीत नव

एक और सिद्धांत है जिसका नाम है एक्पायरोटिक यूनिवर्स. इस थ्योरी के अनुसार बिग बैंग शुरुआत नहीं थी. बल्कि या किन्हीं दो उच्चतर आयामी कॉस्मिक फैब्रिक परतों के आपस में टकराने का नतीजा था. जैसे एक परत थी हमारे यूनिवर्स की और उसके साथ इंटरेक्शन हुआ एक अन्य आयामी परत के साथ और इसके साथ ही त्रिआयामी स्पेस और चौथा आयाम समय अस्तित्व में आया. इस थ्योरी का नाम ग्रीक शब्द एक्पायरसिस से बनाया गया है, जिसका अर्थ होता है दावानल यानी भीषण अग्नि जो सबकुछ नष्ट कर देती है. यानी दो उच्चतर आयामी कॉस्मिक परतों के भीषण टकराव से यूनिवर्स का जन्म हुआ. तो ये कुछ थ्योरीज हैं जो बिग बैंग के पहले की घटनाओं का अनुमान लगाने की कोशिश करती हैं. इन सबमें एक बात कॉमन है. वह है सिंगुलैरिटी. बिग बैंग से पहले जो भी हुआ हो, सिंगुलैरिटी तो जरूर रही होगी. ऐसा अधिकतर वैज्ञानिकों का मानना है. सिंगुलैरिटी में घनत्व और ऊर्जा असीमित होते हैं और इसलिए यहां भौतिकी के सभी नियम उलट पलट हो जाते हैं, बिखर जाते हैं. हमारा आज का वैज्ञानिक ज्ञान भौतिकी के उन्हीं नियमों पर आधारित है जिन्हें हम अभी समझते हैं. इनके आधार पर हम बिग बैंग से पहले की सिंगुलैरिटी को समझने की कोशिश करेंगे तो वह ऐसे ही होगा जैसे कंप्यूटर का ईजाद हुए बिना हम इंटरनेट को समझने की कोशिश करते. अब कुछ वैज्ञानिकों का तो यहां तक मानना है कि बिग बैंग से पहले की बात करना ही बेमानी है. क्योंकि अगर समय की शुरुआत ही बिग बैंग से हुई है तो समय से "पहले" का तो कोई सवाल ही नहीं उठता. जैसे हम उत्तरी ध्रुव पर खड़े होकर पूछें कि उत्तरी ध्रुव के उत्तर में क्या है? हमारी आज की समझ के हिसाब से तो यह सवाल ही नहीं बनता. ब्रायन कॉक्स एक ब्रिटिश भौतिकविद हैं. इनका मानना है कि बिग बैंग असल में एक नये यूनिवर्स की शुरुआत नहीं थी. बल्कि यह एक ट्रांसफॉर्मेशन यानी बदलाव था किसी पुराने अस्तित्व में. ऐसा अस्तित्व या फ्रेमवर्क जो अभी हम समझ नहीं पाये हैं. बिग बैंग से इस यूनिवर्स का तो पता चलता है, लेकिन यह थ्योरी संपूर्ण अस्तित्व को परिभाषित नहीं करती. स्टीफन हॉकिंग और जेम्स हार्टल ने और प्रस्ताव दिया था जिसे नो बांउडरी कनेंक्सन या हर्टल-हवाकिंग स्टेट कहा जाता है. इस थ्योरी के अनुसार यूनिवर्स की कोई सीमा रेखा या एज नहीं है. स्पेस टाइम खुद ही सिंगुलैरिटी से उत्पन्न हुआ है. इसलिए बिग बैंग से ₹पहले₹ का सवाल बेमानी है. नील डिग्रास टायसन किसी एक थ्योरी का समर्थन नहीं करते. उनके अनुसार हमें इस बारे में लगातार जानने की समझने की कोशिश करते रहना चाहिए. हमारे पास बहुत से आइडियाज हैं, लेकिन कोई सही जवाब अभी दूर की कौड़ी है. ब्रायन ग्रीन मल्टीवर्स थ्योरी के समर्थक हैं. उनके अनुसार बहुत सारे अलग अलग यूनिवर्स के बुलबुले हैं, जिनके अपने नियम हैं.लॉरेंस क्रॉस के अनुसार यूनिवर्स क्वांटम फ्लक्चुएशंस का नतीजा है. वह कहते हैं कि बिग बैंग से पहले "कुछ नहीं" था. लेकिन यह "कुछ नहीं" ही असल में क्वांटम फ्लक्चुएशंस हैं. क्वांटम मैकेनिक्स में "कुछ नहीं" का मतलब अस्तित्वहीनता नहीं होता, बल्कि यह एक क्वांटम अवस्था होती है.तो बिग बैंग से पहले क्या था? सवाल अभी भी वही है. हमने इतनी बड़ी पोस्ट भी पढ़ ली. और कोई सही जवाब भी नहीं मिला. सही पूछें तो जवाब है भी नहीं. कम से कम अभी तक तो नहीं है. जैसे डार्क मैटर और डार्क एनर्जी क्या हैं? हमारे पास इसका अभी कोई जवाब नहीं है. यूनिवर्स में बहुत से ऐसे रहस्य हैं जिनका कोई सेंस नहीं है. नील डिग्रास टायसन के शब्दों में कहें तो यूनिवर्स को हमारे लिए सेंस बनाने की कोई जबरदस्ती भी नहीं है. यह हमारे हाथ में नहीं है कि यूनिवर्स किस प्रकार व्यवहार करता है. लेकिन एक चीज पर हमारा नियंत्रण जरूर है. वह है हमारी जिज्ञासा और समझने व सीखने की हमारी इच्छा. आखिर यही चीज है जो हमें इंसान बनाती है. ऑफकोर्स उत्पादक गतिविधियों में शामिल होना भी हमारे इंसान होने का एक कारण है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> हमारा आज का वैज्ञानिक ज्ञान भौतिकी के उन्हीं नियमों पर आधारित है जिन्हें हम अभी समझते हैं. इनके आधार पर हम बिग बैंग से पहले की सिंगुलैरिटी को समझने की कोशिश करेंगे तो वह ऐसे ही होगा जैसे कंप्यूटर का ईजाद हुए बिना हम इंटरनेट को समझने की कोशिश करते. अब कुछ वैज्ञानिकों का तो यहां तक मानना है कि बिग बैंग से पहले की बात करना ही बेमानी है.

बंधक बना करवाई जा रही साइबर ठगी

• अपराध

पुष्परंजन

"पापा, मैं कंबोडिया में हूं, मैं चीन के अंदर नहीं हूं," युवक ने आंसू बहाते हुए कहा. उसकी आवाज़ टूट रही थी, और उसकी नाक से खून बह रहा था. " मैं आपसे विनती करता हूं, कृपया पैसे भेज दें." फिरौती का वीडियो, जो पीड़ित के माता-पिता को भेजा गया था, निक्केई एशिया यूट्यूब द्वारा दिखाए गए कई वीडियो में से एक था, जो कंबोडिया में मानव तस्करी के पीड़ितों को बचाने में मदद करता है. फिरौती के दूसरे वीडियो में एक हथकड़ी लगे व्यक्ति को डंडे से पीटा जा रहा है, जबकि अन्य पीड़ित डरे-सहमे हुए उसे देख रहे हैं. एक अन्य वीडियो में एक बिना शर्ट के शख्स को ज़मीन पर हथकड़ी लगाए हुए दिखाया गया है, जिसे डंडे से पीटा जा रहा है. दो और बंदी, जिन्हें पास की खिड़की की ग्रिल से हथकड़ी लगाई गई है, वे डरे हुए उसे देख रहे हैं. तीसरे वीडियो में, एक व्यक्ति, जिसकी गर्दन पर एक पैर है, दर्द से कराह रहा है, क्योंकि उसे टेजर से बिजली का झटका दिया जा रहा है.ये वीडियो अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क द्वारा संचालित उस अंधेरी दुनिया की झलक दिखाते हैं, जो चीन से लोगों को वियतनाम के रास्ते कंबोडिया और म्यांमार में साइबर ग़ुलाम बनाने में सक्षम हैं. ये माफिया मुख्य रूप से ऑनलाइन जुआ संचालन के लिए जाने जाते हैं. अब इन्होंने बंदियों को ऑनलाइन ठगी करने के लिए मजबूर करना शुरू किया है. ये लोग 2016 में कम्बोडिया के तटीय शहर सिहानोकविले आए थे. फिलीपींस से भगाये गए, तो उन्हें कंबोडिया में ढीले नियमों का सहारा मिल गया. सिहानोकविले "दक्षिण पूर्व एशिया का मकाऊ" बन चुका है. यहां का चीनी गैंग, मेन लैंड चाइना से अंग्रेजी भाषी आईटी एक्सपर्ट युवाओं को फंसाता है और उन्हें म्यांमार-कम्बोडिया, लाओस, थाईलैंड-वियतनाम के उन कैम्पों में क़ैद करता है, जो मेकोंग नदी से लगे तटीय और निरापद इलाक़े हैं. अब इन्होंने मालदीव, मिडल ईस्ट से लेकर उत्तरी अफ्रीकी देशों में भी नया ठिकाना बनाया है. बढ़ते दबाव के कारण साइबर अपराधियों ने नाइजीरिया, इथियोपिया, यूएई और मिडल ईस्ट के दूसरे देशों को पसंदीदा गंतव्य बनाया है. उदाहरण के लिए, आप दुबई के अल आइन रोड को तलाशिये, चाइनीज़ ठगों के अड्डे मिल जायंगे. द पीपल्स डेली की एक रिपोर्ट के अनुसार, तस्करी किए गए लोगों में से 10 से पंद्रह प्रतिशत महिलाएं हैं, जिन्हें परिसर में सेक्स वर्क के लिए इस्तेमाल किया जाता है, या फिर वेबकैम पर अश्लील शो करने के लिए मजबूर किया जाता है. कंबोडिया में चीनी और वियतनामी दूतावासों ने मानव तस्करी करने वाले समूहों के बारे में लगातार चेतावनी जारी की है. वे वार्निंग देते हैं, ₹ जो आपका इंतज़ार कर रहा है, वह उच्च वेतन नहीं है, बल्कि ऑनलाइन जुए के अड्डों द्वारा अवैध कारावास और अपहरण है.₹ खमेर टाइम्स ने बताया, 2021 की पहली छमाही में कंबोडियाई अधिकारियों ने मानव तस्करी के 139 मामलों और यौन शोषण के 59 मामलों को पकड़ा गया था. लेकिन शिन्हुआ की रपट थी कि यह अपराध और भयावह रूप से बढ़ा है. चीनी आपराधिक नेटवर्क, जो कुछ साल पहले चीन में इसी तरह की हरकतें कर रहे थे, अब विदेशों में उनका विस्तार हो रहा है. वे ऐसी जगहें तलाश रहे हैं, जहां भ्रष्ट शासन व्यवस्था है. " ग्लोबल टाइम्स जैसे टेब्लॉइड अख़बार ने जानकारी दी कि संगठित साइबर अपराधियों के इस गैंग ने बहुत सारी अपहृत महिलाओं को वेश्यावृत्ति में धकेल दिया. सबसे चिंताजनक यह है कि चीनी मानव तस्करों ने श्रीलंकन और भारतीय आईटी एक्सपर्ट्स को अपने चंगुल में फंसाया है. अभी श्रीलंका में चुनाव की वजह से ग़ुलाम बनाये युवा आईटीअन को वापिस लाने के सारे प्रयास स्थगित हैं, लेकिन इन्होंने भारत सरकार से कोऑर्डिनेट किया है.बहु-मंत्रालयी सहयोग का उद्देश्य साइबर घोटालों से निपटने और ग़ुलाम बनाये नागरिकों को बचाने के लिए एक प्रभावी रणनीति तैयार करना है. 16 अप्रैल 2024 को म्यांमार के साइबर स्लेव कैम्प से आठ श्रीलंकन छुड़ाए गए, जिनमें दो औरतें भी थीं. अब भी 56 ऐसे अभागे लोगों का पता यांगून स्थित श्रीलंकाई दूतावास को चला है, जिन्हें रिहा कराने के प्रयास चल रहे हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> ये माफिया मुख्य रूप से ऑनलाइन जुआ संचालन के लिए जाने जाते हैं. अब इन्होंने बंदियों को ऑनलाइन ठगी करने के लिए मजबूर करना शुरू किया है. ये लोग 2016 में कम्बोडिया के तटीय शहर सिहानोकविले आए थे. फिलीपींस से भगाये गए, तो उन्हें कंबोडिया में ढीले नियमों का सहारा मिल गया.

मीडिया में अन्यत्र

बहु-विलंबित जनगणना के मायने

बताया जाता है कि केंद्र सरकार बहु-विलंबित जनगणना में आंकड़ों के संग्रह के विस्तार पर विचार कर रही है, ताकि जाति गणना को इसमें शामिल किया जा सके. यह पूरे विषय को और उलझाने का ही मामला हो सकता है. जाति को जनगणना के तत्वों (वैरिएबल्स) में से एक के रूप में शामिल किये जाने की संभावना, कई राजनीतिक पार्टियों द्वारा जाति जनगणना की जोरदार मांग का नतीजा हो सकती है. लेकिन, 2011 की सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना की अधूरी और खराब ढंग से सूत्रबद्ध प्रकृति के परिणामस्वरूप ऐसे आंकड़े मिले जो बोझिल व त्रुटिपूर्ण थे, और इसलिए इस्तेमाल लायक नहीं थे. इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार को जाति के आंकड़े को तालिकाबद्ध करने के लिए महापंजीयक के कार्यालय और अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल जल्दबाजी में बिल्कुल नहीं करना चाहिए. सबसे पहले जनगणना युद्धस्तर पर कराने के लिए एक निश्चित समयावधि होनी चाहिए. सन् 2026 में पहले परिसीमन कराने की अनुमति देने के लिए, अगर जनगणना में जान-बूझ कर देरी की जा रही है, तो यह न सिर्फ सार्वजनिक नीतियों के लिए, बल्कि राज्यों के साथ संबंधों के लिए भी नुकसानदेह होगा. जून 2024 तक, 233 देशों में से, भारत उन 44 देशों में एक था जिन्होंने इस दशक में जनगणना नहीं करायी है. केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बताया गया कारण यह था कि देर कोविड-19 महामारी के चलते हुई, लेकिन 143 अन्य देशों ने मार्च 2020 (जब महामारी शुरू हुई थी) के बाद जनगणना करायी. भारत जनगणना न कराने की इस संदेहास्पद खासियत के मामले में यमन, सीरिया, अफगानिस्तान, म्यांमार, यूक्रेन, श्रीलंका और उप-सहारा अफ्रीकी देशों जैसे संघर्ष, आर्थिक संकट या उथल-पुथल से प्रभावित देशों के साथ खड़ा है.सन् 1881 से 2011 तक दस-वर्षीय जनगणना बिना चूक के हुई है और अब इसमें देरी का कोई बहाना मौजूद नहीं है. फिर भी जिलों, तहसीलों, कस्बों और नगर निकायों की प्रशासनिक चौहद्दी स्थिर करने की समयसीमा इस साल 30 जून को खत्म हो गयी. इस समयसीमा को 2019 से 10 बार बढ़ाया गया है. जनगणना कराये जाने से पहले चौहद्दी स्थिर करने की जरूरत होती है. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम जैसी कई सार्वजनिक योजनाएं और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जनगणना कराये जाने पर निर्भर हैं. इसके अलावा, पारिवारिक और सामाजिक उपभोग से जुड़ी नीतियों के निर्धारण में काम आने वाले सांख्यिकीय सर्वेक्षण (जिनमें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, और सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम इत्यादि शामिल हैं) अपने सैंपलिंग फ्रेम के निर्धारण के लिए जनगणना का इस्तेमाल करते हैं.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ठूंसना/ठूसना

अपने बचपन में मैं 'हाथी' को 'हांथी' बोला करता था और 'चूहा' को 'चूहां'. अब भी 'हाथ' का उच्चारण कई लोगों को 'हांथ' करते हुए सुनता हूं. 'ग्यारह' को 'इग्यारह' बोलनेवाले कई लोग आपको मिल जाएंगे. वजह क्या है यह तो नहीं मालूम लेकिन अपने बिहार-झारखंड में नासिक्य से लोगों का अतिरिक्त प्यार देखता हूं. बोलचाल में वे अक्सर कई वर्णों पर बिंदी का इस्तेमाल गैरजरूरी रूप से कर लिया करते हैं या 'दीर्घ ऊ' का उच्चारण 'हर्स्व उ' में किया करते हैं. कई बार तो ठीक इसके उलट 'हर्स्व उ' का उच्चारण 'दीर्घ ऊ' के रूप में करते हैं. मुझे ध्यान है कि छठी क्लास में जो शिक्षक हमें गणित पढ़ाया करते थे, वे हम सबको धमकाने वाले अंदाज में कहते थे 'अभिए बुझ लो, जितना बुझना है. हम अभिए दस बार बताने को तइयार हैं. ठुंस लो माथा में. कल जब हम पुछेंगे और नई बताया तो कपार फोड़ देंगे.' बिहार में 'बुझ लेना या बुझ लो' का मतलब 'समझ लेना' या 'समझ लो' से है. और यह 'कपार' शब्द तो 'कपाल' से ही बना होगा, जिसके लिए बिहार-झारखंड में 'मूड़ी' या 'मुंडी' शब्द भी खूब प्रचलित है. इस 'बुझना' शब्द पर ध्यान जाता है कि हिंदी में इसका इस्तेमाल 'समझ-बूझकर' के रूप में होता है. कई बार वाक्य के मुताबिक यह 'समझा-बुझाकर' भी इस्तेमाल किया जाता है. मसलन- पुलिस ने आक्रोशित लोगों को 'समझा-बुझाकर' जाम खुलवाया. किसी चीज में जबरन कोई चीज भरने/अंटाने/रखने की प्रक्रिया के लिए 'ठूसना' शब्द का इस्तेमाल होता है. इस 'ठूसने' पर बिंदी नहीं लगती. मान लीजिए कि आप कहीं यात्रा पर जा रहे हों और बैग में जरा भी जगह नहीं बची है कि उसमें कोई और सामान अंट पाए. लेकिन कुछ कपड़े अब भी बैग से बाहर पड़े हैं, जिसे ले जाना जरूरी है. ऐसी स्थिति में हम बैग में जब और कपड़े 'रखने की कोशिश करते हैं' तो इसे ठूसना ही कहते हैं. देशज रूप में यह 'ठूसना' 'ठुस' भी बन जाता है. मसलन, ठुस-ठुस कर कपड़ा रख लिया, अब और इसमें नहीं अंटेगा. उम्मीद है, मेरी बात आप 'बुझ' गए होंगे और कुछ शब्द आपके 'कपार' में 'ठुंस' भी गए होंगे.

योग्य व्यक्ति को ढूंढते रह जाओगे

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

जिस प्रकार देश में योग्य लोगों की पूछ घटती जा रही है, यह घोर ही नहीं, बल्कि घनघोर चिंता का विषय है. अगर समय रहते उपाय नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं, जब योग्य ढूंढे नहीं मिलेंगे. लुप्त हो जाएंगे. जो सचमुच बीमार है मतलब वास्तव में जो इलाज के योग्य हैं, उसका इलाज ही नहीं हो पाता तथा जिन्हें कोई बीमारी ही नहीं है उसके इलाज पर लाखों खर्च किया जाता है. जो वास्तव में भूखा है मतलब जो भोजन दिए जाने योग्य है उसे भोजन नहीं मिल पाता. और जो अघाये हुए ही नही बल्कि भंडारण किये हुए हैं वे दो रुपये किलो अनाज वाली योजना का लाभ उठा रहे हैं. जो घर दिए जाने योग्य हैं मतलब जिन्हें रहने के लिए घर नहीं है. उन्हें आवासीय योजना का लाभ नहीं मिलता. वहीं जिनके पास एक मंजिला इमारत पहले से ही है, उसे दो मंजिला बनवाने के लिए इन्दिरा आवास योजना का एक बार नही चार-चार बार लाभ दिया जाता है. कई लड़के-लड़कियां विवाह के योग्य नहीं होते, लेकिन उनका विवाह कर दिया जाता है. वहीं कई लोग विवाह के योग्य होते हुए भी अविवाहित रह जाते हैं. कई लोग तो भाग जाने व भगा लाने की हद तक पहुंच जाते हैं. कई विद्यार्थी जो पास होने के भी योग्य नहीं होते, उनको टॉप करा दिया जाता है (पिछले साल परीक्षा में माथुर जी के लड़के की कॉपी बदली जा चुकी है). कई लोग जो कभी विद्यार्थी बनने के भी योग्य नहीं रहे, वे शिक्षक बना दिए जाते हैं. ऐसे लोगों के कोचिंगों में भी बहुत भीड़ जमा होती है. जबकि पास में ही सारी पढ़ाई पढ़े पर कढे न होने के कारण पढ़ाकू जी के कोचिंग में हवा दौड़ती है. घर के पूजने योग्य जोगी को जोगड़ा (नाम तक नहीं जानते) और बाहर के जोगड़ों को बड़ा सिद्ध समझकर लोग 'घर का जोगी जोगड़ा आन गांव का सिद्ध' वाली उक्ति को चरितार्थ करते हैं. जहां अपने बाप को बाप कहने तक में शर्म लगती है वहीं दूसरे के बाप का सत्कार किया जाता है. अपना बाप कब आया, कब गया पता ही नही चलता. और दूसरे के बाप के आगमन पर पार्टी दी जाती है, जश्न मनाया जाता है. अपने बाप को इस कदर भूलते जा रहे हैं कि उनका नाम तक याद नहीं रहता और दूसरे के बाप की जीवन गाथा तक लिख डालते हैं. कहां तक बताएं इसी तरह की हजारों बातों का दस्तावेज बनाकर माथुर साहब सरकार के पास भेज दिए हैं. सरकार ने उसके अध्ययन के लिए कई टीमें गठित कर दी हैं, जिस पर रोज लाखों रूपये का खर्चा आ रहा है. दो बार अध्ययन की समय सीमा भी बढ़ाई जा चुकी है. जब तक उनका फैसला आये हम फैसला पाठकों पर छोड़ते हैं.

लाइफ लाइन

झारखंड के औषधीय पौधे

चकवड़, गोखरु, कौवाठोड़ी जैसे औषधीय पौधों का है मौसम

झारखंड में बरसात का मौसम में ग्राम औषधीय पौधों की आमद का मौसम होता है. दिसंबर माह आते-आते इन पौधों में मेडिसनल गुण आ जाते हैं और इसी समय इन्हें एकत्र करने का काम भी शुरू होता है. झारखंड में सर्वत्र व्याप्त ग्राम औषधीय पौधा को लें तो वह है चकवड़. चकवड़ चर्मरोग के लिए विख्यात है. अर्थात चर्मरोग की लगभग जितनी भी दवाइयां है उसमें चकवड़ का उपयोग होता ही है. चकवड़ पौधा के कोमल पत्तों का आदिवासी या ग्रामीण इलाकों में एकत्रित कर सुखा कर रखते हैं और भोजन में आवश्यकतानुसार शामिल करते हैं. यह प्रचलन आज भी मैकलुस्कीगंज में हम देखते हैं.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

ग्राम औषधीय पौधा में चार तरह के बला नामक औषधीय पौधा आते हैं जिनको खिरैटी या बरियारी, महाबला अर्थात सहदेई, कंघी और गंगेरन अर्थात गुलसकरी कहते हैं. अपामार्ग नामक औषधीय पौधा समस्त झारखंड प्रदेश के गांव में वर्षाकाल में मिल जाते हैं. गोखरु, कौवाठोड़ी इत्यादि भी ग्राम औषधीय पौधा है.

इन सभी ग्राम औषधीय पौधा को पार्थेनियम घास निगल रही है. पार्थेनियम घास से मानव को बहुत हानि हैं पर सबसे ज्यादा हानि एक दर्जन से अधिक ग्राम औषधीय पौधा को हो रहा है.

ग्राम औषधीय पौधा पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है क्योंकि आने वाले कल यही औषधीय पौधे जीवन रक्षक की भूमिका में रहेगी. महाभारत काल से लेकर, रामायण काल से लेकर आज तक मूख्य भूमिका में औषधीय पौधे जीवन रक्षक के रूप में स्थान बनाए हुए हैं. आने वाले समय में ये ग्राम औषधीय पौधा ही काम आएंगे क्योंकि आने वाले बीस वर्षों बाद सुगर,थायरॉयड ग्रंथि इत्यादि इत्यादि से अधिकतम मानव जीवन पीड़ित हो जाएंगे और जब शोध होगा तब इन्हीं ग्राम औषधीय पौधा में हल मिलेगा निरोग होने के लिए. भारत सरकार और झारखंड सरकार को चाहिए की पार्थेनियम घास से ग्राम औषधीय पौधा की रक्षा करें, ग्राम औषधीय पौधा का संरक्षण प्रदान करें.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

माइग्रेन के दर्द को न समझे साधारण सिरदर्द

इन योग की मदद से पा सकते हैं छुटकारा

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

माइग्रेन में सिर के आधे हिस्से में काफी तेज दर्द होता है. दर्द में एक मिनट के लिए भी राहत नहीं होती है,जो कि असहनीय बन जाता है. इसे लोग सिरदर्द समझने की गलती कर बैठते हैं. आसपास की तेज आवाज से चिढ़ होने लगती है. तेज रोशनी भी आंखों में चुभती है. इसके साथ जी मिचलाता है और उल्टी आती है. नींद की कमी, अत्यधिक तनाव लेना, शरीर में पोषण की कमी आदि माइग्रेन के कारण होते है. लेकिन योग की मदद से माइग्रेन के दर्द में छुटकारा पा सकते हैं. आइये जानते हैं कुछ सामान्य आसन जो माइग्रेन के दर्द राहत पाने में मदद करेंगे.

माइंडफुलनेस पोज

- सबसे पहले सुखासन की मुद्रा में बैठ जाएं.
- दोनों हाथों की उंगलियों को माथे के बीच में रखें.
- अब उंगलियों से हल्का प्रेशर डालें.
- धीरे-धीरे अपनी उंगलियों को नीचे कानों की तरफ ले जाएं.
- अब आंखें बंद करके तर्जनी उंगली से आंखों की पुतली हल्के तरीके से घुमाएं.

- आंखों को बंद करके उंगली को धीरे-धीरे घुमाएं.
- फिर उंगली को उल्टी दिशा में घुमाएं.

इंडेक्स पोज

- सबसे पहले सुखासन में बैठ जाएं और तर्जनी उंगली को माथे के बीच में रखें.
- सिर्फ उंगली की टिप माथे से छुए और बाकी हिस्से के बीच एक उंगली का गैप रखें.
- अब उंगली से थोड़ा प्रेशर डालें.

टैपिंग

- सुखासन में बैठकर ठुड्डी को नीचे करें.
- अब दोनों हाथों की उंगलियों से पूरे चेहरे पर थपकी लगाएं.
- इससे अच्छा प्रभाव मिलेगा.

शवासन : शवासन पूर्ण विश्राम की अवस्था है. इसे 'डेथ पोज' भी कहा जाता है क्योंकि इस आसन के लिए आपको केवल लेटने की आवश्यकता होती है. इस पोजीशन में आपके शरीर का हर अंग जमीन पर होता है. यह तनाव मुक्त करता है और मस्तिष्क को ऑक्सीजन लेते हुए अधिक सचेत रूप से सांस लेने की अनुमति देता है.

प्राणायाम : माइग्रेन की एक मुख्य वजह तनाव होता है. ऐसे में प्राणायाम का अभ्यास करना कई तरह से फायदेमंद होता है. कई तरह के प्राणायाम जैसे ओम् चैटिंग, कपालभांति प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम आदि का अभ्यास अवश्य करना चाहिए.

इन दिनों जहां देखिए, लोग अपनी शारीरिक समस्याओं से जूझते नजर आते हैं. कोई लगातार छींक, नाक बंद होने से परेशान है तो कोई खुजली की समस्या से बेहाल है. किसी की आंखें पीड़ित हैं तो कोई गले के संक्रमण से जूझ रहा है. खास तौर पर वे जो कमजोर प्रतिरोधात्मक क्षमता वाले हैं, उनमें मौसम की मार अधिक नजर आ रही.

बेरहम हो रहा मौसम, रखिए ख्याल

डॉ राजेश कुमार सिंह
फिजीशियन व गहन रोग विशेषज्ञ, मेडिका, रांची

इन दिनों मौसम की मार हमारे स्वास्थ्य पर पर रही. छींक, खांसी, नाक बहना, चेहरे पर खुजली, पेट में संक्रमण, कंजेक्टिवाइटिस ये समस्याएं आम हैं. घर-घर इससे पीड़ित नजर आ रहे. खासतौर पर कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग एलर्जी के शिकार हो रहे. आइए, कुछ कॉमन स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, इसके लक्षण और उपचार के बारे में आपको जानकारी दें-

टायफाइड

इन दिनों टाइफाइड की समस्या भी आम है. टाइफाइड के मरीजों के कीटाणु हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं. आमतौर पर यह भोजन के जरिए ही आते हैं क्योंकि टायफज़ाइड के कीटाणु पेट के रास्ते ही प्रवेश करते हैं.

रोग के लक्षण

टायफाइड होने पर बुखार का लक्षण उभरता है. इसके अलावा पेटदर्द की शिकायत हो सकती है. पीड़ित उल्टी और बार बार पखाना करने की समस्या से पीड़ित हो सकता है.

क्या करें

इस मौसम में स्ट्रीट फूड या रेस्त्रां में खाने से बचें. भीड़ भाड़ या पार्टी में भी नहीं खाएं, क्योंकि अधिक लोगों का खाना बनाने के कारण यहां हाईजीन का ख्याल रखना जरा मुश्किल होता है. घर में भी खाना बनाते समय साफ सफाई का खास ख्याल रखें. अच्छी तरह हाथ धो कर खाएं.

वायरल फीवर

इन दिनों जिसको देखिए वहीं हाई फीवर, गले में दर्द, नाक से पानी जाना, गले में खरास, सिर दर्द आदि की समस्या से ग्रस्त है. दरअसल वायरल फीवर की समस्या इन दिनों आम है. बेहद कमजोरी का अनुभव कराने वाले वायरल फीवर में आमतौर पर एक सौ एक, एक सौ दो फीवर से मरीज जूझते हैं.

रोग के लक्षण : हाई फीवर, गले में दर्द, नाक से पानी जाना, गले में खरास, सिर दर्द आदि के लक्षण उभर सकते हैं. बेतरह थकावट, शारीरिक कमजोरी की शिकायत भी मरीज कर सकता है.

क्या करें : गुनगुने पानी में नमक डाल कर गार्गल करें. लक्षण के अनुसार दवाएं लें. जैसे फीवर होने पर पैरासिटामोल लें. नाक से पानी जाने पर सिट्राजिन जैसी दवाएं लें. जरुरत पड़ने पर चिकित्सक की सलाह से एंटी बायोटिक का सेवन करें.

कंजेक्टिवाइटिस (आई फ्लू)

बरसात के मौसम में वातावरण में तरह-तरह के वायरस-बेक्टीरिया और एलर्जन की सक्रियता काफी बढ़ जाती है. इस मौसम में कंजेक्टिवाइटिस का खतरा अधिक रहता है.

रोग के लक्षण : आंखों में बहुत खुजली होती है, जलन का अहसास हो सकता है. आंखें लाल सी हो जाती हैं. संक्रमित आंखों से लगातार पानी आने की समस्या होती है.

क्या करें : इस तरह के लक्षण सामने आए तो कॉन्टेक्ट लेंस न लगाएं. गर्म कपड़े का सेक करें. साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें. बिना सफाई के कॉन्टेक्ट लेंस, चश्मे, तौलिए का उपयोग इस रोग की आशंका को बढ़ाता है.

अस्थमा

अस्थमा के मरीजों के लिए यह मौसम लक्षणों को बढ़ाने वाला होता है. पूरे सितंबर-अक्टूबर मास तक कमोबेश यह स्थिति बनी रहती है. अस्थमा सांस फूलने की बीमारी है. इसमें सांस की नलियों में खराबी या उसके फेफड़ों की नलियां पतली हो जाती हैं और उसके कारण सांस लेने में तकलीफ होती है तो इस बीमारी को अस्थमा कहा जाता है.

रोग के लक्षण : सांस फूलना या सांस लेने में तकलीफ महसूस करना, अत्यधिक खांसी आना, डस्ट या धुएं से एलर्जी होना.

क्या करें : धूल-मिट्टी से बचें. जब झाड़ू या साफ-सफाई जैसे काम करना हो तो नाक पर मास्क जरूर लगाएं. इनहेलर हमेशा अपने पास रखें. लाइफस्टाइल में सुधार लाएं. इस मौसम से एक-दो हफ्ते पहले ही फ्लू का वेक्सिन जरूर लगा लें.

त्वचा संबंधी रोग

इन दिनों त्वचा संबंधी रोगों के बढ़ने की आशंका होती है. फंगल इंफेक्शन की आशंका ज्यादा रहती है. इसके अलावा त्वचा में दरारें आना, खुजली, त्वचा का लाल पड़ जाना, कपड़े, जूते और मोजे आदि से रेशेज पर जाना आदि समस्याएं होती हैं.

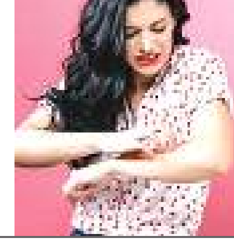

रोग के लक्षण : एग्जिमा में स्किन में खुजली, दरारें और खुरदरापन होना, दाद में त्वचा पर लाल दाने या धब्बे दिखाई देना.

क्या करें : इस मौसम में अपने पालतू जानवरों से थोड़ी दूरी बरतिए. घर झाड़ने की जगह गीला पोछा करें. घर खुला व हवादार रखें. दिन में थोड़ी देर के लिए नियमित खिड़कियां खुली रखें.

रखें ध्यान

- अगर कमजोर रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता है या दमा जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं तो मौसम की शुरुआत में ही फ्लू के वैक्सन ले लें.
- गुनगुने पानी में नमक डाल कर गार्गल करें
- स्ट्रीट फूड या रेस्त्रां में खाने से बचें.
- भीड़ भाड़ या पार्टी में भी नहीं खाएं. घर में खाना बनाते समय साफ सफाई का अधिक ध्यान रखें.
- बिना सफाई के कॉन्टेक्ट लेंस, चश्मे, तौलिए का उपयोग नहीं करें.
- अपने पालतू जानवरों से थोड़ी दूरी बरतिए.
- घर खुला व हवादार रखें.

महिलाओं की आम समस्याओं का यहां इलाज

डॉ रजनी शर्मा
डीएमबीएस, बीएमबीएस

महिलाओं में आजकल पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज, पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम, यूट्रस तथा ओवरी में सिस्ट और ट्यूमर की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है. इसके कारण मासिक धर्म/ पीरियड्स रेगुलर नहीं होते हैं. महिलाओं को मां बनने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है.

आमतौर पर किसी भी महिला और पुरुष में दो प्रकार के हार्मोन होते हैं --एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरॉन. महिलाओं में हरेक माह एग्स और हार्मोंस रिलीज होता है, जो फर्टिलिटी, पीरियड, फेशियल हेयर इत्यादि को कंट्रोल करता है. पीसीओडी में अंडाशय समय से पहले एग को रिलीज कर देता है जो धीरे-धीरे सिस्ट का रूप ले लेता है. सही तरीके से एग रिलीज नहीं होने के कारण ही मासिक धर्म अनियमित हो जाता है. कभी-कभी ओवरी आकार में बड़ी हो जाती है और शरीर में हाई लेवल पर एस्ट्रोजन रिलीज करती है जिसके प्रभाव से अंतः स्रावी तंत्र में चयापचय विकार उत्पन्न होता है अर्थात् मेटाबॉलिक डिसऑर्डर हो जाता है. महिलाओं के शरीर में अगर पुरुष में पाए जाने वाले हार्मोन्स की मात्रा बढ़ जाए तब इसका प्रभाव शरीर पर अलग-अलग रूप में आता है जिसमें मुख्य तौर पर अनियमित मासिक धर्म आना, कम या अधिक ब्लीडिंग होना, कभी-कभी 10 से 15 दिन में मासिक धर्म आना तो कभी-कभी 2 महीने तक मासिक धर्म नहीं आना आदि. शरीर में मोटापा, थुलथुलापन, भारीपन महसूस होना, चेहरे पर मुहांसे होना और अनैच्छिक बाल उग जाना लक्षणों में शुमार

है. पीसीओडी में ओवम सही तरीके से नहीं बनता है या फिर बनता भी है तो वह समय से पहले ओवरी से निकलकर नष्ट हो जाता है और धीरे-धीरे यह सिस्ट का रूप धारण कर लेता है. यह यूट्रस वॉल पर कैविटी के रूप में जम जाता है और कभी-कभी ट्यूमर के रूप में उभर जाता है. इस बीमारी में महिलाओं में पुरुष के हार्मोन बढ़ जाते हैं. अतः एलोपैथ में हार्मोन थेरेपी दी जाती है जिसका शरीर पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है. होम्योपैथिक और बायोकेमिक दवाइयों से एस्ट्रोजन हार्मोन की मात्रा को नियंत्रित किया जाता है, जिससे पीसीओडी तथा पीसीओएस में काफी फायदा होता है.

- **ये हैं रोग के कारण**

इसका कोई भी नकारात्मक प्रभाव शरीर पर नहीं पड़ता है. पीसीओडी तथा पीसीओएस होने के स्पष्ट कारण अभी तक दृष्टिगोचर नहीं हुए हैं. परंतु यह महिलाओं में जेनेटिक, प्रदूषित वातावरण के कारण, अत्यधिक ड्रग्स लेने के कारण, गर्भनिरोधक दवाइयों के सेवन के कारण, खान-पान में अनियमितता के कारण तथा साफ-सफाई के अभाव में होता है. पीसीओएस में पीसीओडी की तरह ही महिलाएं गर्भधारण नहीं कर पाती हैं. उनके चेहरे पर मुंहासे तथा दाढ़ी मूंछ आने लगते हैं. ओवम में हार्मोंस के प्रभाव से अंडाणु पूर्ण रूप से तैयार नहीं हो पाते हैं जिसके कारण वे स्पर्म से मिलकर भ्रूण तैयार कर पाने में अक्षम होते हैं.

- **ये दवाएं कारगर**

होम्योपैथी दवाओं में पल्सेटिला ,सीपिया, लैकेसिस, ग्रैफाइटिस, कैलकेरिया कार्ब, नेट्रम म्यूर, थूजा, कैलकेरिया फ्लोर ,टेस्टोस्टरॉन, कैलकेरिया ओवा टोस्टा और औरम म्यूर नेट्रोनेटम इत्यादि कारगर दवाएं हैं. बायोकेमिक दवाओं में कैलकेरिया फ्लोर, नेट्रम म्यूर, मैग्निशियम फास्फोरिकम, साईलीसिया, फेरम फॉस ,नेट्रम फॉस, कैल्केरिया सल्फ, नेट्रम सल्फ आदि महत्वपूर्ण दवाओं से इलाज किया जाता है. ये दवाएं लक्षण अनुसार चिकित्सीय परामर्श से ही लेनी चाहिए.

स्वाद ही नहीं, स्वास्थ्य का भी ख्याल रखते हैं लहसुन

हमारे खाने का स्वाद बढ़ाने वाला लहसुन हमारी सेहत को दुरुस्त भी कर सकता है. आइए जानें, कच्चे लहसुन खाने के फायदे-

- **दिल की सेहत :** लहसुन ब्लड प्रेशर ही नहीं खराब कोलेस्ट्रॉल के लेवल को भी कम करने और आर्टरीज को सख्त होने से रोककर दिल की सेहत में सुधार करने में मदद कर सकता है. सुबह खाली पेट लहसुन खाने से कच्चे लहसुन में पाए जाने वाला एलिसिन खून को गाढ़ा होने से रोकता है और रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम रखता है. ऐसे में स्वाभाविक तौर पर हार्ट अटैक का खतरा कम करने में मदद मिलती है.
- **ब्लड शुगर रखें कंट्रोल :** लहसुन शरीर में शुगर लेवल को मैनेज करके में सहायक है. साथ ही इसके सेवन से रक्त संचार बेहतर होता है.
- **इम्यूनिटी करें बूस्ट :** कच्चा लहसुन एंटीऑक्सीडेंट और सल्फर युक्त कंपाउंड से भरपूर होने की वजह से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है..
- **गठिया के दर्द में फायदेमंद :** कच्चे लहसुन में मौजूद डायलिल डाइसल्फाइड जैसे एंटी-इंफ्लेमेटरी कंपाउंड शरीर की सूजन को कम करते हैं. इसके सेवन से गठिया के रोगियों को दर्द व सूजन से राहत मिलती. वजन कम करने में भी सहायक है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

हरमनप्रीत सिंह

हॉकी टीम इंडिया : एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, श्रीजेश की जगह लेंगे पाठक

हरमनप्रीत सिंह हॉकी टीम के कप्तान, कृशन बहादुर पाठक गोलकीपर

भाषा। नयी दिल्ली

पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृशन बहादुर पाठक को हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली 18 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है. भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे. यह टूर्नामेंट आठ से 17 सितंबर तक खेला जायेगा. श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था. पेरिस ओलंपिक में भारत के स्टैंडबाय गोलकीपर रहे पाठक अब मुख्य गोलकीपर होंगे जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे. अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है. नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है. भारत के उदीयमान ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह जूनियर के लिए भी यह सुनहरा मौका होगा. वह प्रो लीग में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके हैं. अराइजीत सिंह हुंडल टीम में तीसरे ड्रैग फ्लिकर होंगे. डिफेंस का जिम्मा जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित पर होगा. वहीं मिडफील्ड में राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा,

मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील होंगे . फॉरवर्ड पंक्ति में अभिषेक, सुखजीत सिंह, हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह रहेंगे. पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के दस सदस्य इस टीम में हैं. कोच क्रेग फुल्टोन ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में कहा, हमारे लिये यह महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है. टीम पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने का जश्न मनाने के बाद शिविर में लौट आई है. उन्होंने कहा, पिछले कुछ सप्ताह शानदार रहे जब टीम को बेशुमार प्यार मिला. हमें उम्मीद है कि यह समर्थन आगे भी जारी रहेगा. एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी से नया ओलंपिक चक्र शुरू हो रहा है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं.

भारतीय टीम आठ सितंबर को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी. इसके बाद जापान (नौ सितंबर), मलेशिया (11 सितंबर), कोरिया (12 सितंबर) और पाकिस्तान (14 सितंबर) से खेलना है . सेमीफाइनल 16 सितंबर को और फाइनल 17 सितंबर को खेला जायेगा.

टीम इस प्रकार है

टीम : गोलकीपर : कृशन बहादुर पाठक, सूरज करकेरा. डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित. मिडफील्डर : राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील. फॉरवर्ड : अभिषेक, सुखजीत सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह मुख्य कोच : क्रेग फुल्टोन.

क्रिकेट: जय शाह आईसीसी चेयरमैन के तौर पर एक दिसंबर से पदभार संभालेंगे

टेस्ट क्रिकेट को देंगे प्राथमिकता यह खेल का आधार : जय शाह

अगले छह साल तक जय शाह आईसीसी चेयरमैन के पद पर बने रह सकते हैं

भाषा। नयी दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नव-निर्वाचित चेयरमैन जय शाह ने कहा है कि वह अपने कार्यकाल में यह सुनिश्चित करेंगे कि टेस्ट क्रिकेट खेल का 'आधार' बने और इस दौरान वह 'क्रिकेट की प्रगति में बाधा डालने वाली बाधाओं को दूर करने' का भी प्रयास करेंगे. वर्ष 2019 से बीसीसीआई सचिव की भूमिका निभा रहे 35 वर्षीय शाह 62 वर्षीय ग्रेग बार्कले से एक दिसंबर को पदभार ग्रहण करेंगे. वह आईसीसी के सबसे युवा चेयरमैन होंगे. न्यूजीलैंड के बार्कले ने दो साल के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया. बीसीसीआई द्वारा जारी बयान में शाह ने कहा, टी20 स्वाभाविक रूप से एक रोमांचक प्रारूप है लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि टेस्ट क्रिकेट सभी के लिए प्राथमिकता बना रहे क्योंकि यह हमारे खेल का आधार है. उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना

चाहिए कि क्रिकेटरों को लंबे प्रारूप की ओर आकर्षित किया जाए और हमारे प्रयास इस लक्ष्य की ओर केंद्रित होंगे. शाह ने कहा, मैं अपने कार्यकाल के दौरान प्रतिभा खोज के लिए एक अलग कार्यक्रम स्थापित करने की दिशा में काम करना चाहूंगा और मैं इस कार्यक्रम में आपके समर्थन की आशा करता हूं. शाह ने दुनिया भर में खेल के मानकों को और ऊपर उठाने पर जोर दिया. उन्होंने कहा, मैं आईसीसी के सदस्य बोर्डों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने आईसीसी के अध्यक्ष की इस प्रतिष्ठित भूमिका को संभालने के लिए मुझ पर अपना भरोसा जताया. मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं दुनिया भर में हमारे खेल के मानक को ऊपर उठाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा.

विराट ने नए रोल में सफलता की कामना की

एजेंसी। नयी दिल्ली

जय शाह आईसीसी के अगले चेयरमैन चुने गए हैं. इस पद पर उनका चयन निर्विरोध हुआ है. वो सबसे युवा चेयरमैन भी होंगे, जो आईसीसी की कुर्सी पर बैठेंगे. जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनाए जाने से भारतीय क्रिकेट में खुशी की लहर है. जय शाह को बधाई देने वालों का तांता लगा है. भारतीय क्रिकेटर भी अपने-अपने एक्स हैंडल के जरिए लगातार उन्हें बधाई दे रहे हैं. टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने भी बधाई दी है. वहीं विराट कोहली ने इस खुशी में जो कहा है वो भी दिलचस्प हैं. विराट ने उन्हें बधाई दी है. विराट कोहली ने जय शाह को आईसीसी चेयरमैन चुने जाने की बधाई एक्स हैंडल के जरिए दी. विराट ने मुबारकबाद देते हुए नए रोल में जय शाह की सफलता की कामना की.

कुछ ऐसी ही बात अपने एक्स हैंडल पर टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी एक्स हैंडल पर कही. बुमराह ने लिखा- बधाई हो

जय शाह भाई. क्रिकेट के लिए आपका जुनून देखकर लगता है कि आप इसे नयी ऊंचाई देंगे. आपको ढेर सारी शुभकामनाएं. टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने भी जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनने की बधाई देते हुए ये उम्मीद की है कि उनके नेतृत्व में क्रिकेट सफलता के नए आयाम गढ़ेगा. वहीं हार्दिक पंड्या ने बधाई देते हुए कहा कि उम्मीद करते हैं कि जैसे आपने नेतृत्व में बीसीसीआई सफलता की सीढ़ियां चढ़ा है, वैसे ही अब आईसीसी भी तरक्की करेगा.

यूएस ओपन : यानिक सिनेर ने मैकी मैकडोनाल्ड को हराया

नाओमी ओसाका ने ओस्टापेंको को हराया, अल्काराज भी जीते

रिकॉर्ड : इवांस व खाचानोव का मैच पांच घंटे 35 मिनट तक चला, जो टूर्नामेंट के सबसे लंबे मैच का रिकॉर्ड बना

एजेंसी। न्यूयॉर्क

एक साल पहले मातृत्व अवकाश के दौरान नाओमी ओसाका अमेरिकी ओपन के दौरान यहां नजर आई थीं, जब उन्होंने महान तैराक माइकल फेल्प्स के साथ मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर चर्चा में भाग लिया था और उस समय उन्हें पता नहीं था कि फिर कोर्ट पर कब उतरेंगी. एक साल बाद ओसाका ने लुईस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम पर 10वीं रैंकिंग वाली येलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-2 से हराकर अमेरिकी ओपन के अगले दौर में प्रवेश कर लिया. चार साल में पहली बार उन्होंने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया है. अब उनका सामना 2023 फ्रेंच ओपन उपविजेता कैरोलिना मुचोवा से होगा, जिसने अमेरिका की कैटी वोलिनेट्स को 6-3, 7-5 से हराया. महिला वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने कैमिला राखिमोवा को 6-4, 7-6 से हराया. वहीं अमेरिका की 11वीं वरीयता प्राप्त डेनियेले कोलिंस को हमवतन कैरोलिन डोलेहाइड ने 1-6, 7-5, 6-4 से मात दी. वहीं 2020 आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन सोफिया केनिन ने 2021 अमेरिकी ओपन विजेता एम्मा राडूकानू को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया. पुरुष वर्ग में चार बार के ग्रैंडस्लैम विजेता स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने आर्थर एशे स्टेडियम पर क्वालीफायर लि तू को 6-2, 4-6, 6-3, 6-1 से मात दी. वहीं मार्च में दो डोप टेस्ट में नाकाम के मामले में 'क्लीन चिट' मिलने के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनेर ने मैकी मैकडोनाल्ड को 2-6, 6-2, 6-1, 6-2 से मात दी. डैन इवांस ने कारेन खाचानोव को 6-7, 7-6, 7-6, 4-6, 6-4 से हराया. डैन इवांस और कारेन खाचानोव के बीच पहले दौर का मैच पांच घंटे 35 मिनट तक चला, जो टूर्नामेंट में रिकॉर्ड है. टूर्नामेंट में 1970 में टाइब्रेकर की शुरुआत के बाद से यह सबसे लंबा मैच रहा. पांचवें सेट में इवांस 4-0 से पीछे चल रहे थे. आखिरी प्वाइंट पर 22 शॉट की रैली चली और इवांस ने इसमें बाजी मारकर मुकाबला अपने नाम किया. इससे पहले रिकॉर्ड पांच घंटे 26 मिनट का था, जब 1992 अमेरिकी ओपन सेमीफाइनल में स्टीफन एडबर्ग ने माइकल चांग को हराया था.

डेविड मलान ने क्रिकेट को अलविदा कहा

लंदन। इंग्लैंड के लिए सभी प्रारूपों में शतक जमाने वाले पूर्व शीर्ष टी20 बल्लेबाज डेविड मलान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया. 36 वर्ष के मलान ने ब्रिटिश अखबार 'द टाइम्स आफ लंदन' से कहा कि सफेद गेंद के प्रारूप में अपनी सफलता से वह खुश है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके. मलान ने 22 टेस्ट, 30 वनडे और 62 टी20 मैच खेले हैं. वह टी20 प्रारूप में 2020 में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने. उन्होंने पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद से इस प्रारूप में नहीं खेला है. मलान ने कहा, मैंने तीनों प्रारूपों को काफी संजीदगी से लिया लेकिन टेस्ट क्रिकेट में काफी मेहनत चाहिए. पांच दिन और तैयारी के दिन अलग. यह मानसिक रूप से काफी थकाऊ है.

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हराया

एजेंसी। तारोबा

निकोलस पूरन के 13 गेंद में 35 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने वर्षाबाधित तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली. बारिश के कारण खेल एक घंटे विलंब से शुरू हुआ. दक्षिण अफ्रीका की पारी के पांचवें ओवर में बारिश फिर शुरू हो गई जिससे मैच प्रति टीम 13 ओवर का कर दिया गया. दक्षिण अफ्रीका ने उस समय बिना किसी नुकसान के 23 रन बना लिये थे जब बारिश शुरू हुई. ट्रिस्टन स्टब्स ने 15 गेंद में 40 रन बनाकर टीम को चार विकेट पर 108 रन तक पहुंचाया. स्टब्स ने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाये. जवाब में पूरन ने दो चौके और चार छक्के जड़े. वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर 60 रन था जब पूरन चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हुए. शाइ होप ने 24 गेंद में नाबाद 42 और शिमरोन हेटमायेर ने 17 गेंद में 31 रन बनाये. दोनों ने तीसरे विकेट की अटूट साझेदारी में 56 रन जोड़े. इस साल टी20 विश्व कप से पहले भी वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 सीरीज में हराया था.

पुरानी दिल्ली 6 ने उत्तर दिल्ली स्ट्राइकर्स को हराया

नयी दिल्ली। तेज गेंदबाज आयुष ठाकुर के पांच विकेट की मदद से पुरानी दिल्ली 6 ने दिल्ली प्रीमियर लीग में उत्तर दिल्ली स्ट्राइकर्स को 20 रन से हरा दिया. आयुष ने 27 रन देकर पांच विकेट लिये. जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य के जवाब में उत्तर दिल्ली टीम सात विकेट पर 172 रन ही बना सकी. आयुष ने पहले ओवर में सलामी बल्लेबाज सार्थक रंजन का विकेट लिया.

आईसीसी रैंकिंग : न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे स्थान पर, रोहित शर्मा छठे स्थान पर

टेस्ट रैंकिंग में जो रूट टॉप पर, बाबर फिसले

सातवें नंबर पर यशस्वी और आठवें स्थान पर हैं विराट

एजेंसी। दुबई

आईसीसी की नयी टेस्ट रैंकिंग में पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम को बहुत बड़ा झटका लगा है. दाएं हाथ का ये बल्लेबाज छह पोजिशन लुढ़क कर नौवें स्थान पर पहुंच गया है. बाबर आजम पिछले हफ्ते तीसरे स्थान पर थे लेकिन अब ये खिलाड़ी टॉप 10 से बाहर होने की कगार पर है. दूसरी ओर टीम इंडिया के तीन बल्लेबाज टॉप 10 में हैं और रोहित शर्मा उनमें सबसे ऊपर छठे स्थान पर हैं. यशस्वी जायसवाल की बात करें तो वो एक पोजिशन ऊपर चढ़कर नंबर आठ पर पहुंच गए हैं. यशस्वी जायसवाल ने दो पोजिशन की छलांग लगाकर सातवीं पोजिशन

हासिल कर ली है.आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट टॉप पर बरकरार हैं. न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे स्थान पर काबिज हैं. तीसरे स्थान पर डैरेल मिचेल हैं. हैरी ब्रूक ने तीन पोजिशन की छलांग लगाकर चौथे स्थान पर जगह बनाई है. पांचवें स्थान पर स्टीव स्मिथ और छठे स्थान पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं. सातवें नंबर पर यशस्वी जायसवाल और आठवें

नंबर पर विराट कोहली हैं. बाबर आजम नौवें स्थान पर हैं, पिछली 14 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगाने का नुकसान इस खिलाड़ी को हुआ है. दूसरी ओर मोहम्मद रिजवान 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं. मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के पहले विकेटकीपर हैं जो आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचे हैं.

शाहीन अफरीदी को भी झटका : आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में

शाहीन अफरीदी को भी बड़ा झटका लगा है. पाकिस्तान का ये तेज गेंदबाज बॉलर्स रैंकिंग में 2 स्थान नीचे लुढ़क गया है.

शाहीन अब 8वें से 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं. भारत के तीन गेंदबाज टॉप 10 में काबिज हैं. आर अश्विन पहले नंबर पर हैं. जसप्रीत बुमराह और जॉश हेजलवुड दोनों दूसरे नंबर पर हैं. रवींद्र जडेजा 7वें नंबर पर हैं.

जहीर लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर बनेंगे

कोलकाता। लखनऊ सुपर जाइंट्स भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान को आईपीएल की मेगा नीलामी से पहले टीम का मेंटोर बनाने जा रही है. 45 वर्ष के जहीर दो साल बाद आईपीएल में लौटेंगे. वह 2018 से 2022 के बीच पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस से जुड़े थे. सूत्रों ने बताया , जहीर को टीम मेंटोर बनाया गया है. गौतम गंभीर के जाने के बाद से लखनऊ टीम में यह पद रिक्त है. गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए थे, जिसने 2024 आईपीएल जीता. अब गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच हैं. जहीर मुंबई इंडियंस में क्रिकेट निदेशक थे और बाद में वैश्विक विकास प्रमुख बने. लखनऊ टीम के पास फिलहाल गेंदबाजी कोच नहीं है. दक्षिण अफ्रीका के मोर्नी मोर्कल टीम के गेंदबाजी कोच थे जो अब गंभीर के साथ भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल है. जहीर मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल खेल चुके हैं.

सिंकफील्ड कप गुकेश ने नीदरलैंड के अनीष गिरी से सिर्फ 23 चाल में ड्रॉ खेला

गुकेश ने गिरी से ड्रॉ खेला, प्रज्ञानानंदा ने करुआना को बराबरी पर रोका

भाषा। सेंट लुई (अमेरिका)

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा ने सिंकफील्ड कप में आठ बाजियों में आठवीं बार ड्रॉ खेला. यह टूर्नामेंट ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है. विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर गुकेश ने नीदरलैंड के अनीष गिरी से सिर्फ 23 चाल में ड्रॉ खेला जबकि प्रज्ञानानंदा ने स्थानीय दावेदार फाबियानो करूआना को 28 चाल में बराबरी पर रोका. आठवें दौर की सभी बाजियां ड्रॉ रही. फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने एक दौर शेष रहते ग्रैंड शतरंज टूर जीत लिया और उन्हें अपने इस प्रदर्शन के लिए एक लाख डॉलर की बोनस राशि भी मिलेगी. आठवें दौर में फिरोजा ने सबसे लंबी बाजी खेली. उनकी और

डी गुकेश

रूस के इयान नेपोमनियाची की बाजी 80 चाल के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुई. दस खिलाड़ियों के इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट की दिन की दो अन्य बाजियों में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चीन डिंग

प्रज्ञाननंदा

लिरेन जबकि फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव ने अमेरिका के वेस्ली सो से अंक बांटे.

इस ड्रॉ से फिरोजा के आठ बाजियों में 5.5 अंक हो गए हैं और उन्होंने अजेय बढ़त हासिल कर ली है. करूआना अंकों के आधार पर उनकी बराबरी कर सकते हैं लेकिन इसके लिए उन्हें गिरी को हराना होगा जबकि फिरोजा की प्रज्ञानानंदा के खिलाफ हार की दुआ करनी होगी. अंक बराबर रहने के बावजूद हालांकि फिरोजा का ग्रैंड शतरंज टूर जीतना तय है. टूर्नामेंट में पांच खिलाड़ी चार अंक के साथ तीसरे स्थान पर चल रहे हैं जिसमें गुकेश, प्रज्ञानानंदा, वाचियेर लाग्रेव, सो और अब्दुसत्तोरोव शामिल हैं. नेपोमनियाची और लिरेन 3.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं जबकि इनसे आधा अंक पीछे गिरी अंतिम पायदान पर हैं.

इंपैक्ट खिलाड़ी से रणनीति को महत्व: अश्विन

अनुभवी ऑफ स्पिनर ने आईपीएल के नए नियम की सराहना की

भाषा। नयी दिल्ली

भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि आईपीएल में इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम ने खेल को निष्पक्ष बनाया है और इससे रणनीति का महत्व बढ़ा है. विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने इस नियम की आलोचना की है क्योंकि उनका मानना है कि इससे हरफनमौलाओं का विकास रूकेगा तथा गेंद और बल्ले के बीच संतुलन भी नहीं रहेगा. यह नियम आईपीएल 2023 से लागू किया गया जिसमें सभी टीमें अपनी पारी के दौरान एक खिलाड़ी (बल्लेबाज या गेंदबाज) को सब्स्टीट्यूट कर सकती हैं. अश्विन ने भारत के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत के तमिल यूट्यूब शो में कहा, मुझे लगता है कि

यह नियम उतना बुरा नहीं है क्योंकि इससे रणनीति का महत्व बढ़ता है. ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने शो के हवाले से कहा, दूसरा पक्ष यह है कि इससे हरफनमौलाओं को प्रोत्साहन नहीं मिलता, लेकिन उन्हें कौन रोक रहा है. इस पीढ़ी में वे ऐसा नहीं करते हैं (बल्लेबाज गेंदबाजी करें या गेंदबाज बल्लेबाजी). इंपैक्ट खिलाड़ी का नियम उन्हें हतोत्साहित नहीं करता. वेंकटेश अय्यर को देखिये, वह लंकाशर के लिए इस समय शानदार प्रदर्शन कर रहा है.नये प्रयोग के लिये मौका है और इससे खेल निष्पक्ष बनता है. अश्विन ने कहा कि ओस होने पर इस नियम से खेल में संतुलन लाया जा सकता है. जब ओस के कारण मैच एकतरफा हो जाते हैं तो बाद में गेंदबाजी करने वाली टीम के पास जवाब में अतिरिक्त विकल्प रहता है. अगर आप बाद में बल्लेबाजी कर रहे हैं तो अतिरिक्त गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को उतारा जा सकता है. इससे शाहबाज अहमद, शिवम दुबे, ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों को मौके मिले हैं.

ब्रीफ खबरें

युवक संग अमानवीय कृत्य, 5 आरोपी गिरफ्तार

पटना। एक युवक के साथ कुछ युवकों द्वारा अमानवीय कृत्य करने के मामले में अररिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के 48 घंटे के भीतर ही पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार 26 अगस्त को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अररिया जिले से संबंधित अज्ञात लोगों द्वारा एक युवक के साथ अमानवीय कृत्य करते हुए वायरल वीडियो हमें प्राप्त हुआ. सत्यापन के बाद वीडियो अररिया के इस्लामनगर के होने की बात पता चली.

गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

नवादा। नवादा में एक गर्भवती विवाहिता को ससुराल वालों ने मारपीट कर जख्मी कर दिया. जिसके बाद इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई. यह आरोप मृतक विवाहिता के परिजनों के द्वारा लगाया गया है. बहरहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है. पुलिस ने बताया कि मौत का कारण जांच का विषय है. मृतका की मां ने स्थानीय थाली थाना में लिखित आवेदन देकर कहा कि उनकी पुत्री स्नेहा कुमारी का विवाह थाली थानाक्षेत्र के महुंगाई ग्राम के सत्यम कुमार पिता ललन पाण्डेय के साथ डेढ़ वर्ष पूर्व धूमधाम से किया था.

नवादा में युवक का शव पेड़ से लटकता मिला

नवादा। जिले के लोदीपुर जफरा गांव के समीप बधार में कहवा के पेड़ से एक युवक का लटकता हुआ शव बरामद किया गया. जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई. काफी संख्या में लोगों की भीड़ वहां पर जुट गई. मृतक की पहचान सहजपुरा निवासी दशरथ सिंह के 48 वर्षीय पुत्र सिंटू कुमार के रूप में की गई है. घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है. फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस वहां पहुंच गई और जांच-पड़ताल की. बताया जाता है कि सिंटू 25 अगस्त को रिश्तेदार के घर मनवां गांव गया हुआ था.

दीपावली और छठ के लिए रेलवे चलाएगा कई स्पेशल ट्रेनें

संवाददाता। पटना

परदेश में रहने वाले श्रमिक वर्ग हो या फिर छात्र सभी की इच्छा होती है कि वो दिवाली और लोक आस्था के महापर्व छठ को अपने परिवारजनों के बीच मनाएं. लेकिन टिकट की मारामारी ही इतनी है कि उनके घर जाने के अरमानों पर पानी फिर जाता है. अब परदेश में रहने वाले लोगों को घर भेजने के लिए रेलवे ने पूरी तैयारी कर ली है. रेल मंत्रालय ने अब प्रवासियों को घर भेजने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है. रेलवे पर्व त्योहार में दिल्ली से बिहार तक स्पेशल चलाएगी. इसी कड़ी में रेलवे द्वारा पटना-दानापुर से आनंद विहार के लिए ट्रेन चलेंगी. इस बारे में पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि 02391 पटना-दानापुर से आनंद विहार स्पेशल 5 अक्टूबर से 9 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को पटना से तथा 02392 आनंद विहार-पटना स्पेशल 6 अक्टूबर से 10 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को आनंद विहार से चलेगी.

03255 पटना-आनंद विहार स्पेशल 3 अक्टूबर से 14 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को पटना से तथा 03256 आनंद विहार-पटना स्पेशल 4 अक्टूबर से 15 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को आनंद विहार से चलेगी. 03257 दानापुर-आनंद विहार स्पेशल 6 अक्टूबर से 10 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को दानापुर से तथा गाड़ी-03258 आनंद विहार-पटना स्पेशल 7 अक्टूबर से 11 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को आनंद विहार से चलेगी, जबकि 03215 पटना-थावे स्पेशल 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक प्रतिदिन पटना से तथा गाड़ी-03216 थावे से चलाई जायेगी. बता दें कि पर्व त्योहार के समय में टिकट नहीं मिलने के कारण कई लोग परेशान रहते थे. जिसे देखते हुए रेल मंत्रालय ने स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. इस स्पेशल ट्रेन चलने से लोगों के आवागमन में ज्यादा परेशानी नहीं होगी. रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने का निर्णय लिया है. ऐसे में बिहार से बाहर रह रहे लोगों को दिपावली और छठ में बिहार वापस आने में सहुलियत होगी.

खास बातें

- बड़े त्योहारों पर हर वर्ष रेलवे चलाता है स्पेशल ट्रेन
- छठ पर बिहार आने के लिए बढ़ जाते हैं यात्री

हाजीपुर में हादसा, निर्माणाधीन पुल के पाये से टकराई नाव

तीन ने तैरकर बचाई जान, कई अब भी लापता

संवाददाता। हाजीपुर

बिहार के वैशाली जिला के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन सिक्स लेन पुल के पाया नंबर 55 से अनियंत्रित होकर नाव टकराकर गंगा नदी में डूब गया. इस दौरान अफरा-तफरी मच गई. नाव पर सवार नाविक समेत तीन व्यक्ति किसी तरह नदी से बाहर निकल गया. वहीं दो व्यक्ति लापता बताया गया है. लापता व्यक्ति की नदी में खोजबीन की जा रही है. घटना के संबंध में बताया गया कि पटना जिला अंतर्गत काला दियारा से नाविक नाव पर करीब 150 बोरा भांग लोड करके गंगा ब्रिज थाना अंतर्गत तेरसिया पंचायत लेकर जा रहे थे. इसी दौरान सिक्स लाइन पाया नंबर 55 से टकराकर नव नदी में डूब गया. नाव पर सवार पांच व्यक्ति में करीब तीन व्यक्ति किसी तरह बाहर निकल गया. वहीं दो व्यक्ति लापता बताए जा रहे हैं.

तेजस्वी यादव का बड़ा हमला : डीजीपी को नहीं है कोई पावर

सीएम के चमचे करते हैं चढ़ावा लेकर पोस्टिंग : तेजस्वी यादव

संवाददाता। पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि बिहार के डीजीपी को कोई पावर नहीं है. उनकी किसी भी सिफारिश को नहीं माना जा रहा है. मुख्यमंत्री के अगल-बगल जो चमचे बेचे हैं वह खुलेआम पोस्टिंग कर रहे हैं और पोस्टिंग किस तरह से हो रहा है यह सब को पता है. उन्होंने कहा कि जदयू के नेता भले ही खुले तौर पर इससे इनकार करें लेकिन सबको पता है कि किस तरह से हो रहा है. डीजीपी की सिफारिशों को सीएम नीतीश नहीं मानते हैं लेकिन जो उनके चमचे हैं वही चढ़ावा लेकर पोस्टिंग कर रहे हैं. हालांकि तेजस्वी ने 'चढ़ावा' कौन लेते हैं इस पर किसी का नाम नहीं लिया. बंगाल में भाजपा द्वारा फिर बंद बुलाए जाने पर उन्होंने कहा यूपी में इस तरह का बंद कब होगा. यूपी में अपराध इतना बढ़ा हुआ है वहां बंद कब होगा. बिहार में इतना अपराध बढ़ा हुआ है यहां कब बंद होगा. बिहार में इतना ज्यादा बलात्कार हो रहा है यहां कब बंद होगा. सत्ता में बैठी है बीजेपी के लोगों की कथनी और करनी में बहुत फर्क है. इनका काम है सिर्फ और सिर्फ नफरत फैलाना. भारतीय जनता पार्टी को अपना भी इतिहास जानना चाहिए. वहीं उत्तर प्रदेश में कई रेलवे स्टेशन का नाम बदले जाने पर उन्होंने कहा कि पहले हादसे तो रोकिये.

ललन सिंह ने कहा - एनडीए पूरी तरह एकजुट

ममता बनर्जी पर बरसे, राहुल गांधी पर बोला जोरदार हमला

संवाददाता। पटना

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ ममता बनर्जी सरकार को आड़े हाथों लिया. पटना से दिल्ली रवाना होने के क्रम में ललन सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जिस तरीक़े की घटना हो रही है वहाँ पर ऐसा लगता है कि सुशासन है ही नहीं. जिस राज्य की मुख्यमंत्री महिला हों और वहाँ पर महिलाओं के साथ ऐसी घटना हो, उसके बाद लाठीचार्ज और टियर गैस के गोले दाग़े जाए ये समझ से बाहर है. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो काम पहले सीपीएस करती थी वही अब ममता बनर्जी कर रही हैं. दरअसल, कोलकाता के एक अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले में भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है. पश्चिम बंगाल के साथ ही देश भर के डॉक्टरों ने इस मामले को लेकर चिकित्सा सेवाएं कई दिनों तक बाधित रखी. वहीं सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार को जमकर फटकार लगाई. इस बीच भाजपा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल बंद का बुलाया है.

ललन सिंह ने इन्हीं मुद्दों को लेकर टीएमसी नीत पश्चिम बंगाल सरकार को कठघरे में खड़ा किया. वहीं देश में जाति गणना की मांग के मामले में ललन सिंह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि जाति गणना के मामले राहुल गांधी और सोनिया गांधी के मुंह पर टेप चिपक जाता है. वह कुछ बोलते नहीं है और ममता बनर्जी का साथ देते हैं.

महादलित समुदाय की तीन महिलाओं को जबरन घर से उठाया

आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने का किया घेराव

संवाददाता। नवादा

नवादा थाना घेराव करते ग्रामीण

नवादा जिले के हिसुआ थाना क्षेत्र के अरियन गांव से गांव के दबंगों ने तीन दिनों पूर्व महादलित समुदाय के तीन महिलाओं को जबरन घर से उठाकर गायब करने से आक्रोशित महादलितों ने थाना का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया. थाना घेराव का नेतृत्व भीम आर्मी द्वारा किया गया. बताया जाता है कि गांव के ही टुन्नी सिंह द्वारा तीन महादलित महिलाओं को एक पुराने केस में समझौता करने के लिए घर से उठा लिया गया था. 3 दिन बीतने के बाद भी अभी तक उक्त तीनों महिलाओं की बरामदगी नहीं होने से आक्रोशित महादलित और भीम आर्मी के सहयोग से थाना का घेराव किया गया. थाना का घेराव कर रहे लोगों ने बताया कि रामभजु मांझी की पत्नी और उनका दो पतोहू को रविवार को गांव से ही उठाकर गायब कर दिया गया है, जिस आज तक मुक्त नहीं किया गया. वहीं आज इसके विरोध में महादलितों ने हिसुआ थाना का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया है. दबंगों ने महादलित समुदाय की तीन महिलाओं को बंधक बना लिया है. वहीं तीन दिनों बीत जाने के बाद भी मुक्त नहीं करने पर थाना का घेराव कर प्रदर्शन किया.

नवादा में दिनदहाड़े लड़के को मारी गोली

नवादा। नवादा में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े 12 वर्षीय नाबालिग पर ताबड़तोड़ फायरिंग की. इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है. मिली जानकारी के अनुसार नवादा के रामनगर के पास एक 12 वर्षीय बालक को गोली मार कर जख्मी कर दिया. जख्मी बालक का पहचान रंजीत चौधरी का पुत्र प्रेम कुमार के रूप में की गई है. अपनी दुकान में बैठा था तभी बदमाश वहां आए.

दीवार गिरने से 40 लोग घायल

संवाददाता। पटना

पटना जिले में पुनपुन थाना क्षेत्र के श्रीपालपुर गांव के समीप बुधवार को एक दीवार के अचानक ढह जाने से करीब 40 लोग घायल हो गए. पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पुनपुन इलाके में एक घर की दीवार गिरने से कम से कम 40 लोग घायल हो गए. उन्होंने बताया कि यह घर श्रीपालपुर इलाके के नीरज कुमार का है और यह घटना उस समय हुई जब घर में एक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था. मिश्रा ने बताया कि सुबह शुरू हुए इस कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए कुमार के घर करीब 100 लोग पहुंचे थे जिनमें अधिकांश महिलाएं थीं. उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गए. एसएसपी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उन्होंने बताया कि मामले की आगे जांच की जा रही है. जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे.

कारोबार

हाइव हॉस्टल्स ने जुटाए 11.5 करोड़

नयी दिल्ली। छात्र आवास से जुड़ी कंपनी हाइव हॉस्टल्स ने अपना कारोबार बढ़ाने के लिए निवेशकों से 11.5 करोड़ रुपये जुटाए हैं. हाइव हॉस्टल्स ने बुधवार को बयान में कहा कि उसने निवेशकों से 11.5 करोड़ रुपये का निवेश हासिल करते हुए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ)-पूर्व वित्त पोषण चक्र का सफल समापन किया. कंपनी ने कहा, जुटाई गई धनराशि को ऑरस के विकास में लगाया जाएगा. कंपनी अगले वर्ष की दूसरी छमाही में आईपीओ लाने की तैयारी में है.

जैपफ्रेश ने आईपीओ के लिए दस्तावेज दिए

नयी दिल्ली। मांस ऑनलाइन बेचने वाली कंपनी जैपफ्रेश ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं. जैपफ्रेश ने बुधवार को बयान में कहा, उसने बीएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होने के लिए सेबी के पास दस्तावेज दाखिल किए हैं. कंपनी के आईपीओ में 10 रुपये के अंकित मूल्य के साथ 59.06 लाख ताजा शेयर शामिल हैं. इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) नहीं है.

इंडस टावर्स में 50% से अधिक हिस्सेदारी होगी

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की 2,640 करोड़ रुपये की शेयर पुनर्खरीद योजना पूर्ण होने पर इंडस टावर्स में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी होगी. भारती एयरटेल ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, दूरसंचार अवसंरचना क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंडस टावर्स ने 14 अगस्त को 465 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 5.67 करोड़ से अधिक शेयर की पुनर्खरीद शुरू की, जो कंपनी की चुकता शेयर पूंजी में कुल शेयर की संख्या का करीब 2.107 प्रतिशत है. इंडस टावर्स द्वारा 27 अगस्त 2024 को जारी सूचना के अनुसार....इंडस टावर्स में कंपनी की शेयरधारिता उसकी चुकता शेयर पूंजी के 50% से अधिक हो जाएगी.

जन धन योजना ने वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाया : मोदी

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' के 10 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को कहा कि यह योजना सम्मान, सशक्तीकरण और राष्ट्र के आर्थिक जीवन में भागीदारी के अवसर का प्रतीक है. मोदी ने जन धन योजना को सफल बनाने के लिए काम करने वालों की भी सराहना की और कहा कि यह योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण रही है. प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, आज एक ऐतिहासिक दिन है... जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं. सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं और इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई. उन्होंने कहा कि जन धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों खासकर महिलाओं, युवाओं तथा वंचित समुदायों को सम्मान देने में सबसे आगे रही है. प्रधानमंत्री ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' पर बाद में लिखा आज प्रधानमंत्री जन धन योजना को शुरू हुए एक दशक हो गया है और यह पहल महज एक नीति नहीं है. यह एक ऐसे भारत के निर्माण का प्रयास है, जहां हर नागरिक, चाहे उसकी आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, उसकी औपचारिक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच हो.

पीएम मोदी ने कहा, आप में से कई लोग, खासकर युवा सोच रहे होंगे..यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? आखिरकार, इस युग में बैंक खाता होना बेहद ही बुनियादी बात है और इसे सामान्य बात भी माना जाता है. उन्होंने कहा कि उनकी दुनिया ऐसी थी जहां बचत घर पर रखी जाती थी, जिसके खोने तथा चोरी होने का खतरा बना रहता था. कर्ज तक पहुंच 'साहूकारों' की दया पर निर्भर थी. वित्तीय सुरक्षा के अभाव से कई सपने पूरे नहीं हो पाते थे. जब जन-धन योजना शुरू की गई तो मुझे याद है कि इसे लेकर भी संशय की स्थिति थी. कुछ लोगों ने पूछा था - क्या इतनी बड़ी संख्या में लोगों को बैंकिंग प्रणाली में लाना वास्तव में संभव है? क्या इस प्रयास से कोई ठोस बदलाव आएगा? हां. चुनौतियां काफी व्यापक थीं लेकिन इसे हकीकत बनाने के लिए भारत के लोगों का दृढ़ संकल्प भी उतना ही बड़ा था.

'पीएमजेडीवाई गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में शामिल करती है'

भाषा। नयी दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश पहल है जो गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाती है और हाशिए पर मौजूद समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. वित्तीय समावेश के लिए राष्ट्रीय पहल पीएमजेडीवाई के सफल क्रियान्वयन को एक दशक पूरा हो गया है. इस मौके पर सीतारमण ने कहा, औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक सार्वभौमिक तथा किफायती पहुंच वित्तीय समावेश और सशक्तिकरण हासिल करने के लिए आवश्यक है. यह गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाती है और हाशिए पर मौजूद समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. उन्होंने कहा कि बैंक खाते, लघु बचत योजनाएं, बीमा तथा पहले बैंकिंग सुविधा से वंचित रहे लोगों को ऋण सहित सार्वभौमिक, सस्ती व औपचारिक वित्तीय सेवाएं प्रदान कर प्रधानमंत्री जन धन योजना ने पिछले एक दशक में देश के बैंकिंग तथा वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है. सीतारमण ने कहा कि इस पहल की सफलता इस बात में परिलक्षित होती है कि जन धन खातों के जरिये 53 करोड़ लोग औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में शामिल हुए हैं. इन बैंक खातों में 2.3 लाख करोड़ रुपये की जमा राशि जमा हुई है और इसके परिणामस्वरूप 36 करोड़ से अधिक निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किए गए हैं, जिन पर दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा 'कवर' भी मिलता है.

ईसीओआर ने 10.05 करोड़ टन माल ढुलाई की

भुवनेश्वर। पूर्वी तट रेलवे (ईसीओआर) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 26 अगस्त तक केवल 148 दिन में 10.057 करोड़ टन (एमटी) माल लादकर माल परिवहन में एक नया मानक स्थापित किया है. आधिकारिक बयान के अनुसार, ईसीओआर को गत वित्त वर्ष 2023-24 में इसी आंकड़े तक पहुंचने में 152 दिन लगे थे. रेलवे ने 26 अगस्त 2024 तक माल ढुलाई में 3.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.282 लाख टन अधिक है. तब 9.72 करोड़ टन की माल ढुलाई की गई थी.

रुपये की गिरावट : 83.96 प्रति डॉलर पर

मुंबई। पेट्रोलियम कंपनियों की मजबूत डॉलर मांग के बीच बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया तीन पैसे गिरकर 83.96 पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख, विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की वजह से रुपये का नुकसान सीमित रहा. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.94 प्रति डॉलर पर खुला और अंत में 83.96 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ.

अनन्या पांडे ने कहा- फॉलो कर लो यार...

मुंबई में अपने शो फॉलो कर लो यार का प्रमोशन करतीं एक्ट्रेस अनन्या पांडे.

कंपनी का टारगेट | जून 2025 तक का कैंडी सोलर का लक्ष्य

200 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापित कर रही कैंडी सोलर

भाषा। नयी दिल्ली

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी कैंडी सोलर इंडिया का लक्ष्य जून 2025 तक भारत और दक्षिण अफ्रीका में 200 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापित करना है. कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) निशांत सूद ने कहा कि घरेलू बाजार में परियोजनाएं वाणिज्यिक तथा औद्योगिक (सीएंडआई) खंड के ग्राहकों के लिए इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) आधार पर स्थापित की जाएंगी, जबकि दक्षिण अफ्रीका में ग्राहक खाद्य उद्योग तथा कृषि से होंगे.

सूद ने कहा, हम कैलेंडर वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही तक करीब 200 मेगावाट की सौर परियोजनाएं पूरी कर लेंगे....कैंडी सोलर 45 मेगावाट क्षमता के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है. सूद ने कहा कि भारत में ये परियोजनाएं गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा में फैली हुई हैं. उन्होंने कहा कि कंपनी 'ओपन एक्सेस' और 'रूफटॉप' परियोजनाएं भी स्थापित करेगी. एमडी ने कहा कि 200 मेगावाट क्षमता में से करीब दो तिहाई भारत में तथा शेष दक्षिण अफ्रीका में स्थापित की जाएगी. भारत में सौर डेवलर के समक्ष पेश होने वाली समस्याओं पर किए सवाल पर सूद ने कहा, भारतीय बाजार में सबसे बड़ी चुनौती नीतिगत उतार-चढ़ाव है. कई नीतिगत बदलाव विभिन्न नोडल एजेंसियों के बीच संरेखित नहीं हैं. ऋण या वित्तपोषण विकल्प, खासकर एमएसएमई क्षेत्र में अब भी सीमित हैं. हालांकि, सौर ऊर्जा के लिए वृहद कहानी अच्छी बनी हुई है.

क्लियर टैक्स ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर किया समाधान

अस्थायी कर्मियों के लिए कर जमा करने को सरल बनाया

भाषा। नयी दिल्ली

ऑनलाइन कर जमा कराने की सुविधा देने वाले मंच 'क्लियरटैक्स' ने बुधवार को कहा कि उसने माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक सरलीकृत समाधान विकसित किया है, जो देशभर में अस्थायी कामगारों (गिग वर्कर) को व्हाट्सएप के जरिये अपना कर दाखिल करने की अनुमति देता है. एक बयान के अनुसार, क्लियरटैक्स ने एक उपयोगकर्ता-अनुकूल समाधान विकसित करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर ओपनएआई सेवा का उपयोग किया है. इसके जरिये भुगतान पर काम करने वाले अस्थायी कामगार व्हाट्सएप के माध्यम से अपना कर दाखिल कर सकते हैं. क्लियरटैक्स ने कहा, इस पहल का प्रभाव तेज और पर्याप्त रहा है. पेशकश के पांच सप्ताह में ही लगभग 98,000 अस्थायी कर्मचारी इस नई प्रणाली के साथ अपना कर दाखिल करने में सक्षम हुए हैं. इन सभी लोगों को इस सरलीकृत योजना के कई तात्कालिक आर्थिक लाभ भी मिलने वाले हैं. बेंगलुरु स्थित फर्म ने इस सेवा की पहुंच नियोक्ता संगठनों तक देने की योजना भी बनाई है ताकि वे दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अपने स्थायी कर्मचारियों की कर दाखिल करने और टीडीएस रिफंड दावों में सहायता कर सकें.

समुदायों व नीति निर्माताओं को जोड़ना कॉमन्स के संरक्षण के लिए आवश्यक

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय 'कॉमन्स कन्वीनिंग' (सामुदायिक भूमि) का उद्घाटन सामूहिक कार्रवाई और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर देने के साथ हुआ. इस आयोजन का उद्देश्य भारत के पारिस्थितिक कॉमन्स के प्रबंधन और संरक्षण के लिए आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा करना और सतत विकास लक्ष्यों और जलवायु कार्रवाई उद्देश्यों को प्राप्त करने में कॉमन्स की भूमिका को बढ़ावा देना है. भारत के सामुदायिक भूमि, जो लगभग 205 मिलियन एकड़ के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. ओडिशा के जिशुदान दिशारी, जिनके गांव बाराकुटनी को 2022 में प्रकृति मित्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, ने सामुदायिक भूमि की सुरक्षा की दिशा में अपनी यात्रा साझा की. उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि उनकी दादी ने उन्हें सिखाया था कि प्रकृति लोगों की रक्षा करेगी.

इसी प्रकार, नगालैंड के वाई नुकलू फोम, जिन्होंने 2021 में जैव विविधता संरक्षण के लिए व्हिटली पुरस्कार जीता, ने अपने गांव योंगयिमचेन में अपने शिकार समुदाय की परिवर्तनकारी यात्रा का वर्णन किया. शिकार से संरक्षण की ओर संक्रमण करते हुए, समुदाय के प्रयासों ने अमूर बाजों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जिसकी उपस्थिति ने नीति निर्माताओं और सामुदायिक नेताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया है. बेंगलुरु की झील कार्यकर्ता उषा राजगोपालन ने शहरी दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला.

उद्घाटन सत्र में आईएफएस, राजेश एस कुमार, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ फॉरेस्ट, एमओईएफसीसी, मुनीराजू एसबी, डिप्टी एडवाइजर, नीति आयोग सुधर्शन अय्यंगार, चेयरपर्सन, रंजन कुमार घोष, और जीना नियाज़ी सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया.

ब्रीफ खबरें

अभिनेता सिद्दीकी के खिलाफ मामला दर्ज

तिरुवनंतपुरम। मलयालम फिल्मों के अभिनेता सिद्दीकी पर एक अभिनेत्री द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए जाने के बाद उनके खिलाफ बलात्कार का एक मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभिनेता के खिलाफ म्यूजियम पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 376 (बलात्कार) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. चूंकि अपराध 2016 में हुआ था, इसलिए मामला भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज किया गया.

संजय सिंह ने किया आत्मसमर्पण, जमानत

सुलतानपुर। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने बुधवार को यहां की सांसद/विधायक अदालत में आत्मसमर्पण किया जिसके बाद उन्हें जमानत दे दी गई. इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 अगस्त को बिजली-पानी के लिए विरोध प्रदर्शन के 2001 के मामले में संजय सिंह की सजा पर रोक लगा दी थी. सिंह ने उच्च न्यायालय के निर्देश के मुताबिक, जमानत के लिए 50 हजा रुपये का मुचलका भरा. अधिवक्ता मदन सिंह ने बताया कि बुधवार को संजय सिंह ने अदालत ने 50,000 रुपये के मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी.

ट्रंप पर नए सिरे से अभियोग दायर

वाशिंगटन। अमेरिका की संघीय सरकार ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिकी संसद परिसर 'कैपिटल हिल' में हुए दंगों के संबंध में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मंगलवार को नए सिरे से अभियोग दायर कर उन पर लगाए गए आरोपों को सीमित कर दिया. दरअसल उच्चतम न्यायालय ने पूर्व राष्ट्रपतियों को अभियोगों से छूट होने के संबंध में हाल में एक फैसला सुनाया था. उस भाग को हटा दिया गया है, जिसमें चुनाव में हुई हार को पलटने के लिए विधि मंत्रालय की कानून प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करने के प्रयास का ट्रंप पर आरोप लगाया गया था.

वेस्ट बैंक में इजराइल के हमले में 9 की मौत

यरुशलम। इजराइल ने बुधवार को वेस्ट बैंक में हमले किए जिसमें कम से कम नौ फलस्तीनियों की मौत हो गयी और उसकी सेना ने संवेदनशील जेनिन शहर को घेर लिया है. फलस्तीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी. इजराइल ने सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से लगभग हर दिन वेस्ट बैंक पर हमले किए हैं. फलस्तीनी आतंकवादी समूहों ने कहा कि इजराइली सेना के साथ उनकी मुठभेड़ जारी है. जेनिन के गवर्नर ने फलस्तीनी रेडियो से कहा कि इजराइली बलों ने शहर को घेर लिया है, निकासी और प्रवेश बिन्दुओं को बंद कर दिया है.

यूएन : म्यांमा में शांति बहाली का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र। ब्रिटेन ने म्यांमा से संबंधित संयुक्त राष्ट्र का एक व्यापक प्रस्ताव सदस्य देशों को वितरित किया है, जिसमें शांति प्रयासों को नए सिरे से शुरू करने का आग्रह किया गया है, नागरिकों पर हमलों, खासतौर पर सेना द्वारा किए गए हमलों की निंदा की गई है और अवैध हथियारों की तस्करी रोकने का आह्वान किया गया है. एसोसिएटेड प्रेस को मंगलवार को प्रस्ताव का मसौदा प्राप्त हुआ जिसमें 'म्यांमा में बढ़ती हिंसा पर चिंता' व्यक्त की गई है.

शरद पवार व उद्धव ठाकरे ने शिवाजी की प्रतिमा गिरने पर कहा-तेज हवाओं के कारण प्रतिमा गिरने का सरकार का दावा 'बेशर्मी की पराकाष्ठा'

महायुति सरकार के तहत महाराष्ट्र में चरम पर पहुंच गया भ्रष्टाचार

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को लेकर बुधवार को एकनाथ शिंदे नीत सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि महायुति शासन के दौरान भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है. सिंधुदुर्ग की मालवण तहसील में राजकोट किले में 17वीं सदी के मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार को अपराह्न करीब एक बजे गिर गई थी. पिछले साल चार दिसंबर को इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था.

एक विरोध मार्च निकालेगा गठबंधन

ठाकरे ने यहां शरद पवार और कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले के साथ संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि तेज हवाओं के कारण प्रतिमा गिरने का सरकार का दावा 'बेशर्मी की पराकाष्ठा' है. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए महा विकास आघाडी (एमवीए) एक सितंबर को दक्षिण मुंबई में हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक एक मार्च निकालेगा. ठाकरे ने कहा कि पवार सहित, एमवीए के सभी घटक दलों के मुख्य नेता प्रदर्शन में शामिल होंगे. ठाकरे ने कहा शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के खिलाफ मालवण में आज एमवीए के मोर्चा में व्यवधान पैदा कर रहे लोग मराठा योद्धा के विश्वासघाती हैं. उन्होंने एमवीए के प्रतिनिधिमंडल के राजकोट किला जाने के बाद शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं और भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प का हवाला देते हुए यह कहा.

सरकार खुद दोषमुक्त नहीं हो सकती

पवार ने कहा कि सरकार नौसेना को दोषी ठहराकर खुद को दोषमुक्त नहीं कर सकती क्योंकि प्रतिमा स्थापित करने के लिए उसकी (सरकार की) अनुमति आवश्यक थी. उन्होंने इस प्रतिमा को बनाने में भ्रष्टाचार होने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा, 'राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है.' उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ आक्रोश है. इस बीच, राकांपा (एसपी) की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने प्रतिमा गिरने से उत्पन्न स्थिति को नियंत्रित करने में कथित विफलता के लिए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की मांग की. फडणवीस के पास गृह विभाग का भी प्रभार है. सुले ने दावा किया कि इस घटना के कारण लोग आक्रोशित हैं और राज्य सरकार की ओर से अब तक आधिकारिक रूप से माफी नहीं मांगी गई है. इस बीच, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के लिए वह राज्य के 13 करोड़ लोगों से माफी मांगते हैं.

शिवसेना (यूबीटी) व भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद नारायण राणे के समर्थकों के बीच बुधवार को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में उस किले पर झड़प हुई, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गयी. एक अधिकारी ने बताया कि कुछ लोगों ने पथराव भी किया जिसके कारण एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया. राजकोट किले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और ठाकरे परिवार के कट्टर प्रतिद्वंद्वी एवं रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग के सांसद नारायण राणे के तकरीबन एक साथ किले में पहुंचने से झड़प शुरू हुई. शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार को अपराह्न करीब एक बजे गिर गई थी.

'बंगाल बंद' का राज्य में मिला-जुला असर, कई भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया

भाजपा कार्यकर्ताओं की कई स्थानों पर पुलिस से झड़प

12

घंटे के 'बंगाल बंद' के खिलाफ दायर एक याचिका को खारिज कर दी कलकत्ता हाई कोर्ट ने

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 12 घंटे का बंद आहूत करने की कोशिश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की कई स्थानों पर बुधवार को पुलिस से झड़प हुई और राज्य में इस बंद का मिला-जुला असर देखा गया. सुबह से ही सड़कों और रेल की पटरियों को अवरुद्ध करने के लिए पूर्व राज्यसभा सदस्य रूपा गांगुली और लॉकेट चटर्जी तथा राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य व विधायक अग्निमित्रा पॉल समेत कई भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया गया है. कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए राज्य सचिवालय (नबान्न) तक मार्च निकाला गया था. यह मार्च एक नवगठित छात्र समूह 'छात्र समाज' ने आयोजित किया था. इस बंद से राज्य में जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ है और कई लोग सड़कों पर उपद्रव की आशंका से अपने घरों में ही रहे. राजधानी कोलकाता में सड़कों पर चहल-पहल कम रही. सड़कों पर बहुत कम बस, ऑटो रिक्शा और टैक्सी नजर आईं. निजी वाहनों की संख्या भी कम रही. हालांकि, बाजार और दुकानें पहले की तरह खुली रहीं. स्कूल और कॉलेज खुले थे लेकिन छात्रों की संख्या बेहद कम रही. कोलकाता में कई अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों ने कक्षाएं निलंबित कर दीं. ज्यादातर निजी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति बेहद कम रही क्योंकि उन्हें घर से काम करने को कहा गया था. सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति पहले की तरह सामान्य रही.

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भाजपा के 'बंगाल बंद' के खिलाफ जनहित याचिका खारिज की

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आहूत 12 घंटे के 'बंगाल बंद' के खिलाफ दायर एक याचिका बुधवार को खारिज कर दी, क्योंकि संबंधित याचिकाकर्ता को एक पूर्ववर्ती आदेश के माध्यम से अदालत के समक्ष जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने से हमेशा के लिए रोक दिया गया था. उच्च न्यायालय में वकालत का दावा करने वाले याचिकाकर्ता संजय दास ने अपनी याचिका में अनुरोध किया था कि बंद को अवैध घोषित किया जाए. मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने जनहित याचिका खारिज कर दी, क्योंकि अदालत ने अपने पिछले आदेश में दास को ऐसी कोई भी याचिका दायर करने से हमेशा के लिए रोक दिया था. खंडपीठ में न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य भी शामिल थे.

बलात्कारियों को मौत की सजा दिलाने के लिए कानूनों में संशोधन करेगी बंगाल सरकार: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार की नीति 'बलात्कार संबंधी घटनाओं को कतई बर्दाश्त न करने' की है और इन मामलों से संबंधित मौजूदा कानूनों में संशोधन के लिए अगले सप्ताह राज्य विधानसभा में एक विधेयक पारित किया जाएगा, ताकि दुष्कर्म के अपराधियों के लिए मृत्युदंड सुनिश्चित किया जा सके. बनर्जी ने कहा कि यदि राज्यपाल संशोधित विधेयक को मंजूरी देने में देरी करते हैं या इसे अनुमोदन के लिए राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो वह राजभवन के बाहर धरने पर बैठेंगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में शनिवार से जमीनी स्तर पर आंदोलन शुरू करेगी, ताकि बलात्कार के दोषियों को मृत्युदंड देने का कानून पारित करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाया जा सके.

इंदिरा गांधी को अमेरिकी राष्ट्रपति बाहर खड़ा रखते थे, आज देखिए : कंगना

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी रिलीज के लिए तैयार है. यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इमरजेंसी के दौर पर आधारित है. इस बीच कंगना ने इंदिरा गांधी को लेकर अपनी राय रखी. उन्होंने इंदिरा और नरेंद्र मोदी की तुलना की तुलना से जुड़े सवाल का भी बेबाकी से जवाब दिया. कंगना रनौत ने इंडिया टुडे समूह को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर आप किसी की तारीफ करते हैं, किसी को सम्मान देते हैं. इसका मतलब ये नहीं है कि आप किसी का अपमान करते हैं. वह वक्त अलग था, वह दौर अलग था. 70 के दशक में गैस का कनेक्शन लगने में छह महीने लगते थे. हमारी फिल्मों में दिखाया जाता है कि उस समय इंसान फ्रस्ट्रेशन से भरा हुआ था, तभी 70 के मध्य में विद्रोह हुआ. आज हम अलग दुनिया में हैं. आज भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बनी हुई है. इंदिरा गांधी को अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बाहर खड़ा रखते थे. किस तरह से बात करते थे. आज देखिए, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किस तरह का सम्मान मिलता है. ठीक है, वो वक्त अलग था, दौर अलग था. लेकिन मेरा मानना है कि अगर देश किसी परिवार के हाथ में न जाकर जनता के हाथ में होता, तो शायद ये दौर उतना देरी से नहीं आता. कंगना रनौत ने कहा कि इंदिरा गांधी तीन बार इस देश की प्रधानमंत्री रह चुकी हैं. कुछ लोग सोचते हैं कि इंदिरा गांधी सिर्फ राहुल गांधी की दादी थी. लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता. इंदिरा गांधी को राहुल गांधी की सिर्फ दादी कहना उनके कद को बहुत सीमित कर देता है. वह पूरे देश की प्रधानमंत्री थी. वह हमारा इतिहास थीं. हमारे इतिहास का हिस्सा थीं.

इंटरव्यू : इंदिरा से राहुल की कोई तुलना नहीं, प्लीज मजाक न कीजिए

मोहन भागवत को जेड प्लस से भी अधिक एएसएल की सुरक्षा

लगातार न्यूज नेटवर्क

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा जेड प्लस श्रेणी से भी उपर की होगी. उनकी सुरक्षा एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) स्तर की होगी. मोहन भागवत की सुरक्षा को बढ़ाने का फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लिया है. अब वह पहले से अधिक सुरक्षाकर्मियों के घेरे में रहेंगे. इस बारे में सभी राज्यों की सरकारों और पुलिस प्रमुखों को जानकारी दे दी गई है. गृह मंत्रालय में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में यह पाया गया कि कई राज्यों में मोहन भागवत को पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिलती है. जिस राज्य में भाजपा सत्ता में है, वहां तो उनकी सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं होती. बड़ी संख्या में पुलिस बल की भी तैनाती की जाती है, लेकिन जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं है, वहां उनकी सुरक्षा में कमी रहती है. कम फोर्स की तैनाती की जाती है. इस कारण उन पर खतरा बरकरार रहता है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मोहन भागवत अब विशेष रूप से तैयार हेलिकॉप्टर से ही यात्रा करेंगे और उनकी सुरक्षा में सीआईएसएफ के जवान तैनात रहेंगे. एएसएल सुरक्षा को बहुस्तरीय सुरक्षा की श्रेणी में रखा जाता है. इस कैटेगरी की सुरक्षा वाले व्यक्ति की सुरक्षा में कई स्तरों पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाती है.

मोदी को सुनने के लिए भारतीय तैयार

लगातार न्यूज। नेटवर्क

- प्रधानमंत्री संरा महासभा के एक उच्चस्तरीय सत्र को संबोधित करने के लिए अगले महीने जाएंगे अमेरिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका जाएंगे. 26 सितंबर को वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्चस्तरीय सत्र को संबोधित करने वाले हैं. इसी दौरान वहां वह अप्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे. इसके लिए वहां एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम का नाम मोदी एंड यूएस प्रोग्रेस टूगेदर रखा गया है. कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 24 हजार भारतीयों ने अपनी सहमति दी है. हालांकि जिस जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, वहां सिर्फ 15 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है. इंडो-अमेरिकन कम्युनिटी ऑफ यूएसए ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री को सुनने के लिए 24 हजार लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं. अमेरिका के 42 राज्यों में रह रहे भारतीय इस कार्यक्रम में शामिल होंगे. कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए आयोजकों ने तैयारी शुरु कर दी है. मोदी एड यूएस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच की विविधता को जश्न के रुप में मनाना है. कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के अलावा सांस्कृति कार्यक्रम भी होंगे. इसके साथ ही उद्योग, विज्ञान, मनोरंजन और कला क्षेत्र से जुड़े भारतीय और अमेरिकी कार्यक्रम में शामिल होंगे. उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए विदेशों में इस तरह के कार्यक्रम पहले भी आयोजित होते रहे हैं.

वरुणावत पर्वत से 21 साल बाद फिर भूस्खलन

एजेंसी। उत्तरकाशी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में भारी बारिश के बाद वरूणावत पर्वत से हुए जबरदस्त भूस्खलन से गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग एवं गोफियारा कॉलोनी में सड़कों पर खड़े कई वाहन मलबे में दब गए. अधिकारियों ने यहां बताया कि जिला मुख्यालय व आसपास के क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा के बाद मंगलवार देर रात करीब पौने दो बजे वरुणावत की तलहटी में स्थित गोफियारा जल संस्थान कॉलोनी के निकट पहाड़ी से भूस्खलन हुआ. इस दौरान पत्थरों के साथ काफी मात्रा में मलबा गिरा जिससे इलाके में हड़कंप मच गया. उन्होंने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन भूस्खलन के मलबे में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग व गोफियारा कॉलोनी में सड़कों पर खड़े कई वाहन दब गए.

वरूणावत पर्वत से हुए भूस्खलन ने 21 साल बाद एक बार फिर लोगों को डरा दिया और वर्ष 2003 में लगातार हुए भूस्खलन की कड़वी यादों को ताजा कर दिया. उस दौरान लंबे समय तक वरूणावत से भूस्खलन होता रहा था. वरुणावत पर्वत की तलहटी में उत्तरकाशी शहर बसा हुआ है और इस पर्वत के 'ट्रीटमेंट' के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने करीब 250 करोड़ रुपये से अधिक का पैकेज दिया था. मंगलवार रात काफी देर तक भूस्खलन होने तथा पत्थर गिरने की घटना से लोग सहम गए.

वडोदरा के कई हिस्से दूसरे दिन भी जलमग्न

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा शहर के कई हिस्से लगातार दूसरे दिन भी जलमग्न रहे, जिससे स्थिति 'चिंताजनक' हो गई और राहत एवं बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाया गया. कुछ इलाकों में 10 से 12 फुट पानी भरा हुआ है. भारी बारिश और अजवा बांध से पानी छोड़े जाने के कारण विश्वामित्री नदी मंगलवार की सुबह 25 फुट के खतरे के निशान को पार कर गई.

राष्ट्रपति चुनाव इससे पहले 1988 में उपराष्ट्रपति जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश चुनाव जीत कर राष्ट्रपति बने थे

क्या राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस बना पाएंगी इतिहास

एजेंसी। न्यूयार्क

अमेरिका में इस बात की खूब चर्चा हो रही है कि क्या राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस इतिहास बना पाएंगी. क्या कमला हैरिस एक पूर्व उपराष्ट्रपति रहते हुए चुनाव जीत कर अमेरिका का राष्ट्रपति बन पाएंगी. इससे पहले 1988 में उस वक्त के उपराष्ट्रपति जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश चुनाव जीत कर राष्ट्रपति बने थे. माना जाता है कि कमला हैरिस व्हाइट हाउस के लिए अपना अभियान शुरू कर रही हैं और वह खुद का नाम इतिहास में दर्ज कराने के लिए भी पूरी कोशिश करेंगी. उपराष्ट्रपति रहते हुए व्हाइट हाउस पहुंचने की कोशिश में असफल रहे लोगों में 1960 में रिचर्ड निक्सन, 1968 में ह्यूबर्ट हम्फ्री और 2000 में अल गोर शामिल रहे हैं. युद्ध और घोटालों से लेकर अपराध और टेलीविजन पर होने वाली बहसों जैसे मुद्दों से प्रभावित चुनावों में तीनों हार गए. लेकिन प्रत्येक उपराष्ट्रपति के लिए दो अन्य कारण भी महत्वपूर्ण साबित हुएः क्या निवर्तमान राष्ट्रपति लोकप्रिय थे और क्या राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के बीच संबंध अच्छे थे?

प्रिंसटन विश्वविद्यालय में इतिहास और सार्वजनिक मामलों के प्रोफेसर जूलियन जेलिजर कहते हैं- ''वास्तव में लोग चाहते हैं कि दोनों मिलकर काम करें. अगर उपराष्ट्रपति जिस व्यक्ति के साथ काम कर रहा है, वह लोकप्रिय है तो लोग उसकी कार्यशैली को पसंद करते हैं. साल 1988 में बुश ने मैसाचुसेट्स के गवर्नर डेमोक्रेट माइकल डुकाकिस को आसानी से हरा दिया था, जिन्हें रिपब्लिकन ने कमजोर और संपर्क से परे करार दिया था. बुश को एक ठोस अर्थव्यवस्था और शीत युद्ध के तनाव में कमी से मदद मिली. राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन की स्वीकृति रेटिंग 1986-87 के ईरान-कॉन्ट्रा घोटाले के मद्देनजर तेजी से गिरने के बाद बढ़ी और रीगन तथा बुश ने चुनाव अभियान के दौरान एक साथ अच्छा काम किया. रीगन ने अपने उपराष्ट्रपति का खुलकर समर्थन किया, जिन्होंने 1980 के प्राइमरी में उनके खिलाफ चुनाव लड़ा था. उन्होंने रिपब्लिकन सम्मेलन में बुश की प्रशंसा एक प्रतिबद्ध और अमूल्य भागीदार के रूप में की थी, कैलिफोर्निया की एक रैली में उनके साथ दिखाई दिए और मिशिगन, न्यू जर्सी और मिसौरी में सभाओं में भाषण दिया था.

इतिहासकार-पत्रकार जोनाथन डारमन के मुताबिक रीगन द्वेष रखने वाले व्यक्ति नहीं थे. और बुश ने उपराष्ट्रपति रहते हुए अपने रिश्ते की जटिलता से बाहर निकलने का काम अच्छी तरह से किया. जब गोर 2000 में चुनाव लड़े, तो उन्हें जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश की तरह ही लाभ मिला. अर्थव्यवस्था मजबूत थी, देश में शांति थी और राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को व्हाइट हाउस की इंटर्न मोनिका लेविंस्की के साथ उनके संबंध को लेकर महाभियोग के बावजूद उच्च रेटिंग प्राप्त थी. गोर ने इससे पहले के आठ वर्षों में क्लिंटन के साथ मिलकर काम किया था, लेकिन इस स्कैंडल के कारण उनके बीच तनाव बना रहा. उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति की मौजूदगी को कम से कम रखा और डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में अपने 'एक्सेप्टेंस' भाषण में खुद को अपने दम पर चुनाव में उतरा नेता बताया. जानकार लोग मानते हैं कि क्लिंटन से उनकी दूरी ही उन्हें चुनाव में झटका देने वाली साबित हुई. गोर की तरह, निक्सन भी तत्कालीन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर की लोकप्रियता का फायदा नहीं उठा सके या नहीं उठाना चाहते थे.

हरियाणा चुनाव : भीम आर्मी का जेजेपी से हो सकता है गठबंधन

लगातार न्यूज नेटवर्क

हरियाणा विधानसभा चुनाव में जेजेपी और भीम आर्मी की पार्टी आजाद समाज पार्टी-कांशीराम का गठबंधन हो सकता है. पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने कहा है कि पिछले सात-आठ सालों में भीम आर्मी के कार्यकर्ता हरियाणा में काम कर रहे हैं. पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने हरियाणा के 20 सीटों पर अच्छा काम किया है.

जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत किया है और पार्टी के नेता लोकप्रिय हैं. जेजेपी से गठबंधन के सवाल पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं है. अगर इस तरह का गठबंधन होता है तो हम मजबूत विकल्प बन कर सामने आयेंगे. आजाद समाज पार्टी और जेजेपी में गठबंधन होने पर हम पूरे हरियाणा में अच्छी तरह से चुनाव लड़ सकते हैं. उल्लेखनीय है कि भीम आर्मी यूपी के अलावा बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में चुनाव लड़ चुकी है.

- जेजेपी से गठबंधन के सवाल पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं है. अगर इस तरह का गठबंधन होता है तो राज्य में हम मजबूत विकल्प बन कर सामने आयेंगे

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)